भिंड ■ रविवार 01 मार्च 2026 ■ वर्ष -18 ■ अंक-241 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य-₹04

दैनिक सत्ता सुधार
जनता के साथ जनता की आवाज

सुविचार

आज आप जो दर्द महसूस करते हैं, वही कल आपकी ताकत बन जाएगा।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने दिल्ली में की मुलाकात

अमित शाह ने जानी प्रदेश में संचालित योजनाओं की प्रगति

- विकास और समसामयिक विषयों पर हुई चर्चा
- नितिन नवीन से भी मिले सीएम और प्रदेशाध्यक्ष

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्य प्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान विभिन्न समसामयिक विषयों और प्रदेश के विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में चल रही विकास योजनाओं और केंद्र सरकार के सहयोग से संचालित परियोजनाओं की प्रगति से भी अवगत कराया। यह मुलाकात सौहार्दपूर्ण रही। राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टि से इसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस बीच सीएम और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेवाल भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से भी मुलाकात की। प्रदेश में पार्टी और सरकार की गतिविधियों की जानकारी साझा की। सीएम डॉ. मोहन यादव अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तस्वीर जारी करते हुए इस मुलाकात की जानकारी दी है।

पश्चिम बंगाल में 5.46 लाख मतदाताओं के नाम कटे

एसआईआरः चुनाव आयोग ने जारी किया आंकड़ा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद तैयार की गई मतदाता सूची में मतदाताओं की संख्या 7.04 करोड़ से अधिक है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने शनिवार को यह जानकारी दी। अग्रवाल ने पत्रकारों को बताया कि एसआईआर के दौरान फॉर्म-7 के जरिये 5.46 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम हटाए गए। वहीं, फॉर्म-6 और फॉर्म 6-ए के जरिये 1.82 लाख से ज्यादा नए मतदाताओं को सूची में जोड़ा गया। उन्होंने बताया कि पुनरीक्षण की प्रक्रिया के दौरान 58 लाख से अधिक गणना फॉर्म प्राप्त नहीं हो सके। इनमें मृत मतदाता, स्थानांतरिक हो चुके मतदाता और दोहराए गए नामों के मामले शामिल हैं।

बोत्सवाना से श्योपुर आए 9 और मेहमान... भारत में अब 48 चीता

देश के एक मात्र 'चीता स्टेट' एमपी में बढ़ा चीतों का कुनबा

- नामीबिया, साउथ-अफ्रीका के बाद बोत्सवाना से आए चीते
- चीता प्रोजेक्स को मिली उड़ान, जेनेटिक विविधता मजबूत होगी
- 12 घंटे के बाद चीते पहुंचे कूनो, मादाओं से प्रजनन संतुलन मजबूत

केंद्रीय वन मंत्री ने दो चीतों को क्वारंटीन बाड़े में किया रिलीज, सभी चीतों को एक महीने तक विशेष निगरानी में रखे जाएंगे

सत्ता सुधार ■ श्योपुर

चीता स्टेट मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में शनिवार की सुबह इतिहास के एक और पन्ने पर चीते के पंजों के निशान दर्ज हो गए। बोत्सवाना से 12 घंटे की हवाई यात्रा के बाद 9 नए चीते भारत पहुंचे और हेलीकॉप्टर से कूनो लाकर सीधे क्वारंटीन बाड़ों में शिफ्ट कर दिए गए। इसके साथ ही देश में चीतों की कुल संख्या 39 से बढ़कर 48 हो गई। नई खेप में छह मादा और तीन नर चीते हैं। यही खेप सबसे बड़ी ताकत है। कूनो में अब चीतों का कुनबा 36 से बढ़कर 45 गया है। गांधी सागर अभयारण्य के तीन चीतों को मिलाकर देश में 48 चीते हैं। केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव सुबह विशेष विमान से ग्वालियर, फिर हेलीकॉप्टर के जरिए कूनो पहुंचे। सुबह करीब 9:20 बजे उन्होंने प्रतीकात्मक रूप से क्रेट का हैंडल घुमाकर दो चीतों को क्वारंटीन बाड़े में रिलीज किया।

केंद्रीय मंत्री बोले- ऐतिहासिक साझेदारी: केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने बोत्सवाना से लाए गए चीतों के कूनो नेशनल पार्क में रिलीज कार्यक्रम के दौरान कहा कि यह बोत्सवाना और भारत के बीच जैव विविधता संरक्षण की एक ऐतिहासिक साझेदारी है। बायोडायवर्सिटी कंजर्वेशन की दिशा में कई देश साथ आए हैं। पीएम मोदी की विशेष पहल और प्रयासों से भारत में चीतों के प्रतिस्थापन की योजना पूरी तरह से सफल रही है।

भारत में चीतों की वर्तमान स्थिति

श्रेणी	संख्या
कुल चीते	48
कूनो नेशनल पार्क	45
गांधी सागर अभयारण्य	03
नामीबियाई मूल	20
दक्षिण अफ्रीकी मूल	19
बोत्सवाना से आए चीते	09
भारत में जन्मे शावक	28

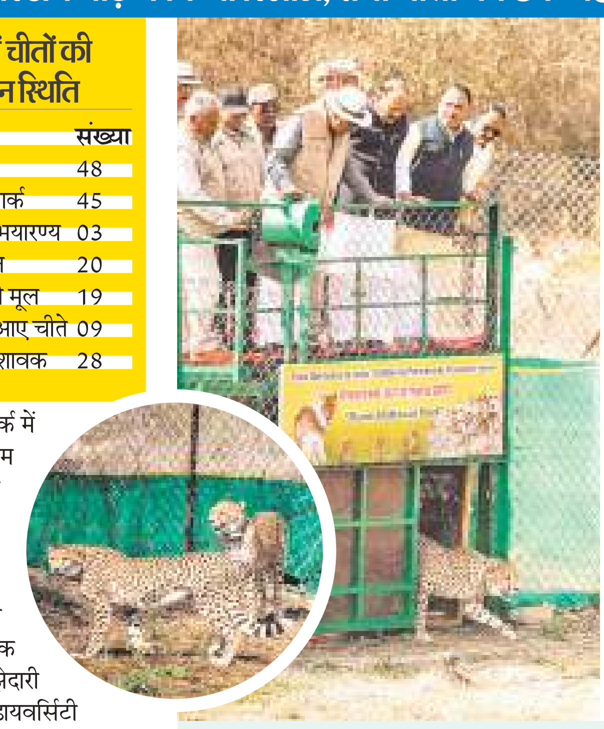

कूनों 18 मादा और 16 नर

कूनो में अब वयस्क चीतों की संख्या में 18 मादा और 16 नर शामिल हैं। सभी 9 चीतों को अगले एक महीने तक विशेष क्वारंटीन बाड़ों में विशेषज्ञों और डॉक्टरों की सख्त निगरानी में रखा जाएगा। तीन अलग-अलग देशों के चीतों का एक साथ होना इस प्रोजेक्ट की लंबी अवधि की सफलता के लिए निर्णायक साबित होगा।

गामिनी ने तीन नहीं, दिए चार शावकः एक और खुशखबरी यह रही कि मादा चीता गामिनी ने 18 फरवरी को तीन नहीं, बल्कि चार शावकों को जन्म दिया था। घनी झाड़ियों के कारण चौथा शावक पहले नजर नहीं आया था लेकिन मॉनिटरिंग टीम और पशु चिकित्सकों की निगरानी में उसकी पुष्टि हो गई। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने इस जानकारी को सोशल मीडिया पर साझा किया।

साढ़े तीन साल का चीता प्रोजेक्ट

भारत में चीता प्रोजेक्ट को साढ़े तीन साल का समय हो गया है। कूनो नेशनल पार्क में चीतों का कुनबा निरंतर बढ़ रहा है। वर्तमान में भारत में चीतों की संख्या 48 हो गई है। केंद्रीय वन मंत्री ने कहा कि भारत के प्रयासों से विश्व में जैव विविधता संरक्षण के लिए काम किया जा रहा है। 97 देश इस मंच के सदस्य बन गए हैं।

2009 में हुआ था कूनो का चयन

भारत में वर्ष 1952 में एशियाई चीतों के विलुप्त होने के बाद से ही चीतों को फिर से स्थापित करने की योजना चल रही थी। इसी उद्देश्य से सितंबर 2009 में राजस्थान के गजनेर में चीता विशेषज्ञों की एक बैठक की गई थी। 10 स्थलों के सर्वेक्षण में मध्य प्रदेश के नौरादेही अभयारण्य, कूनो पालपुर अभयारण्य एवं राजस्थान के शाहगढ़ को उपयुक्त पाया गया। इन तीनों में से भी कूनो अभयारण्य जो वर्तमान में कूनो राष्ट्रीय उद्यान है, सर्वाधिक उपयुक्त पाया गया।

ब्रीफ न्यूज

देश में जल्द बनेगा नेशनल सोशल सिक्योरिटी बोर्ड

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के लेबर मिनिस्टर आकाश फुंडकर ने विधानसभा में जानकारी दी है कि केंद्र सरकार जल्द ही गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए नेशनल सोशल सिक्योरिटी बोर्ड का गठन करने जा रही है।

राहुल गांधी ने वित्त मंत्री सीतारमण को लिखा पत्र

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखा है। उन्होंने सशस्त्र बलों के पूर्व सैनिकों से जुड़े दो महत्वपूर्ण मुद्दों पर हस्तक्षेप की मांग की है। राहुल ने एक्स-सर्विसमेन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध कराने और दिव्यांगता पेंशन पर लगाए गए नए आयकर प्रावधान को वापस लेने मांग की।

जम्मू-कश्मीर 67 साल में पहली बार रणजी चैंपियन

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर ने रणजी ट्रॉफी में इतिहास रच दिया है। टीम ने पहली बार रणजी ट्रॉफी का खिताब जीता। टीम 1959 से इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही है। 67 साल बाद पहला खिताब जीता है। इस जीत पर जम्मू एंड कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने टीम को 2 करोड़ की इनामी राशि देने का ऐलान किया है। टीम ने 8 बार की विजेता कर्नाटक को हराया है।

अमेरिका-इजराइल ने बोला- हमला, ईरान के रक्षा मंत्री ढेर

जवाब में ईरान ने इजराइल पर 400 से ज्यादा मिसाइलें दागीं

- मिसाइल गिरने से 40 छात्रा समेत 55 लोगों की मौत
- ईरान ने भी इजराइल-दुबई पर 400 मिसाइलें दागीं
- मध्य-पूर्व तनाव के चलते भारतीय हवाई अड्डे अलर्ट पर
- नागरिक उड्डयन मंत्री ने तैयारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा की
- एयर इंडिया और इंडिगो ने कई उड़ानें कीं गईं कैंसिल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अभियान का नाम- शेर की दहाड़

इजराइल ने ईरान के खिलाफ अपने नए अभियान का नाम लियोनस् रोर (शेर की दहाड़) रखा है। ये हमला ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु हथियारों को लेकर चल रही बातचीत के बीच हुआ है।

इजराइल ने शनिवार सुबह ईरान की राजधानी तेहरान समेत कई शहरों पर बड़ा हमला किया। दक्षिणी ईरान के एक स्कूल पर मिसाइल गिरने से 40 छात्राओं समेत 55 लोगों की मौत हो गई, जबकि 45 घायल हैं। वहीं दावा किया जा रहा है कि हमले में इरान के रक्षा मंत्री अमीर नसीरजादेह और इरानी सेना के टॉप कमांडर मोहम्मद पकपूर भी मारे गए हैं। अमेरिका और इजराइल ने इसे संयुक्त सैन्य हमला बताया है। ट्रम्प ने वीडियो जारी कर कहा कि ईरान पर यह हमला उनके नागरिकों की रक्षा के लिए किया गया है। वहीं जवाब में ईरान ने इजराइल पर 400 मिसाइलें दागीं और कतर, कुवैत, जॉर्डन, बहरीन, सऊदी अरब व यूएई में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को भी निशाना बनाया। ईरान ने यूएई के सबसे ज्यादा आबादी वाले शहर दुबई पर भी हमला किया। कई देशों ने अपने एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय कर दिए हैं।

युद्ध के बाद अलर्ट मोड पर भारत

इधर, मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच भारत सरकार ने एहतियातन कदम उठाते हुए देश के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डों को अलर्ट मोड पर रख दिया है। संभावित उड़ान डायवर्जन और अनियोजित लैंडिंग की आशंका को देखते हुए एएआई व निजी हवाईअड्डा संचालकों को ग्राउंड हैंडलिंग, पार्किंग बे, इमिग्रेशन सहायता तथा क्रू लॉजिस्टिक्स सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ और तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त निर्देश नई दिल्ली में नागरिक उड्डनय मंत्री के राममोहन नायडू की अध्यक्षता में हुई एक समीक्षा बैठक में दी गई है।

आंध्र की पटाखा फैक्ट्री में धमाका, 20 लोगों की मौत

छह गंभीरः ब्लास्ट की आवाज 5 किमी दूर तक गूंजी, अफसरों को तत्काल मदद के निर्देश

मजदूर पटाखे बना रहे थे, तभी आग लगी और कई फंस गए

अमरावती। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले के वेटलापलेम गांव में शनिवार को पटाखा बनाने वाली यूनिट में धमाका हो गया। हादसे में 20 लोगों की मौत हो गई, जबकि छह लोग गंभीर रूप से घायल हैं। धमाके के समय यूनिट में 25 से ज्यादा कर्मचारी काम कर रहे थे। दोपहर करीब 2 बजे ब्लास्ट हुआ। धमाके इतना भीषण था कि इसकी आवाज 5 किमी दूर तक सुनाई दी। इसके बाद ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और हादसे में घायल लोगों को अस्पताल भेजना शुरू किया। राज्य की गृह मंत्री वंगालपुडी अनीता ने आशंका जताई कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। धमाके की वजह से शवों के चीथड़े उड़ गए और आस-पास की इमारतों को भी नुकसान पहुंचा।

पीड़ितों के साथ सरकार

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नायडू ने कहा कि उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों से बात की है और उन्हें प्रभावित लोगों को तुरंत मदद देने का निर्देश दिया है। नायडू ने कहा-हम राहत के उपायों पर नजर रख रहे हैं और दुखी परिवारों के साथ खड़े हैं।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान संघर्ष में 300 लोगों की मौत

- पाक का दावा- आतंकी हमलों के पीछे भारत

एजेंसी ■ काबुल

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष में दोनों पक्षों के 300 से ज्यादा लोगों मारे गए हैं, जबकि 500 से ज्यादा घायल हुए। दोनों देश आगे भी एक दूसरे को सैन्य कार्रवाई करने की धमकी दे रहे हैं। वहीं पाक के सैन्य प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि देश में होने वाले आतंकी हमलों के पीछे भारत की भूमिका है। उनका कहना है कि इन गतिविधियों के लिए अफगान तालिबान के क्षेत्र का इस्तेमाल किया जाता है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में संघर्ष की शुरुआत गुरुवार देर रात हुई, जब अफगानिस्तान ने 22 फरवरी को हुए पाकिस्तानी एयरस्ट्राइक के जवाब में कार्रवाई की। इसके बाद में पाकिस्तान ने 'ऑपरेशन गजब-लिल-हक' शुरू किया।

मार्च से मई तक सामान्य से अधिक रहेगी तपन

इस साल की फरवरी में हुई सबसे कम बारिश

- पहले हफ्ते 34 डिग्री तक पहुंचेगा दिल्ली का पारा
- मौसम विभाग ने ज्यादा गर्मी पड़ने की दी चेतावनी

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार इस साल फरवरी में पूरे देश में वर्षा 2001 के बाद सबसे कम दर्ज की गई। साथ ही फरवरी के दौरान देश में कहीं भी शीत लहर की स्थिति नहीं बनी और दिन का तापमान सामान्य से अधिक रहा। आईएमडी ने अनुमान जताया है कि मार्च से मई के बीच देश के अधिकांश हिस्सों में तापमान सामान्य से ऊपर रहने की संभावना है। इसके साथ ही इस अवधि में देश के ज्यादातर इलाकों में सामान्य से अधिक हीटवेव के दिन देखने को मिल सकते हैं, जिससे गर्मी का असर जल्दी और ज्यादा तीव्र होने के संकेत मिल रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में मार्च के पहले हफ्ते में तापमान में इजाफा होगा। अधिकतम तापमान बढ़कर 34 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। अगले एक हफ्ते में बादलों की आवाजाही या बारिश की संभावना नहीं है।

एमपी में गर्मी की चेतावनी

गुजरात में 4 और 5 मार्च को कुछ इलाकों में बहुत गर्म और उमस भरी स्थिति बनी रह सकती है। वीकेंड तक मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र में भी अधिकतम तापमान सामान्य से 2-4 डिग्री ज्यादा रहने की संभावना है। महाराष्ट्र में अगले 5 दिनों में तापमान 3-4 डिग्री बढ़ सकता है, जबकि गुजरात में अगले 5 दिनों में 3-5 डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है।

यूपी में भी चढ़ेगा पारा

उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में अगले 7 दिनों में दिन का तापमान धीरे-धीरे 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। इससे दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हिमाचल-उत्तराखंड के निचले इलाकों में गर्मी बढ़ेगी। तापमान पहले से ही सामान्य से 3-5 डिग्री ज्यादा दर्ज किया जा रहा है।

राजनीति

अजमेर में पीएम नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पार्टी पर साधा निशाना-कांग्रेस पूरे देश में लगातार हार का सामना कर रही

आईएनसी अब एमएमसी यानी मुस्लिम लीग माओवादी कांग्रेस

- राजस्थान में पेपर लीक रुके, 21,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र
- कांग्रेस पर मुस्लिम लीग और नक्सलियों जैसी नफरत का आरोप

एजेंसी ■ नई दिल्ली

राजस्थान के अजमेर में एक सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दो साल पहले राजस्थान में भर्तियों में भ्रष्टाचार और पेपर लीक की खबरें अक्सर आती थीं। अब, राजस्थान में पेपर लीक बंद हो गए हैं। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो रही है। आज, इसी मंच से राजस्थान के 21,000 से ज्यादा युवाओं को अपॉइंटमेंट लेटर दिए गए हैं। यह एक बड़ा बदलाव है। वहीं समारोह के दौरान कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा-एक समय था जब आईएनसी इंडियन नेशनल कांग्रेस हुआ करती थी, लेकिन अब आईएनसी नहीं रही। आज, आईएनसी की जगह यह एमएमसी बन गई है। एमएमसीका मतलब है कि यह मुस्लिम लीग माओवादी कांग्रेस बन गई है।

कांग्रेस का भारत से नफरतः पीएम मोदी ने कहा-इतिहास गवाह है कि मुस्लिम लीग भारत से नफरत करती थी, इसीलिए मुस्लिम लीग ने देश का बंटवारा किया। आज, कांग्रेस भी वही कर रही है। माओवादी भी भारत की खुशहाली, हमारे संविधान और हमारी सफल डेमोक्रेसी से नफरत करते हैं।

अजमेर आस्था और वीरता की धरती

पीएम मोदी ने कहा- अजमेर आस्था और वीरता की धरती है। यहां तीर्थस्थल भी हैं और क्रांतिकारी वीरों के निशान भी। मैं कल ही इजराइल से लौटा हूं। इजराइल के लोग आज भी राजस्थान के सपूत मेजर दलपत की वीरता को गर्व से याद करते हैं। मुझे भी इजराइली पार्लियामेंट में मेजर दलपत सिंह जी की वीरता को श्रद्धांजलि देने का सौभाग्य मिला।

कांग्रेस ने खराब की देश की इमेज

निराशा और फ्रस्ट्रेशन में डूबी कांग्रेस ने दुनिया भर के मेहमानों के सामने देश की इमेज खराब करने की कोशिश की। उन्होंने विदेशी मेहमानों के सामने देश को बेइज्जत करने का ड्रामा किया। कांग्रेस पूरे देश में लगातार हार का सामना कर रही है, और वे भारत को बदनाम करके बदला ले रहे हैं।

ब्रीफ न्यूज़

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर दी बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1928 में आज ही के दिन महान वैज्ञानिक डॉ. सीवी रमन की खोज 'रमन प्रभाव' से दुनिया परिचित हुई थी। इस खोज ने विज्ञान जगत को नई दिशा दी, इस उपलक्ष्य में ही 28 फरवरी का दिन, देश में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जाता है। विज्ञान के प्रति समाज में जागरूकता लाना और वैज्ञानिक सोच विकसित करना राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का उद्देश्य है। ये अवसर विज्ञान के लिए समर्पित प्रतिभाओं को विश्व कल्याण के लिए कार्य करने की प्रेरणा देता रहेगा।

मार्च में सभी अवकाश दिनों में बिजली बिल भुगतान केन्द्र खुलेंगे

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत 7 मार्च, 14 मार्च, 21 मार्च, 28 मार्च शनिवार एवं 1 मार्च, 08 मार्च, 15 मार्च, 22 मार्च, तथा 29 मार्च रविवार, 3 मार्च होली, 19 मार्च गुड़ी पड़वां, 20 मार्च जमात- उल-विदा/ ईद उल-फितर के ठीक पूर्व का दिवस/ रानी अवंती बाई का बलिदान दिवस, 27 मार्च रामनवमीं तथा 31 मार्च महावीर जयंती को बिल भुगतान केन्द्र सामान्य कार्य दिवसों की तरह कार्य करते रहेंगे।

सीएम ने डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की पुण्यतिथि पर किया नमन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारत रत्न, प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि पर नमन किया। उन्होंने कहा कि देश के नवनिर्माण में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का योगदान हर वर्ग की प्रगति में परिलक्षित होता है। उनके विचार सदैव राष्ट्र सेवा की प्रेरणा देते रहेंगे।

पीएम मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में प्रिवेंटिव हेल्थ केयर को सशक्त करने निरंतर हो रहे हैं कार्य

बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने की बड़ी पहल- किशोरियों को मिलेगी निःशुल्क वैक्सीन

मध्यप्रदेश में एचपीवी टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 8 लाख किशोरियों को मिलेगा लाभ, राज्य सरकार महिलाओं और बालिकाओं के स्वास्थ्य, सम्मान और सुरक्षित भविष्य के लिए प्रतिबद्ध

पीएम मोदी की अध्यक्षता में अजमेर में हुए राष्ट्रीय कार्यक्रम में सीएम डॉ. यादव नई दिल्ली से वर्चुअली हुए शामिल

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में प्रिवेंटिव हेल्थ केयर को सशक्त करने की दिशा में निरंतर कार्य हो रहा है। इसी कड़ी में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान प्रारंभ किया गया है। मध्यप्रदेश सरकार पीएम मोदी के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य के क्षेत्र में दृढ़ता के साथ कार्य कर रही है। भारत बेटियों को कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से बचाने की दिशा में ठोस कदम उठा रहा है, एचपीवी टीकाकरण अभियान उसी संकल्प का हिस्सा है। मध्यप्रदेश में बेटियों और महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए राज्यव्यापी एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया है। जिसके अंतर्गत मप्र सरकार ने लगभग 8 लाख किशोरियों के टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसके लिए केंद्र से 7 लाख 58 हजार 500 से अधिक वैक्सीन डोज प्राप्त हो चुके हैं। यह टीका 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी और 15 वर्ष से कम आयु की पात्र बालिकाओं को लगाया जाएगा। उन्हें वैक्सीन की केवल एक डोज दी जाएगी।

बाज़ार में लगभग 4 हजार रुपए कीमत वाला यह टीका चिन्हित शासकीय संस्थानों में निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा, अभियान अगले तीन माह तक चलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार सदैव महिलाओं और बालिकाओं के स्वास्थ्य, सम्मान और सुरक्षित भविष्य के प्रति प्रतिबद्ध रही है। पीएम मोदी द्वारा राजस्थान के अजमेर से राष्ट्रव्यापी एचपीवी टीकाकरण अभियान आरंभ करने के लिए प्रदेशवासी उनके आभारी हैं। मुख्यमंत्री शनिवार को अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम को नई दिल्ली से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने अभियान को सफल बनाने का किया आह्वान

मुख्यमंत्री ने कहा कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसरों में से एक है और इससे बचाव के लिए एचपीवी टीका अत्यंत प्रभावी उपाय है। इसी उद्देश्य से राज्य में व्यापक स्तर पर टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभिभावकों से अपनी बेटियों के उज्ज्वल और कैंसर-मुक्त भविष्य के लिए उनका टीकाकरण अवश्य करवाने और अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के तहत 'मिशन मधुहारी' की शुरुआत की जा रही है, जिसके अंतर्गत टाइप-1 मधुमेह से पीड़ित बच्चों और युवाओं के लिए सभी जिला अस्पतालों में साप्ताहिक क्लीनिक संचालित होंगे, जहां इंसुलिन जांच और विशेषज्ञ परामर्श मिलेगा।

उप मुख्यमंत्री ने किया काटजू हॉस्पिटल से अभियान का शुभारंभ

मध्यप्रदेश में डॉ. कैलाशनाथ काटजू हॉस्पिटल भोपाल से अभियान का शुभारंभ उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने किया। उन्होंने कहा कि 'आज का दिन स्वास्थ्य के क्षेत्र में ऐतिहासिक है। महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के बाद सर्वाइकल कैंसर दूसरा सबसे सामान्य कैंसर है, जिसकी प्रिवेलेंस दर लगभग 1 लाख में 156 है। एचपीवी वैक्सीनेशन भविष्य में सर्वाइकल कैंसर को नियंत्रित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बीमारी होने के बाद इलाज करने से बेहतर है कि हम उसे होने ही न दें। यह अभियान प्रिवेंशन केयर की दिशा में एक बड़ा कदम है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि सर्वाइकल कैंसर मुक्त मध्यप्रदेश और स्वस्थ, आत्मनिर्भर नई पीढ़ी का निर्माण सरकार का संकल्प है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में निरोगी काया अभियान, सिकल सेल उन्मूलन मिशन, स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान, स्वस्थ यकृत मिशन सहित स्वास्थ्य क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के समर्पण, जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों की सक्रिय सहभागिता और नागरिकों की जागरूकता से हम निःसंदेह अभियान के लक्ष्य को समय से पूर्व प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य की सतत देखभाल और मानकों में सुधार के लिए स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और नियमित स्वास्थ्य जांच अहम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हब एंड स्पोक मॉडल पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में 85 प्रकार की जांचें उपलब्ध कराई जा रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के सशक्तीकरण हेतु टेलीमेडिसिन को प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श उपलब्ध होगा और अनावश्यक रेफरल में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है, जिससे प्रदेशवासियों को हर क्षेत्र में उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हों।

सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक होंगे टीकाकरण सत्र

प्रदेश में एचपीवी टीकाकरण सत्र प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किए जाएंगे। टीकाकरण स्वैच्छिक है तथा अभिभावकों की सहमति अनिवार्य होगी। पात्रता के अंतर्गत वे बालिकाएं शामिल हैं, जिन्होंने अपना 14वां जन्मदिन पूरा कर लिया है लेकिन 15वां नहीं मनाया है, साथ ही अभियान प्रारंभ होने के 90 दिनों के भीतर 15 वर्ष पूर्ण करने वाली बालिकाएं भी पात्र होंगी। समस्त जिलों के लगभग 471 स्वास्थ्य केन्द्रों (चिकित्सा महाविद्यालय, जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र इत्यादि) पर टीकाकरण किया जाएगा। टीकाकरण के पश्चात बालिका को 30 मिनट तक स्वास्थ्य केंद्र पर अवलोकन में रखा जाएगा। टीकाकरण से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाएगा कि बालिका खाली पेट न हो। संभावित हल्के दुष्प्रभाव जैसे इंजेक्शन स्थल पर दर्द, सिरदर्द या थकान सामान्य हैं और शीघ्र ठीक हो जाते हैं।

प्रदेश के 16 जिलों में मिशन मधुहारी का किया शुभारंभ

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने 'मिशन मधुहारी' का शुभारंभ भी किया। उन्होंने कहा कि मधुमेह को नियंत्रित करने के लिए आदर्श जीवनशैली, संतुलित आहार और समय पर पहचान अत्यंत आवश्यक है। यह पहल टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित बच्चों एवं किशोरों के समग्र उपचार एवं देखभाल के लिए प्रारंभ की गई है। टाइप-1 मधुमेह ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर में इंसुलिन का निर्माण नहीं होता और आजीवन उपचार की आवश्यकता होती है। मिशन के अंतर्गत प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों में साप्ताहिक विशेष टाइप-1 डायबिटीज क्लिनिक प्रारंभ किए जा रहे हैं, जहां इंसुलिन की सतत उपलब्धता, ब्लड ग्लूकोज जांच, विशेषज्ञ परामर्श एवं नियमित फॉलो-अप की सुविधा एक ही स्थान पर मिलेगी। इस अवसर पर 5 बेटियों को टी1डी (टाइप-1 डायबिटीज) जांच किट का वितरण भी किया गया। इन किटों में ग्लूकोमीटर, टेस्ट स्ट्रिप्स तथा आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं ताकि बच्चे समय पर शुगर की जांच कर सकें और बीमारी को नियंत्रित रख सकें। दो संभागों के 16 जिलों में 759 किशोर-किशोरियों को किट निःशुल्क प्रदान की जा रही है। विधायक भगवानदास सबनानी, महापौर मालती राय, अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा अशोक बर्नवाल, आयुक्त धनराजू एस, एमडी एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना, संचालक आईईसी डॉ रचना दुबे सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी, स्वास्थ्य कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में टीकाकरण के लिए पात्र किशोरी बालिकाएं उपस्थित थीं।

महाकाल मंदिर पहुंचे पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़, भस्म आरती में हुए शामिल

देश की प्रगति और समृद्धि के लिए भगवान से मांगा आशीर्वाद

- कहा-धार्मिक स्थलों का विकास और रखरखाव सराहनीय कदम
- अहंकार और ईर्ष्या से ऊपर उठकर स्वस्थ रहने का दिया संदेश

सत्ता सुधार ■ भोपाल

भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। अपनी आध्यात्मिक यात्रा के दौरान, पूर्व उपराष्ट्रपति ने तड़के होने वाली बाबा महाकाल की प्रातःकालीन भस्म आरती में सहभागिता की और भगवान के निराकार से साकार स्वरूप के दर्शन कर लाभ उठाया। मंदिर के गर्भगृह में चांदी द्वार से बाबा महाकाल का विशेष पूजन-अर्चन करने के पश्चात उन्होंने नंदी हॉल पहुंचकर नंदीजी के कान में अपनी मनोकामना भी कही। महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अधिकारियों ने उनका भव्य स्वागत एवं सत्कार किया। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा, मैंने बाबा महाकाल के चरणों में देश की प्रगति, समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की है। मैं किसान परिवार से आता हूं, इसलिए मेरे मन में किसानों के प्रति विशेष सम्मान है।

मंदिर की व्यवस्थाओं और विकास से प्रभावित

दर्शन के पश्चात मीडिया से चर्चा करते हुए पूर्व उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारतवर्ष में बड़ा सकारात्मक बदलाव आ रहा है, जो हमारी हजारों वर्ष पुरानी मानसिकता को दर्शाता है। वर्तमान में देश भर के धार्मिक स्थलों का जो रखरखाव और विकास हो रहा है, वह अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने मंदिर प्रशासन की सुगमता, स्वच्छता और लग्नशीलता की विशेष प्रशंसा करते हुए कहा कि मंदिर में सभी श्रद्धालुओं के साथ समानता से व्यवहार किया जा रहा है, जो कि अत्यंत सुखद है।

वन रक्षक और जेल प्रहरी समेत 1689 पदों पर निकली भर्ती

प्रदेश में सरकारी नौकरी की बहार, आवेदन शुरू

भोपाल। मध्य प्रदेश के वन विभाग के अंतर्गत वन रक्षक एवं क्षेत्र रक्षक एवं जेल विभाग के अंतर्गत जेल प्रहरी एवं सहायक जेल अधीक्षक के 1689 पदों की भर्ती के लिए प्रकिया शुरू कर दिया गया। मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने वन रक्षकों के 728 रिक्त पदों पर सीधी भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। वहीं क्षेत्ररक्षक के 169, जेल प्रहरी के 767 और सहायक जेल अधीक्षक के 25 पदों पर भर्ती होगी। पात्र उम्मीदवार आवेदन शुरू कर सकते हैं। यह आवेदन 14 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवार मंडल की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए आवेदन प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। मंडल ने इस संबंध में नियम पुस्तिका भी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। मंडल द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों के लिए आवेदन शुल्क 500 रुपए प्रति प्रश्नपत्र निर्धारित किया गया है। वहीं, मध्य प्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के उम्मीदवारों के लिए शुल्क 250 रुपए प्रति प्रश्नपत्र होगा। आवेदन पत्र में संशोधन की अंतिम तिथि 19 मार्च तक तय की गई है। आवेदन करने के लिए उम्मीदवार का किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से कक्षा 10वीं या 12वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है। आयु की गणना एक जनवरी 2026 के आधार पर की जाएगी। न्यूनतम आयु 18 वर्ष निर्धारित की गई है, जबकि आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को नियमानुसार आयु सीमा में छूट प्रदान की जाएगी। वन रक्षक एवं क्षेत्र रक्षक और जेल प्रहरी एवं सहायक जेल अधीक्षक की भर्ती परीक्षा सात अप्रैल को प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा दो पाली में होगी।

कृषि को पारंपरिक उत्पादन से आगे बढ़ाकर बनाया जाएगा लाभकारी

मप्र को देश के कृषि पॉवर-हाउस के रूप में किया स्थापित

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश ने पिछले दशक में कृषि क्षेत्र में 16 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक विकास दर हासिल कर स्वयं को देश के 'कृषि पॉवर-हाउस' के रूप में स्थापित किया है। फसल उत्पादन, उत्पादकता, दुग्ध और मत्स्य पालन में हुई। इस अभूतपूर्व प्रगति के बाद अब राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य कृषि को पारंपरिक उत्पादन से आगे बढ़ाकर एक 'लाभकारी व्यवसाय' के रूप में परिवर्तित करना है। इस संकल्प के केंद्र में कृषि के उत्पादन और उत्पादकता को तकनीक के माध्यम से बढ़ाते हुए, मार्केटिंग और प्रोसेसिंग से जोड़ना है। समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश के लिए वर्ष-2026 कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। कृषि और किसानों पर केन्द्रित पूरे वर्ष संचालित होने वाली गतिविधियों से किसानों की आय में स्थायी वृद्धि सुनिश्चित करने का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में कृषि को 'लाभकारी व्यवसाय' बनाने के इस संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए सरकार कृषि अनुसंधान और मौसम आधारित जोखिम प्रबंधन को एक नई दिशा देने जा रही है। इस संकल्प के अंतर्गत राज्य की विशिष्ट फसलों की उत्पादकता में वृद्धि करते हुए उन्हें वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए महत्वपूर्ण अनुसंधान केंद्रों की स्थापना की जा रही है, इसी क्रम में डिंडौरी में स्थापित होने जा रहे 'मध्यप्रदेश राज्य श्रीअन्न अनुसंधान केंद्र' के माध्यम से मिलेट्स के उत्पादन एवं पोषण सुरक्षा को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जाएगा।

'विदेश अध्ययन भ्रमण योजना'

कृषि क्षेत्र में वैश्विक नवाचारों को आत्मसात करने के लिए किसानों और अधिकारियों के लिए 'विदेश अध्ययन भ्रमण योजना' को पुनः प्रारंभ किया जा रहा है, जिससे विश्व की उन्नत तकनीकों को स्थानीय स्तर पर लागू किया जा सके। इसके साथ ही, फसल विविधीकरण को बढ़ावा देते हुए ग्रीष्मकालीन मूंगफली की खेती के लिए एक प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जा रही है, जो किसानों के लिए आय का एक अतिरिक्त और मजबूत स्रोत बनेगी।

'प्रोजेक्ट चीता' से मिल रही मप्र को 'चीता स्टेट' की वैश्विक पहचान

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अत्यंत हर्ष व्यक्त करते हुए कहा है कि बोत्सवाना से लाए गए 9 चीते (6 मादा और 3 नर चीते) शनिवार को श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क में छोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं इस गौरवपूर्ण क्षण के साक्षी बनना चाहते थे, लेकिन प्रदेश के विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की सतत्प्रतिबद्धताओं के मद्देनजर नई दिल्ली में होने के कारण उपस्थित नहीं हो सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ 'प्रोजेक्ट चीता' मध्यप्रदेश को 'चीता स्टेट' के रूप में वैश्विक पहचान दिला रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव का भी हृदय से आभार व्यक्त किया है, जिन्होंने आज चीतों को सफलतापूर्वक कूनों में छोड़ा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह उपलब्धि वन्य जीव संरक्षण की दिशा में प्रदेश और देश के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस उपलब्धि के लिए सभी प्रदेशवासियों एवं इस कार्य में जुटी पूरी टीम को भी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन्द्रीय वन मंत्री का जताया आभार

रिपोर्ट — बच्चों को खल रहे खाली पद, गांवों के अधिकांश स्कूल खाली

सरकार से मध्यप्रदेश के स्कूलों में एक लाख शिक्षकों की दरकार, नए सत्र में होगा समायोजन

सत्ता सुधार ■ भोपाल

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी के कारण शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है। पांच साल में करीब 35 हजार पदों पर भर्ती होने के बाद भी प्रदेश के स्कूलों में शिक्षकों के एक लाख पद खाली हैं। वहीं 1,895 स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं और 435 स्कूल शून्य नामांकन वाले हैं। वहीं 29,116 स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी है। ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश स्कूल खाली हैं। ये विसंगतियां हाल में विधानसभा में प्रस्तुत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की 2026 की रिपोर्ट में सामने आई हैं। इस रिपोर्ट में मध्य प्रदेश के स्कूलों में शिक्षकों की पदस्थापना को लेकर गंभीर विसंगतियां सामने आई हैं।

शहरी स्कूलों में सरप्लस शिक्षक

रिपोर्ट के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों के कई स्कूलों में शिक्षकों की कमी के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, जबकि राजधानी समेत कई शहरी स्कूलों में जरूरत से अधिक शिक्षक पदस्थ हैं। जिला स्तर पर प्राथमिक शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण नहीं होने से यह स्थिति बनी। वर्ष 2022 में 46 जिलों में प्राथमिक शिक्षकों के 1,72,336 स्वीकृत पद थे, जिनमें से 1,56,084 शिक्षक कार्यरत पाए गए। वहीं शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के मानकों के अनुसार इन जिलों में 1,53,643 शिक्षकों की आवश्यकता थी, लेकिन इसके बावजूद 2,441 प्राथमिक शिक्षक अतिरिक्त पदस्थ थे। शिक्षकों का समायोजन करने के बजाय 7,429 नए प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती कर दी गई, जिससे असंतुलन और बढ़ गया।

इनका कहना है

पिछले साल 20 हजार अतिशेष शिक्षकों का समयोजन किया गया। अब नए सत्र के शुरू होने से पहले शिक्षकों का समायोजन किया जाएगा। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में शिक्षकों की कमी को दूर किया जा सके। साथ ही शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया भी पूरी की जाएगी। **- डॉ. संजय गोयल,** सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग

ग्रामीण और शहरी स्कूलों में बड़ा अंतर

रिपोर्ट में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के स्कूलों के बीच शिक्षक उपलब्धता में बड़ा अंतर भी सामने आया है। ग्रामीण क्षेत्रों में 62,213 स्कूल हैं, जहां 2,81,887 स्वीकृत पदों के मुकाबले 1,98,175 शिक्षक कार्यरत हैं, यानी करीब 70.30 प्रतिशत पद ही भरे हैं। वहीं इसके विपरीत शहरी क्षेत्रों के 4,601 स्कूलों में 47,556 स्वीकृत पदों के मुकाबले 43,319 शिक्षक कार्यरत हैं, जो लगभग 91.09 प्रतिशत है। इससे स्पष्ट है कि ग्रामीण स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी है, जबकि शहरों में कई स्कूलों में जरूरत से ज्यादा शिक्षक मौजूद हैं।

41वें युवा वैज्ञानिक सम्मेलन के विजेताओं को किया सम्मानित

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मेपकास्ट), भोपाल द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर शनिवार को रवीन्द्र भवन, भोपाल में विज्ञान जागरूकता एवं नवाचार आधारित राज्य स्तरीय कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही। मेपकास्ट के निदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से राज्य के समग्र विकास को गति प्रदान करना परिषद का प्रमुख उद्देश्य है।परिषद प्रदेश के विकास के लिए अनुसंधान, नवाचार एवं विज्ञान प्रसार के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। विद्यार्थियों एवं युवाओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से परिषद द्वारा विज्ञान मेले, प्रतियोगिताएं एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान , भोपाल के निदेशक प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्पष्ट लक्ष्य, निरंतर परिश्रम एवं सकारात्मक सोच के माध्यम से भारत के युवा भविष्य में विश्व स्तर पर अग्रणी स्थान प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम में उज्जैन में 3 से 5 अप्रैल 2026 को आयोजित होने वाली अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस ''महाकाल - द मास्टर ऑफ टाइम' पर एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसमें समय एवं विज्ञान से जुड़े रोचक पहलुओं को प्रस्तुत किया गया। मानसी चतुर्वेदी द्वारा प्रस्तुत 'विज्ञान का पिटारा' कार्यक्रम के माध्यम से विज्ञान के विविध रोचक प्रयोगों एवं अवधारणाओं को सरल एवं आकर्षक रूप में प्रदर्शित किया गया।इस अवसर पर 41वें युवा वैज्ञानिक सम्मेलन के प्रतिभागियों एवं विजेताओं को उनके उत्कृष्ट वैज्ञानिक शोध एवं नवाचार कार्यों के लिए प्रशस्ति-पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। परिषद के प्रमुख अनुसंधान एवं विकास डॉ. आर.एस. भारद्वाज ने सम्मेलन की संक्षिप्त जानकारी दी।

ब्रीफ न्यूज

लूट करने वाले आरोपी को सात साल की सजा

भिण्ड। तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश हिमांशु कौशल की अदालत ने लूट के आरोपी हीरा खान पुत्र जमालुद्दीन खान निवासी संतोष नगर बीटीआई रोड भिण्ड को सात साल के कारावास एवं तीन हजार रुपए जुर्माने से दण्डित किया है। अभियोजन के अनुसार घटना इस प्रकार है कि एक फरवरी 2022 को फरियादिया संगीता ओझा अपने पुत्र देवराज के साथ स्कूटी पर बैठकर दंदरौआ से वापस लौट रही थी, शाम 4.30 बजे जैसे ही वह भदौरिया क्रेशर के पास पहुंची तो काले रंग की मोटर साइकिल पर दो लोग आए और उसके कंधे में टंगे काले रंग के हैण्ड बैग जिसमें 4 हजार रुपए नगद, रियलमी कंपनी का मोबाइल, भारतीय स्टेट बैंक के दो एटीएम कार्ड, मर्चेन्ट बैंक का एक एटीएम कार्ड, कर्नाटका बैंक का एक एटीएम कार्ड और उसका आधार कार्ड एवं बिजली का बिल आदि सामान रखा था को झपट्टा मारकर लूट कर ले गए। फरियादिया के लड़के ने काफी दूर तक अपनी स्कूटी से उन लोगों का पीछा किया, लेकिन वह लोग भिण्ड की तरफ भाग गए। फरियादिया ने अपने लड़के देवराज के साथ थाना मेहगांव उक्त घटना की शिकायत की थी, जिस पर अपराध क्र.33/22 पर धारा 392 भादंवि एवं 11/13 मप्र डकैती व्यपहरण क्षेत्र अधिनियम के तहत दर्ज हुई थी। विवेचना के दौरान आरोपीगण हीरा खान एवं इमरान उर्फ इस्माइल खान को न्यायालय के आदेश से न्यायालय में ही फॉर्मल गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के उपरांत आरोपियों ने पूछताछ के दौरान स्वीकार किया था कि उक्त दिनांक को उन्होंने भारौली तिराहे पर भी एक महिला से मंगलसूत्र लूट था एवं तीन फरवरी 2022 को सम्राट होटल के सामने एक महिला से सोने का मंगलसूत्र एवं सोने की चेन छीनी थी, जो उन्होंने अपने घर में छिपा कर रख दी हैं। पुलिस ने आरोपीगण द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर उनको घर ले जाकर फरियादिया से छीना गया काले रंग का हैण्डबैग, रियलमी कंपनी का मोबाइल, भारतीय स्टेट बैंक के दो एटीएम कार्ड, मर्चेंट बैंक का एक एटीएम कार्ड, कर्नाटका बैंक का एटीएम कार्ड, उसका आधार कार्ड एवं बिजली के बिल को जब्त किया था। पुलिस ने आरोपीगण से जब्त सामान की पहचान फरियादिया से कराई थी तो उसने अपने सामान को पहचान लिया था।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर रंगोली बनाकर लगाई प्रदर्शनी

भिण्ड। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 पखवाड़ा के चौथे दिवस प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस भिण्ड में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी प्रो. मोहित कुमार दुबे के मार्गदर्शन और निर्देशन में महाविद्यालय में जूलॉजी संकाय में रंगोली के माध्यम से महाविद्यालय छात्राओं ने वैज्ञानिक रंगोली का आयोजन किया। जिसमें शरीर की विभिन्न अंगों और वैज्ञानिक दृष्टि से रंगों के माध्यम से उन्हें उकेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आरए शर्मा ने छात्रों की जमकर तारीफ की। प्रो. मोहित कुमार दुबे ने बताया रंगोली केवल सजावट नहीं बल्कि मानव शरीर और मन के लिए एक प्राचीन चिकित्सीय कला है।

सेवानिवृत्त चिकित्सा डॉ.दिनेश सिंह, प्रो. इक़बाल अली, चौ. दिलीप सिंह मौजूद रहे

यूथ पार्लियामेंट कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सत्ता सुधार ■ भिण्ड

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस भिण्ड मे विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2026 कार्यक्रम का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम खेल मंत्रालय के दिशा निर्देश में रखा गया। अभियान के अंतर्गत और राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आरए शर्मा के मार्गदर्शन में कार्यक्रम संयोजक डॉ.अनिता बंसल के निर्देशन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर निर्णायक मंडल में दीपेन्द्र सिंह कुशवाह, अतिरिक्त महाधिवक्ता नरेश सिंह बघेल, वरिष्ठ एडवोकेट डॉ. विनोद सक्सेना, सेवानिवृत्त चिकित्सा डॉ.दिनेश सिंह, प्रो. इक़बाल अली, चौ. दिलीप सिंह मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चरणों में पुष्प अर्पित और दीप

प्रज्वलित कर किया गया। वंदे मातरम गीत के साथ कार्यक्रम को प्रशासनिक दर्जा प्रदान किया गया। इसके पश्चात मंचासीन निर्णायक मंडलों का महाविद्यालय प्राध्यापकों द्वारा अतिथि सम्मान किया गया। इसी तारतम्य में प्रतिभागियों को उनके द्वारा किए गए। पंजीयन के क्रम में बैच नंबर प्रदान किया गया। उन्हीं बैच नम्बर के क्रम में प्रतिभागियों को मंच पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत करने के लिए बुलाया गया। सर्वप्रथम विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग में पिंड सेट का प्रतिनिधित्व करने वाली यंग लीडर अंशिका मिश्रा को यूथ कनेक्ट हेतु विकसित भारत पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया।

तत्पश्चात विषय की समीक्षा की जानकारी में भारतीय इतिहास की उस दौर की घटना जिसने लोकतंत्र को हिला कर रख दिया था। 25 जून 1975 की वह काली रात का जिक्र किया गया। जब तत्कालीन सरकार ने आंतरिक अशांति का हवाला देकर पूरे देश को एक विशाल जेल में बदल दिया था। यह सिर्फ आपातकाल नहीं बल्कि संविधान की हत्या का प्रयास था। पंजीकृत प्रतिभागियों ने एक-एक करके अपने वक्तव्य को मंच पर प्रस्तुत किया। निर्णायक मंडलों के द्वारा उनके वक्तव्य पर मूल्यांकन किया गया। विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2026 में संजय दत्त शर्मा ने प्रथम स्थान, अभय प्रताप सिंह में द्वितीय स्थान और रोहित जाटव में तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल जज के द्वारा प्रतिभागियों में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन कार्यक्रम संयोजन डॉ अनिता बंसल के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ.राजीव कुमार जैन और प्रो. मोहित कुमार दुबे ने किया।

संत समाज ने दिया अल्टीमेटम, महापंचायत के बाद हाईवे पर किया प्रदर्शन

एनएच-719 को सिक्स लेन बनाया जाए, टोल बंद किए जाएं

सत्ता सुधार ■ भिण्ड

राष्ट्रीय राजमार्ग 719 को सिक्स लाइन बनाए जाने में हो रही देरी के विरोध में संत समाज का आंदोलन निर्णायक चरण में पहुंच गया है। मेहगांव स्थित विश्राम गृह में आयोजित महा पंचायत में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यदि शीघ्र निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ तो 16 मार्च से बरोही व बरेठा टोल प्लाजा पर वसूली नहीं होने दी जाएगी। महापंचायत की अध्यक्षता करते हुए अखिल भारतीय संत समिति के जिला अध्यक्ष संत कालीदास महाराज ने कहा कि पिछले दो वर्षों से संत समाज लगातार हाईवे चौड़ीकरण की मांग कर रहा है, लेकिन सरकार और जनप्रतिनिधियों की ओर से केवल आश्वासन मिले हैं। हाईवे की कम चौड़ाई और बढ़ते यातायात दबाव के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। हर दूसरे दिन एक व्यक्ति की मौत और प्रतिवर्ष सैकड़ों लोगों की जान जाने की बात कहते हुए उन्होंने इसे जनसुरक्षा का गंभीर मुद्दा बताया। उन्होंने कहा कि पूर्व में आंदोलन स्थगित कराने के लिए आश्वासन दिए गए, लेकिन धरातल पर काम शुरू नहीं हुआ। इस बार आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हो जाता। महापंचायत के बाद आंदोलनकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर उतरकर करीब आधे घंटे तक प्रदर्शन किया और सांकेतिक जाम लगाया। इस दौरान वाहनों की लंबी कतार लग गई। संत समाज ने इसे सरकार को चेतावनी बताते हुए कहा कि यदि मांगों पर जल्द निर्णय नहीं हुआ तो आगे का आंदोलन और उग्र होगा। महापंचायत में राजनीतिक सरगर्मी भी नजर आई। अब तक यह आंदोलन संत समाज तक सीमित था, लेकिन इस बार कांग्रेस खुलकर समर्थन में दिखाई दी। कांग्रेस के शहर अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह भदौरिया अपने पदाधिकारियों के साथ मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि विधायक हेमंत कटारे द्वारा हाईवे सिक्स लाइन और दुर्घटनाओं का मुद्दा विधानसभा में उठाया गया है। साथ ही विधायक केशव देसाई भी इस विषय को लेकर चिंतित हैं। महापंचायत में संतों, समाजसेवियों और भूतपूर्व सैनिकों की बड़ी संख्या मौजूद रही। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं होगा, तब तक टोल वसूली नहीं होने दी जाएगी। वक्ताओं ने कहा कि इसके लिए चाहे लंबी लड़ाई लड़नी पड़े या जेल जाना पड़े, संत समाज पीछे नहीं हटेगा। इसी बीच कांग्रेस नेताओं ने भाजपा सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया। महामंडलेश्वर रामदास महाराज दंदरौआ, महामंडलेश्वर हरिनिवास अवधूत महाराज, संत कालीदास महाराज, पीठाधीश्वर त्रिमूर्ति धाम डॉ. शिवप्रताप महाराज, हरिओम दास महंत भूमिया सरकार, संत गोवर्धन महाराज दूधी बाबा, संत हरिओम दास महाराज सहित भूतपूर्व सैनिकों में इंडियन वेटरन ऑर्गनाइजेशन सैनिक संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष मेहगांव कैप्टन कालीचरण शर्मा, महेश करारिया फौजी, नक्शे फौजी, सत्यपाल सिंह भदौरिया फौजी, अनूप सिंह भदौरिया, बंटी जादौन सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

एनएच-719 मौत का हाइवे तो टोल वसूली क्यों?

अटेर विधायक हेमंत कटारे ने ने सरकार से मांगा जवाब

सत्ता सुधार ■ भिण्ड

ग्वालियर-भिण्ड-इटावा नेशनल हाईवे-719 पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं और खराब हालत को लेकर विधानसभा में गंभीर मुद्दा उठाया गया। अटेर से विधायक हेमंत सत्यदेव कटारे ने कहा कि जब सड़क मौत का हाईवे बन चुकी है, तब तक टोल वसूली जारी रखना जनभावनाओं के खिलाफ है। विधायक कटारे ने सदन में कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग-719 क्षेत्र में आए दिन हादसे हो रहे हैं और कई लोगों की जान जा चुकी है। ऐसे हालात में जब तक सड़क का चौड़ीकरण और जरूरी सुधार कार्य शुरू नहीं हो जाते, तब तक मालनपुर टोल प्लाजा पर टोल वसूली तत्काल प्रभाव से रोकी जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि टोल की निर्धारित अवधि समाप्त होने के बावजूद कोविड का हवाला देकर इसकी अवधि बढ़ा दी गई, जबकि आम जनता को कोई राहत नहीं मिली। इसके साथ ही 15 से 20 किलोमीटर की परिधि में भी टोल वसूली की शिकायतें सामने आ रही हैं, जो नियमों के विरुद्ध है। कटारे ने हाईवे को सिक्स लेन में अपग्रेड करने की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि यदि इसमें समय लगे, तो कम से कम तुरंत सड़क का चौड़ीकरण और मरम्मत कार्य शुरू किया जाए। इसके अलावा चंबल नदी पर बने पुल की जर्जर हालत का भी मुद्दा उठाया। यह पुल मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है, जिसकी मरम्मत प्राथमिकता से होनी चाहिए। विधायक ने कहा कि सड़क हादसों में मरने वाले किसी दल के नहीं होते। यह इंसानी जान का सवाल है। सदन को सर्वसम्मति से केंद्र सरकार से मांग करनी चाहिए कि पहले सड़क सुधारी जाए और तब तक टोल वसूली रोकी जाए।

होली पर हुड़दंग करने वालों पर होगी कठोर कार्रवाई : एसडीओपी

मेहगांव थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित

सत्ता सुधार ■ मेहगांव

आगामी त्योहार को लेकर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमे कानून ब्यवस्था एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिए विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में एसडीओपी संजय कोच्च्छा, थाना प्रभारी महेश शर्मा, नगर परिषद से प्रशांत दीक्षित, नगर परिषद पति पिंटू राठौर, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागिरक उपस्थित रहे। एसडीओपी संजय कोच्च्छा ने कहा कि होली के त्योहार पर किसी भी प्रकार की अव्यवस्था हुड़दंग या सम्प्रदायक माहौल बिगाड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। थाना प्रभारी महेश शर्मा ने बैठक में बताया कि क्षेत्र में सतत निगरानी रखी जाएगी, किसी भी उपद्रवी तत्व के खिलाफ तत्काल एवं कठोर कार्यवाही की जाएगी।

उन्होंने कहा कि होली का त्योहार खुशियां और भाई चारे का प्रतीक हैं। बैठक में निर्णय लिया गया कि संवेदनशील जगहों पर विशेष पुलिस बल तैनात रहेगा। गश्त बढ़ाई जाएगी अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। इस अवसर पर भाजपा मण्ड़ल अध्यक्ष रोहित करैया, भाजपा जिला मंत्री सुभाष राठौर, पार्षद राकेश चौधरी, समाजसेवी भगीरथ गुर्जर, पत्रकार प्रदीप चौधरी, पुरुषोत्तम राजौरिया, राजेश व्यास, रामवचन पचौरी, गिरजेश पचौरी, रामाधार चौबे, इल्यास खान, सनी भदौरिया आदि उपस्थित रहे।

बचपन इंटरनेशनल स्कूल में निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित

मालनपुर। मालनपुर के समीप संचालित बचपन इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को निशुल्क नेत्र एवं हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य छात्रों एवं स्कूली स्टाफ का स्वास्थ्य परीक्षण एवं मौसमी बीमारियों से जागरूकता फैलाना था। डॉक्टरों की टीम द्वारा 180 से ज्यादा छात्र एवं स्कूली स्टाफ की आंखों की जांच साथ ही साथ बीपी शुगर मौसमी बीमारियों की भी जांच की गई। डॉ. ललित ने बताया कि बदलते मौसम को देखते हुए खान-पान पर ध्यान देना है। कम तला भोजन करें जंक फूड मैगी पास्ता बिल्कुल ही खाना नहीं है, अपने घर पर बना हुआ शुद्ध भोजन ही करें। स्कूल संचालक दिनेश सिंह परिहार ने कहा कि बच्चे अपना विशेष ख्याल रखें। बदलते मौसम में बच्चों को बीमारियां जल्दी पकड़ती हैं आप सभी बच्चों को विशेष ध्यान देने की जरूरत है। इस प्रशिक्षण शिविर टीम में डॉ.तरुण सिंह (ऑप्टोमेट्रिस्ट, आई चेकअप) डॉ.मयंक सहरावत (एमबीबीएस) जनरल फिजिशियन प्रताप, रीठा मैम आदि मौजूद रहे।

विधायक निधि से निर्मित सड़क का किया लोकार्पण

गोहद। ग्राम पंचायत लहचूरा के माहो गांव में विधायक निधि से निर्मित नई सीसी रोड का विधायक केशव देसाई ने शनिवार को पूजन अर्चन कर लोकार्पण किया। इस दौरान विधायक ने कहा कि मेरा प्रयास हमेशा गोहद विधानसभा क्षेत्र के चहुंमुखी तथा समग्र विकास और ग्रामीणों की

सुविधा के लिए रहा है। इस सड़क के निर्माण से ग्रामीणों को सुरक्षित और सुगम आवागमन मिलेगा। साथ ही क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव प्रयास करता रहूंगा।

समाचार पत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से सम्बन्धित विवरण

फार्म-4

1.	प्रकाशन स्थल	- भिण्ड
2.	प्रकाशन अवधि	- दैनिक
3.	मुद्रक का नाम	- गोपाल श्रीवास्तव
	क्या भारत का नागरिक है	- हां
	पता	- महाडिक की गोठ, कम्पू, लश्कर ग्वालियर
4.	प्रकाशक का नाम	- गोपाल श्रीवास्तव
	क्या भारत का नागरिक है	- हां
	पता	- महाडिक की गोठ, कम्पू, लश्कर ग्वालियर
5.	संपादक का नाम	- गोपाल श्रीवास्तव
	क्या भारत का नागरिक है	- हां
	पता	- महाडिक की गोठ, कम्पू, लश्कर ग्वालियर
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक से साझेदार या हिस्सेदार हों।	- अप्रयोज्य

मैं गोपाल श्रीवास्तव एतद् द्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य हैं।

दिनांक 28 फरवरी 2026

गोपाल श्रीवास्तव
(प्रकाशक)

आयोजन कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् के साथ हुआ

कॉलेज में दो दिवसीय सेमिनार का हुआ समापन

सत्ता सुधार ■ आलमपुर

वन्दे मातरम् राष्ट्रगीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आलमपुर शासकीय महाविद्यालय में आयोजित किए जा रहे दो दिवसीय सेमिनार का शनिवार को समापन हुआ। सेमिनार के अंतिम दिन बनारस, दिल्ली, प्रयागराज, ग्वालियर समेत अन्य जगह से आये हुए शिक्षाविदों ने अपने-अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् के साथ हुआ। सेमिनार के दौरान हरपालपुर महाविद्यालय से आये डॉ. अशोक चौहान द्वारा वन्दे मातरम् गीत की पंक्तियों को विस्तार पूर्वक समझाया गया। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् का अर्थ है, मैं तुम्हें

नमन करता हूं मां। यहां मां भारत की भूमि का प्रतीक है, जिसे एक पालन-पोषण करने वाली शक्ति माना गया है। वहीं सुजलाम सुफलाम् भारत भूमि की सुंदरता का वर्णन करता है। जहां सुजलाम-शीतल जल, सुफलाम-स्वादिष्ट फल, मलयज शीतलाम मतलब मलयगिरि की चंदन की तरह शीतल हवा और शस्य श्यामलाम का अर्थ हरी-भरी फसलों से परिपूर्ण है। ग्वालियर से आए डॉ. बलवीर सिंह गुर्जर ने हिन्दी की महत्ता को समझाते हुये कहा कि हिन्दी आज विश्व की प्रमखु भाषाओं में एक सशक्त भाषा के रूप में स्थापित हो चुकी है। इक्कीसवीं शताब्दी के वैश्वीकरण, संचार क्रांति और डिजिटल विस्तार के दौर में हिन्दी का महत्व केवल भारत तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह एक वैश्विक, भाषिक एवं सांस्कृतिक शसक्त भाषा के रूप में उभर रही है।

उन्होंने कहा कि पूरे भारत को जोड़ने के लिये ब्रज भाषा एक माध्यम थी लेकिन गद्य, निबंध और नाटक की भाषा के लिए वह पर्याप्त नहीं थी। उस समय की जो खड़ी बोली थी, वह धीरे धीरे पत्रकारिता के माध्यम से विकसित होकर गद्य बोली बनी। सेमिनार को दीक्षा त्यागी, डॉ.सुनील कुमार संधांशु, डॉ.विष्णु अग्रवाल, डॉ.महेन्द्र कुशवाहा एवं पूर्व जनभागीदारी अध्यक्ष कल्याण कानूनगो द्वारा भी संबोधित किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य भगवान सिंह निरंजन ने आभार प्रदर्शन किया और जल्द ही एक और बड़ी सेमिनार आयोजित करवाने की बात कही। सेमिनार का संचालन डॉ.मंदाकिनी शर्मा द्वारा किया गया। इस दौरान डॉ. रामबिहारी कौरव, हरनारायण हिण्डोलिया, अनिल चौधरी, ग्याप्रसाद कुशवाह, नीरज भारद्वाज, रानू तिवारी, मनोज गुप्ता समेत समस्त स्टॉफ एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहीं।

किताबी ज्ञान को धरातल पर अवतरित करेगा : डॉ.आसाराम सगर

सेवार्थ जन कल्याण समिति और शासकीय महर्षि अरविंद महाविद्यालय गोहद के बीच एमओयू

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

नई शिक्षा नीति में वर्णित इंटर्नशिप संकेत करती है कि पुस्तकी ज्ञान को व्यवहारिक स्वरूप प्रदान करने के लिए, अध्यापन कार्य एक श्रेष्ठ और अपरिहार्य घटक है। बच्चे विषय वस्तु का स्वाध्याय कर स्लम एरिया के बच्चों को बुनियादी शिक्षा प्रदान करेंगे। इससे छात्र अध्यापकों का तथा शिक्षा ग्रहण कर रहे बच्चों का विकास होगा। छात्र अध्यापक ,सामुदायिक सेवा,शिक्षण कौशल, प्रस्तुतीकरण, कक्षा प्रबंधन, अभिव्यक्ति की क्षमता, इत्यादि घटकों का नैसर्गिरूप से विकास करेंगे। समिति इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए प्रमाण पत्र प्रदान करेगी तथा बच्चे शिक्षा ग्रहण कर इस राष्ट्र के सुसंस्कृत एवं सार्थक नागरिक बनने की दिशा

में अग्रसर होंगे।

सेवार्थ जन कल्याण समिति की ओर से अध्यक्ष ओपी दीक्षित ने कहा कि प्राचार्य का निर्मल और सरल व्यक्तित्व सदैव से खेल गतिविधियों के माध्यम से हमारे प्रयासों को गतिशीलता प्रदान करता रहा है। आज का समझौता उस दिशा में एक आवश्यक और दस्तावेजी प्रमाणीकरण होगा। उल्लेखनीय है कि सेवार्थ जन कल्याण समिति के उत्तर भारत के कई प्रख्यात विश्वविद्यालय एवं तथा महाविद्यालयों से ऐसे समझौता ज्ञापन संपन्न हो चुके हैं। यहां से स्नातक और स्नातकोत्तर के विभिन्न छात्र-छात्राएं ग्वालियर चंबल संभाग में संचालित 14 केंद्रों पर अध्यापन कार्य कर रहे हैं। इससे समाज में एक सशक्त संदेश प्रसारित हो रहा है। विभिन्न पत्रकार बंधुओ ने इन कार्यों को अपनी सशक्त लेखन शैली के माध्यम से जन आंदोलन का रूप दिया है।

इस अवसर पर मोहनलाल अहिरवार, राहुल शर्मा, डा. लता, रामपाल सिंह भदोरिया, सचिन कांकर, सत्यवान सिंह गुर्जर एवं बड़ी संख्या में नागरिक तथा पत्रकार बंधु उपस्थित थे। समिति महाविद्यालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त करती है और आशान्वित है कि सामुदायिक सेवा के माध्यम से इंटर्नशिप के विद्यार्थी, इस यज्ञ को पूर्ण करेंगे तथा राष्ट्र विकास की प्रक्रिया में अपनी आहुति देंगे।

100 से अधिक वृद्धजनों को कैंसर के प्रति जागरूक किया

ग्वालियर। कैंसर चिकित्सालय एवं शोध संस्था एवं कॉलेज ऑफ लाइफ साइंसेस, तथा वृद्ध मित्र संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में कम्युनिटी हॉल नाका चंदबदनी में एक फिजियोथेरेपी जागरूकता सत्र एवं मेगा कैंप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक वृद्धजनों को कैंसर रोग के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में वृद्धजनों में होने वाली समस्याओं जैसे गर्दन दर्द, कमर दर्द, घुटनों के दर्द, एडी दर्द, मांसपेशियों के दर्द, शारीरिक कमजोरी इत्यादि को फिजियोथैरेपी द्वारा उपचार कैंसर चिकित्सालय के फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. शशांक आपटे, डॉ. दिनेश बनगईया एवं डॉ. डिंकी अरोरा द्वारा किया गया। साथ ही वृद्धजनों को ठीक तरह से उठने बैठने और व्यायाम करने के तरीकों के बारे में भी जागरूक किया। इस कार्यक्रम में कैंसर चिकित्सालय से फिजियोथैरेपिस्ट डॉ शशांक आपटे, डॉ दिनेश बनगईया, डॉ डिंकी अरोरा तथा वृद्धमित्र संस्थान की ओर से मिस रितिका जांगरा और टीम उपस्थित रहे।

गौकाष्ठ से जलाएं होली और स्वच्छता का रखें ध्यानः निगमायुक्त संघ प्रिय

ग्वालियर। होली एकता और भाईचारे का त्यौहार है, शहरवासी होली के अवसर पर पर्यावरण को नुकसान न पंहुचाएं तथा केवल गोबर के कंडे अथवा गौकाष्ठ से ही होली जलाएं। इसके साथ ही यह भी ध्यान रखें कि शहर भी गंदा न हो क्योंकि यह शहर हम सभी का है तथा इसे साफ रखने की भी जिम्मेदारी भी हम सभी की है। यह आग्रह निगमायुक्त संघ प्रिय ने होली के त्यौहार को लेकर शहर के नागरिकों से अपील करते हुए किया। निगमायुक्त संघ प्रिय ने सभी शहरवासियों से आग्रह करते हुए कहा कि शहर में जितने भी स्थान पर होलिका दहन हो वह केवल कंडो अथवा गौकाष्ठ से ही हो, इसमें पेड अथवा लकडियों का उपयोग न करें। पर्यावरण-अनुकूल कदम उठाएं, लकड़ी की जगह गौकाष्ठ को उपयोग करें। लकड़ी जलाने से पेड़ों की कटाई बढ़ती है, जबकि गौमाता के गोबर से बनी गौ-काष्ठ प्राकृतिक, शुद्ध, सुरक्षित और पर्यावरण के लिए बेहतर विकल्प है। साथ ही होलिका के नीचे मिटटी रखें जिससे सडक खराब न हो तथा होलिका के उपर कोई विद्युत आदि के तार न हों। इसके साथ ही होलिका यातायात में बाधक न हों।

निगमायुक्त संघ प्रिय ने कहा कि सभी नागरिकों से आग्रह है कि होली हर्षोल्लास के साथ मनाएं लेकिन शहर में कहीं भी गंदगी न तो स्वयं करें और न ही किसी को करने दें, क्योंकि यदि आप ठान लेगें कि हमारा ग्वालियर स्वच्छ रहे तो यह र्निश्चत है कि ग्वालियर साफ व स्वच्छ ही रहेगा। शहरवासी शहर को गंदा एवं बदरंग न करें। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि सोशल मीडिया पर भी इस प्रकार का माहौल बनाएं कि लोग जागरुक हों और कंडो की होली जलाएं तथा जैविक रंगो से होली खेलकर त्यौहार हर्षोल्लास से मनाएं।

हजार बिस्तर अस्पताल में एचवीपी वैक्सीन का शुभारंभ

ग्वालियर। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. धाकड़ ने सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ सुरक्षा कवच के रूप में एचवीपी वैक्सीन का शुभारंभ 28 फरवरी शनिवार को हजार विस्तार अस्पताल में शुभारंभ किया। इस दौरान14 साल व 15 साल के बीच की बेटियों को डॉ. धाकड़ के द्वारा तिलक और माला पहना कर स्वागत कर वैक्सीन लगवाई। साथ ही उन्होंने वैक्सीन की सरहाना करते हुए ज्यादा से ज्यादा किशोरी बालिकाओं को वैक्सीन लग सके की अपील की गई। यह कार्यक्रम ग्वालियर जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. आरके गुप्ता, एमएस खान, धर्मेंद्र राणा, प्रियंका गोस्वामी, सुपरवाइजर श्रीमती अनुराधा पाराशर के मार्गदर्शन में किया गया।

फागुनी एकादशी पर खाटू श्याम का निकला चल समारोह, मंदिर पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

फागुनी एकादशी पर महानगर के सभी श्याम मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। ऐसा माना जाता है कि पूरे विश्व में फाल्गुनी एकादशी में लख्खी मेला परिसर लगता है। इसी तारतम्य में ग्वालियर के खाटू श्याम के मंदिरों में भी भक्तों का तांता लगा रहा। इस अवसर पर दौलतगंज स्थित खाटू श्याम मंदिर से एक विशाल चल समारोह निकाला गया। जिसमें श्याम भक्तो ने नाच गाकर इस चल समारोह में चार चांद लगा दिए।। यह चल समारोह दौलतगंज से प्रारंभ होकर महाराज बाड़ा, सराफा बाजार, गस्त का ताजिया,

पाटणकर बाजार होते हुए दौलतगंज स्थित श्याम मंदिर पर समाप्त हुआ। वहीं कांच मिल स्थित खाटू श्याम की हवेली पर भी फागुन एकादशी का त्यौहार बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। मंदिर के भक्त केशव अग्रवाल ने बताया की वैसे तो हर एकादशी प्रभु श्याम की है लेकिन फागुनी एकादशी को इसका विशेष महत्व है इसलिए श्रद्धालु सुबह से ही दर्शनों के लिए कतारबद्ध लगे हुए थे, वहीं शाम से श्याम को भजन का विशेष आयोजन किया गया।

टाइम ग्वालियर के छात्रों का बैंक पीओ और एसएससी सीजीएल में शानदार प्रदर्शन

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

शहर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान टाइम ग्वालियर के विद्यार्थियों ने बैंकिंग एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट सफलता हासिल कर एक बार फिर संस्थान की गुणवत्ता और श्रेष्ठ मार्गदर्शन को सिद्ध किया है। हाल ही में आईबीपीएस द्वारा घोषित परिणामों में छात्रा अनन्या मिश्रा का चयन केनरा बैंक में हुआ है, जबकि छात्र अर्पित पाठक ने पंजाब नेशनल बैंक में सफलता प्राप्त कर संस्थान का नाम गौरवान्वित किया है। इसके अतिरिक्त, पंकज चौहान का चयन कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित एसएससी सीजीएल परीक्षा के माध्यम से नारकोटिक्स विभाग में हुआ है, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। इस अवसर पर सेंटर डायरेक्टर जय प्रकाश गुप्ता ने सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की निरंतर मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। सफल विद्यार्थियों ने अपनी उपलब्धि का श्रेय संस्थान की अनुभवी एवं समर्पित फैकल्टी, गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री और व्यक्तिगत मार्गदर्शन को दिया। उनका कहना है कि नियमित मॉक टेस्ट, विस्तृत डाउट सेशन और व्यक्तिगत मार्गदर्शन ने उनकी तैयारी को मजबूत आधार प्रदान किया, जिससे वे प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर सके। संस्थान प्रबंधन ने विश्वास व्यक्त किया है कि आने वाले समय में भी विद्यार्थी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर शहर और प्रदेश का नाम रोशन करते रहेंगे।

आजाद के बलिदान से मिली आजादी

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

मप्र जन अभियान परिषद से संबद्ध नवांकुर संस्था सर्वे भवन्तु सुखिन समिति द्वारा महान बलिदानी चन्द्र शेखर आजाद के बलिदान दिवस पर त्रिमूर्ति चौराहे पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष राजकुमार प्रजापति ने कहा कि, चंद्र शेखर आजाद ने देश के बलिदान देकर देश के युवाओं में देश भक्ति का ऐसा भाव जागृत किया कि देश के हर कोने से युवाओं में आजादी के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने की प्रेरणा मिली, और अंग्रेजों का मनोबल टूट गया। इस अवसर पर समिति के अरुण सिंह चौहान, गजेन्द्र सिंह तोमर, टीकाराम, हर्ष अरोरा, सहित अन्य गणमान्य देशभक्त नागरिक उपस्थित रहे।

दो दिवसीय युवक युवती परिचय सम्मेलन मुरैना में 15 से

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

अखिल भारतीय अग्रवाल परिचय सम्मेलन द्वारा हर माह देश भर में आयोजित होने वाले युवक युवती परिचय सम्मेलन का अगला 135वा विशाल आयोजन दो दिवसीय 15 एवं 16 मार्च को मुरैना में होगा। उक्त जानकारी देते हुए राजेश ऐरन राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि मुरैना में होने वाले परिचय सम्मेलन में मध्यप्रदेश के सभी एवं देश के अनेकों शहरों से अग्रबंधु अपने विवाह योग्य बच्चों का रिश्ता करने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे, परिचय सम्मेलन गांधी मैरेज हॉल एसपी बंगले के सामने मुरैना में होगा। पंजीयन निशुल्क होगा, इसमें युवक युवती स्वयं मंच पर परिचय देकर अपना जीवन साथी चुनेंगे, राजेश ऐरन ने बताया कि चम्बल संभाग के सभी शहर ओर तहसीलों में जाकर अग्रबंधुयोको से सम्मेलन संस्था के पदाधिकारी सम्पर्क करेंगे,।

इसके लिए 5 मार्च को ग्वालियर में 10 मार्च को मुरैना, अंबाह पोरसा में एवं 12 मार्च को जौरा सवलगढ कैलारस में अग्रबन्धुओं की मिटीग आयोजित की गई है, समाज के सभी पदाधिकारीयों को आमंत्रित करने पांच सदस्यीय टीम सभी तहसीलों में जायेगी, परिचय सम्मेलन में रिश्ते कराने के लिए महीलाओं की बड़ी भूमिका होती है इसके लिए भी परिचय सम्मेलन आयोजन कमेटी में 51 महिलायो को संयोजक बनाया गया है, ।जिसमें श्रीमती नीलम शाह,बबीता अग्रवाल विनीता तायल, मिनाक्षी गोयल,रचना लोहिया, ललिता बंसल, पूनम अग्रवाल,कविता मंगल ज्योति अग्रवाल, पदमा अग्रवाल पुष्पा गोयल,प्रीती बिंदल,शशी गर्ग, रश्मि अग्रवाल रेनू मंगल, सुधा अग्रवाल ग्वालियर,चंचल अग्रवाल डबरा,नूतन गोयल,अमिता बंसल पूजा अग्रवाल गोहद,ममता अग्रवाल रानी अग्रवाल कैलारस अश्विनी बंसल जौरा रेनू सिंगल शिवपुरी,रजनी बिंदल गुना, मंजु अग्रवाल कोलारस आदि रहेंगी।

प्रेरक युवा चर्चा में युवाओं को मिला सफलता का मंत्र

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

शासकीय केंद्रीय पुस्तकालय में शनिवार को प्रेरक युवा चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय आयुक्त कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफ) सत्यवर्धन गौतम मुख्य अतिथि एवं मार्गदर्शक के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। सत्यवर्धन गौतम ने युवाओं को लक्ष्य निर्धारण, अनुशासन और सकारात्मक सोच के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए निरंतर प्रयास और

सही दिशा में परिश्रम आवश्यक है। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को करियर मार्गदर्शन प्रदान करना और उन्हें सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना था। आयोजन का समन्वय आशुतोष शर्मा एवं देविका राजे बुंदेला द्वारा किया गया। आयोजकों ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम का आयोजन शासकीय केंद्रीय पुस्तकालय ग्वालियर तथा गुरुकुल ड्रीम फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। अंत में उपस्थित युवाओं ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे प्रेरणादायक बताया। इस अवसर पर विवेक कुमार सोनी प्रबंधक शासकीय केन्द्रीय पुस्तकालय, पूजा साहू, आकाश बरूआ संस्थापक, गुरूकुल ड्रीम फॉउंडेशन, आकाश पाल, शिवम शर्मा, अनिल प्रताप सिंह सहित पुस्तकालय का अन्य स्टाफगण उपस्थित थे। राष्ट्रगान के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ।

45वां हास्य कवि मूर्ख सम्मेलन महाराज बाड़े पर 4 को

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

शहर की सामाजिक संस्था ग्वालियर विकास समिति द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 45वां हास्य कवि मूर्ख सम्मेलन 4 मार्च (होली की पड़वा) पर शाम 5 बजे महाराज बाड़े पर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक प्रेम बरोनिया ने कहा इस वर्ष दूर-दराज से आने वाले कवियों में हरीश हंगामा चित्तौडगढ़ (राजस्थान), डॉ शंकर सहर्ष (नरसिंहपुर), सुनीता पटेल (भोपाल), दिनेश भारती (इंदौर) अमित चितवन (ग्वालियर) व विवेक रेंचो मूर्ख सम्मेलन में मौजूद सभी लोगों को खूब हसाएंगे। इस दौरान एक महामूर्ख सम्मान भी दिया जाएगा। आप सभी कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम का आनंद लेवे।

केआरजी कॉलेज में लगी इंटरा मूट कोट

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

माय लार्ड संविधान में मौलिक अधिकार स्पष्ट है कि शिक्षा के लिए किसी को रोका नहीं जा सकता। फिर क्यों परीक्षा में बैठने देने में दिक्कत आ रही है। कोर्ट रुम में याचिकाकर्ता कोट 12 ने अपने तर्क डिवीजन बेंच के समक्ष रखे तो कार्ट रुम में तर्कों को सराहा गया। यह दृश्य शासकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय ग्वालियर के विधि संस्थान का था। जहा इंट्रा मूट कोर्ट प्रतियोगिता 2026 का फाइनल चल रहा था। इस दौरान प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव, समन्वयक डॉ शिशिर कश्यप, सह समन्वयक डॉ अंजू यादव सहित पूरा विधिविभाग प्रतिभागियों के तर्कों उनसे जुड़ी धाराओं को नोट डाउन कर चेक करते रहे। इस मूट कोर्ट अधिवक्ता महेश गोयल (सचिव, बार एसोसिएशन, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, खंडपीठ ग्वालियर) एवं प्रशांत शर्मा (सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी) निर्णायक रहे। प्रतियोगिता के सेमीफाइनल एवं फाइनल राउंड आयोजित किए गए।

परिणाम

टीम कोड-12 विजेता एवं टीम कोड-3 उपविजेता रही। बेस्ट रिसर्चर प्रेरणा रजक, बेस्ट स्पीकर सिमरन चाँदरानी एवं वैष्णवी पाराशर, बेस्ट मेमोरियल वैष्णवी पाराशर, वैष्णवी दुबौलिया, अंकिता मेहता रहीं।

संविधान आधारित केस पर टीम कोड 12 (याचिकाकर्ता), जिसमें प्रियंका शर्मा, आयुषी सिंह राठौर, गरिमा कुशवाह एवं टीम कोड 3 प्रत्यर्थी (सिमरन चाँदरानी , दिव्यांशी शर्मा , प्रेरणा रजक) ने डिवीजन बेंच के समक्ष 30-30 मिनट में अपने तर्क प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता का समापन समारोह दोपहर 4:30 बजे आयोजित हुआ। जिसमें प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव, संस्थान के समन्वयक डॉ. शिशिर कश्यप, सह-समन्वयक अंजू यादव, सभी फैकल्टी सदस्य एवं लगभग 250-छात्राएँ उपस्थित रहीं। आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

एक बार रक्तदान करके देखें, अच्छा लगता है : डॉ. संजय पाण्डे

डॉ. संजय ने 75वी बार रक्तदान किया

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

रक्तदान को महादान कहने के पीछे आशय है कि दान के साथ ही स्वास्थ्य का भी ख्याल रखने का कार्य करता है। युवाओं के लिये रक्तदान वरदान के समान है इससे वे अपने अंदर नवीन ऊर्जा व शक्ति का अहसास कर सकते है। रक्त की एक बूद भी किसी के जीवन को बचाती है। इससे बढ़ा सुख हमारे लिये कोई और नहीं हो सकता। डॉ. संजय कुमार पाण्डेय ने 75वीं बार रक्तदान करके युवाओं को यह संदेश दिया कि स्वस्थ रहने के लिये रक्तदान करते रहना चाहिये। यह बात मुख्यवक्ता डॉ. मनोज अवस्थी जिला संगठक रासेयो ग्वालियर ने कही। माधव महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से रक्तदान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. मनोज अवस्थी जिला संगठक रासेयो ग्वालियर, विशिष्ट अतिथि डॉ. एसडी शर्मा रेडक्रॉस सोसायटी अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. शिवकुमार शर्मा, वरिष्ट कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार पाण्डेय एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सरिता दीक्षित उपस्थित थे। प्राचार्य डॉ. शिवकुमार शर्मा ने कहा कि इस उपलक्ष्य में आज युवाओं ने समाज को जाग्रत करने के लिये रक्तदान का माध्यम चुना युवा शक्ति द्वारा समाज की एक अलग पहचान होती है।

जिसे युवाओं ने सिद्ध करके बताया है। मुख्य वक्ता डॉ. मनोज अवस्थी ने कहा कि रक्तदान से शरीर में नई ऊर्जा और स्फूर्ति आती है। केवल 24 घंटे में ही शरीर में पुन नया रक्त बन जाता है। यदि हम तीन चार महिने में रक्तदान न भी करें तो भी हमारे आर.बी.सी. स्वतः ही समाप्त हो जाते है। अत बेहतर है कि हम समय पर रक्तदान करके कई जीवन को बधा सकें। डॉ एस.डी शर्मा ने कहा कि रक्तदान करने से किसी भी प्रकार शारीरिक व मानसिक कमजोरी भी नहीं आती है। इस शिविर में एन.एस.एस. एन.सी.सी. व अन्य छात्र/छात्राओं ने रक्तदान किया।

ब्रीफ न्यूज

खुदाई के दौरान मिली 800 से 1000 ईस्वी के बीच की कब्र

पनामा सिटी। वैज्ञानिकों को पनामा सिटी से करीब 200 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित एल कानो पुरातात्विक पार्क में खुदाई के दौरान 800 से 1000 ईस्वी के बीच की कब्र मिली है। शोधकर्ता वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यह दफन स्थल एक हजार साल से भी अधिक पुराना है। मुख्य शोधकर्ता जूलिया मायो ने बताया कि कब्र से मिले कंकाल के चारों ओर सोने के आभूषणों और मिट्टी के बर्तनों का बड़ा संग्रह मिला है। कंकाल के साथ सोने के कंगन, झुमके और छाती पर पहना जाने वाला एक खास आभूषण मौजूद था, जिन पर चमगादड़ और मगरमच्छ की आकृतियां उकेरी गई थीं। इन आकृतियों को उस समय की सांस्कृतिक धारणाओं और कला का प्रतीक माना जा रहा है। शोधकर्ताओं का कहना है कि मिले हुए गहनों की गुणवत्ता और उनकी प्रतीकात्मक डिजाइन इस बात की ओर इशारा करती है कि यहां दफनाया गया व्यक्ति समाज में बेहद ऊंचा दर्जा रखता था। जूलिया मायो का मानना है कि यह संभवतः उस समुदाय का सबसे बड़ा नेता, योद्धा या प्रभावशाली सदस्य रहा होगा।

वैज्ञानिकों ने बनाई पानी आधारित बैटरी, पर्यावरण के लिए है वरदान

बीजिंग। चीन के वैज्ञानिकों ने एक ऐसी बैटरी विकसित की है जो पूरी तरह से पानी पर आधारित है। इसे पारंपरिक लिथियम-आयन बैटरियों के सुरक्षित विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार इस बैटरी में इस्तेमाल किया गया इलेक्ट्रोलाइट इतना सुरक्षित है कि उसकी तुलना टोफू बनाने में इस्तेमाल होने वाले नमकीन घोल से की जा सकती है। इस पानी आधारित बैटरी का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसे फेंकने पर यह पर्यावरण को प्रदूषित नहीं करती, जबकि पारंपरिक बैटरियां खतरनाक कचरा मानी जाती हैं और उनका निस्तारण विशेष प्रक्रियाओं से करना पड़ता है। इसके अलावा, चूंकि इस बैटरी में ज्वलनशील पदार्थ नहीं हैं।

गुस्सा करने वालों में हार्ट अटैक खतरा कई गुणा ज्यादाः रिसर्च

वाशिंगटन। मात्र 8 मिनट तक गुस्से में रहने से भी दिल पर गंभीर असर पड़ सकता है। यह खुलासा हुआ है ताजा मेडिकल स्टडी में। रिसर्च के अनुसार, इतने कम समय का गुस्सा भी आपके दिल और ब्लड सर्कुलेशन पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। इससे ब्लड वेसल्स की कार्यक्षमता कम हो जाती है और वे ठीक से फैल नहीं पातीं। यही कारण है कि बार-बार गुस्सा करने वाले लोगों में हार्ट अटैक और अन्य हृदय रोगों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। अध्ययन में 280 पूरी तरह स्वस्थ लोगों को शामिल किया गया था, जिनमें किसी भी तरह की बीमारी के लक्षण नहीं थे।

इन प्रतिभागियों को 4 समूहों में बांटा गया। कुछ लोगों को 8 मिनट तक गुस्सा दिलाने वाली बातें याद करने को कहा गया, जबकि कुछ को उदासी वाली बातें सोचने को कहा गया। शेष प्रतिभागियों को सिर्फ 8 मिनट तक सरल गिनती करने का काम दिया गया।

इटली में सेंट्रल मिलान में ट्राम पटरी से उतर गई, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई, 40 घायल हो गए।

रहमान ने सत्ता संभालते ही सेंट्रल बैंक के गवर्नर को हटाया, मचा घमासान

अहसान हबीब बने गवर्नर, लोग उठा रहे सवाल

एजेंसी ■ ढाका

बांग्लादेश में सरकार बदलने के बाद भी घमासान थमा नहीं है। अब विवाद सेंट्रल बैंक के गवर्नर को लेकर है। जब मोहम्मद यूनुस की सरकार थी तो उन्होंने अहसान हबीब मंसूर को कमान सौपी थी, लेकिन तारिक रहमान ने सत्ता संभाले ही उन्हें निकाल दिया। सरकार ने अब मोस्तकुर रहमान को बांग्लादेश बैंक का नया गवर्नर बनाया है और इस फैसले ने पूरे देश के आर्थिक और राजनीतिक गलियारों में आग लगा दी है। लोग सवाल कर रहे हैं कि एक कारोबारी को बैंक की चाबी क्यों दे दी गई? मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अहसान हबीब मंसूर जो गवर्नर थे वो जाने-माने अर्थशास्त्री भी थे और उन्हें मोहम्मद यूनुस वाली अंतरिम सरकार ने नियुक्त किया था। उनका कार्यकाल 2028 तक था, लेकिन उन्हें अचानक हटा दिया गया। हैरानी की बात ये है कि मंसूर को खुद नहीं पता था कि उन्हें हटाया जा रहा है। उन्होंने मीडिया से कहा कि न मैंने इस्तीफा दिया, न मुझे आधिकारिक तौर पर हटाया गया। मैंने टीवी पर खबर देखी, तो अपना बोरिया-बिस्तर समेटा और घर चल दिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक अब तक की परंपरा ये रही है कि सेंट्रल बैंक का गवर्नर कोई बड़ा बैंकर, अर्थशास्त्री या अनुभवी अफसर बनता है, लेकिन मोस्तकुर रहमान एक गारमेंट कारोबारी हैं। उनका बैंकिंग या मॉनेटरी पॉलिसी से कोई लेना-देना नहीं है। ऊपर से वह खालिदा जिया की पार्टी में काफी सक्रिय रहे हैं यानी एक राजनैतिक कारोबारी को बैंक की कमान सौंप दी गई है। सबसे बड़ा बवाल मोस्तकुर रहमान के पिछले रिकॉर्ड को लेकर है। खबरों के मुताबिक गवर्नर बनने के कुछ महीने पहले उनके अपनी कंपनी 'हेरा स्वेटर्स' के 89 करोड़ टका के फंसे हुए लोन को री-शेड्यूल किया गया था।

पाकिस्तान पर तालिबान ने की एयर स्ट्राइक, कई सैन्य ठिकाने किए तबाह

अफगानिस्तान ने फुटेज किए जारी, 55 पाक सैनिकों को मारने का किया दावा

एजेंसी ■ काबुल

पाकिस्तान से तनाव के बीच अफगानिस्तान ने एयर स्ट्राइक के फुटेज जारी किए हैं। अफगानिस्तान ने फुटेज में दिखाया कि कैसे उसने पाकिस्तान की सीमा के अंदर हवाई हमले किए। फुटेज में देखा जा सकता है कि किस तरह से रात के अंधेरे में अचानक धमाके होते हैं। अफगानिस्तान का कहना है कि ये हमले पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों पर किए गए हैं। इस फुटेज के आधार पर पाकिस्तान की सही लोकेशन का बता पाना मुश्किल है।

बता दें पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। सीमाओं पर तनाव की स्थित है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के कई प्रांतों में हमले किए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 2021 में तालिबान की वापसी के बाद पाकिस्तान ने पहली बार इतना बड़ा हमला किया है। जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान ने कंधार और काबुल के आसपास के इलाकों में बमबारी की। बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनके पाकिस्तान के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं और वह देश बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के पास एक महान पीएम हैं, एक महान जनरल हैं। आपके पास एक अच्छा नेता हैं, दो ऐसे लोग जिनका मैं वास्तव में बहुत सम्मान करता हूं और मुझे लगता है कि पाकिस्तान बहुत बढ़िया प्रदर्शन कर रहा है। ट्रंप से पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान के खिलाफ शुरू किए गए खुले युद्ध को लेकर सवाल किया गया था और यह भी पूछा गया था कि क्या वह लड़ाई रोकने के लिए हस्तक्षेप करेंगे। अमेरिका की राजनीतिक मामलों की उप विदेश मंत्री एलिसन हुकर ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि उन्होंने शुक्रवार को पाकिस्तान की विदेश मंत्री आमना बलूच से बात की और पाकिस्तान और तालिबान के बीच हाल में हुए संघर्ष में जान गंवाने वालों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं और तालिबान के हमलों के खिलाफ आत्मरक्षा करने के पाकिस्तान के अधिकार के प्रति अपना समर्थन देते हैं।

मीडया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ने कहा था कि अफगानिस्तान के खिलाफ खुली जंग जारी है और उसकी सेनाओं के हवाई हमलों में 270 से ज्यादा तालिबान लड़ाकें मारे गये और 400 से ज्यादा घायल हुए हैं। पाकिस्तान द्वारा ये हमले अफगान तालिबान के सीमा पार हमले के जवाब में किए गए थे। इस बीच अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि अफगान बलों ने 55 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया और पाकिस्तान के अंदर उन ठिकानों को निशाना बनाया जिन्हें उन्होंने अहम सैन्य लक्ष्य बताया।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान में फिर शुरू हुई जंग

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमावर्ती तनाव एक बार फिर हिंसक मोड़ ले चुका है। शनिवार तड़के पक्तिका प्रांत के तेरवा जिले में डूरंड रेखा के समीप दोनों देशों की सेनाओं के बीच भारी गोलीबारी शुरू हो गई। ताजा घटनाक्रम में अफगानिस्तान की इस्लामिक अमीरात की सेना ने पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत स्थित उत्तरी वजीरिस्तान के मीरानशाह और स्पिनवाम इलाकों में पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर ड्रोन हमले किए हैं। इन हमलों को अफगान पक्ष ने 'रद अल-जुल्म' का नाम दिया है। सूचनाओं के अनुसार, स्पिनवाम के सैन्य अड्डे पर ड्रोन गिरने के बाद भीषण आग लग गई, हालांकि अभी तक दोनों ओर से किसी भी पक्ष ने जान-माल के नुकसान का आधिकारिक आंकड़ा साझा नहीं किया है। यह कार्रवाई पाकिस्तान द्वारा पिछली रात खोस्त और पक्तिया प्रांतों में की गई बमबारी के जवाब में की गई है।

तानाशाह किम जोंग उन ने अपने अफसरों व कमांडरों को गिफ्ट में दी स्निपर राइफल

एजेंसी ■ प्योंग यान

उत्तर कोरिया की सत्ताधारी पार्टी के शीर्ष पद पर चुने जाने के बाद किम जोंग उन ने अपने शीर्ष अधिकारियों और कमांडरों को नई स्निपर राइफल गिफ्ट की हैं। एक समारोह में किम जोंग ने लोगों को राइफल का तोहफा दिया। वहीं उनकी बेटी राइफल से निशाना लगाती नजर आई। चर्चा है कि किम जोंग बेटी को ही अपना उत्तराधिकारी बनाना चाहते हैं। किम ने कहा कि राइफल गिफ्ट करना दिखाता है कि उनका अपने अधिकारियों पर पूर्ण विश्वास है। इसके अलावा वर्कर्स पार्टी के लिए वह पूरी तरह से ईमानदार हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाल ही में तानाशाह किम की बहन किम यो जोंग भी अमरिका और दक्षिण कोरिया के खिलाफ काफी बयान दे रही थीं। ऐसे में उनको लेकर भी कई तरह की चर्चाएं चल रही थीं। हालांकि एक बार फिर किम जोंग उन को ही वर्कर्स पार्टी का चीफ चुना गया। स्थानीय मीडिया द्वारा जारी तस्वीरों में दिखाया गया है कि किम यो जोंग के हाथ में भी राइफल है। किम जोंग की बेटी की उम्र अभी 13 साल है। वैसे तो किम जोंग अपने परिवार को सार्वजनिक रूप से कहीं ले नहीं जाते हैं। हाल ही में एक मिसाइल

टेस्ट के दौरान वह अपनी बेटी को साथ लेकर गए थे। इसके अलावा उनकी बहन की भी कई तस्वीरें सामने आ चुकी हैं। हाल ही में जब किम जोंग चीन की यात्रा पर गए थे तब भी वह बेटी को साथ ले गए थे। वर्कर्स पार्टी ने सात दिनों का एक वार्षिक समारोह किया जिसमें किम जोंग उन का जमकर गुणगान किया गया। बता दें किम जोंग ने कहा है कि यदि अमेरिका अपनी शत्रुतापूर्ण नीति छोड़कर उत्तर कोरिया के परमाणु संपन्न राष्ट्र के संवैधानिक दर्जे को स्वीकार करता है, तो उत्तरी कोरिया अमेरिका के साथ संबंधों को सुधारने के लिए तैयार होगा। वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया की नौवीं कांग्रेस के अवसर पर आयोजित एक परमाणु सैन्य परेड में किम ने यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि यदि अमेरिका उत्तर कोरिया के संविधान में परिभाषित परमाणु राष्ट्र की वर्तमान स्थिति का सम्मान करता है।

ईरान-अमेरिका तनाव के बीच परमाणु समझौते की पहल

जीरो स्टॉकपाइल फॉर्मूले से सुलझ सकता विवाद

एजेंसी ■ तेहरान

मध्य पूर्व में ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध की बढ़ती आशंकाओं के बीच कूटनीतिक गलियारों से एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। लंबे समय से अधर में लटकी परमाणु डील अब अपने निर्णायक मोड़ पर पहुंचती दिख रही है। ओमान के विदेश मंत्री सैयद बद्र अलबुसैदी ने खुलासा किया है कि दोनों पक्षों के बीच एक नया जीरो स्टॉकपाइल फॉर्मूला तैयार हुआ है। इस प्रस्तावित समझौते के तहत ईरान भविष्य में परमाणु हथियार बनाने योग्य यूरेनियम का भंडारण नहीं करने पर सहमत हो गया है। यह विकासक्रम ऐसे समय में आया है जब चीन ने युद्ध की आशंका को देखते हुए तेहरान में मौजूद अपने नागरिकों को देश छोड़ने की चेतावनी जारी की है। ओमान के विदेश मंत्री ने हालिया साक्षात्कार में

स्पष्ट किया कि इस नए फॉर्मूले का अर्थ यह है कि ईरान के पास मौजूद संवर्धित यूरेनियम के स्तर को कम किया जाएगा। उसे ऐसे ईंधन में परिवर्तित कर दिया जाएगा, जिसका उपयोग दोबारा हथियार बनाने में नहीं किया जा सके। अलबुसैदी के अनुसार, यह समझौता 2015 के पिछले परमाणु समझौते से काफी अलग और अधिक प्रभावी होगा, क्योंकि इसके लागू होने के बाद ईरान के पास ऐसा कोई परमाणु पदार्थ शेष नहीं बचेगा जिससे बम का निर्माण संभव हो।

इस समझौते की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बनाया गया है। समझौते के तहत ईरान की हर परमाणु गतिविधि, स्टॉक और सामग्री की पूर्ण निगरानी की जाएगी। यदि यह समझौता सुचारू रूप से लागू होता है, तो भविष्य में अमेरिकी निरीक्षकों को भी ईरानी परमाणु केंद्रों की जांच करने की अनुमति मिल सकती है। तकनीकी स्तर पर वियना में बातचीत जारी है और माना जा रहा है कि राजनीतिक सहमति बनते ही 90 दिनों के भीतर स्टॉक खत्म करने और जांच व्यवस्था लागू करने की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। ओमान ने अमेरिका को स्पष्ट संकेत देते हुए चेतावनी दी है कि इस जटिल मुद्दे का समाधान केवल कूटनीति से ही संभव है।

19 करोड़ महिलाएं जूझ रही एंडोमेट्रियोसिस की गंभीर बीमारी से

जिनेवा। दुनिया भर में लगभग 19 करोड़ महिलाएं एंडोमेट्रियोसिस नाम की गंभीर बीमारी से जूझ रही हैं। यह दावा किया है विश्व स्वास्थ्य संगठन ने। संगठन के अनुसार, प्रजनन आयु की हर 10 में से 1 महिला इस समस्या की शिकार है, लेकिन इसकी सबसे बड़ी विडंबना यही है कि इसे अक्सर सामान्य पीरियड दर्द समझकर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

यह एक ऐसी स्थिति है, जिसमें गर्भाशय के अंदर मौजूद ऊतक शरीर के अन्य हिस्सों जैसे अंडाशय, आंत या कभी-कभी फेफड़ों तक फैलने लगते हैं। अगर समय रहते इसका पता न चले, तो यह असहनीय दर्द के साथ-साथ बांझपन का कारण भी बन सकता है। एंडोमेट्रियोसिस के 6 अनोखे और चौंकाने वाले लक्षण अक्सर महिलाओं को भ्रमित कर देते हैं। पहला लक्षण है पीरियड्स के दौरान कंधे में अचानक तेज दर्द, जो डायफ्राम या फेफड़ों के पास टिश्यू जमा होने का संकेत हो सकता है।

कनाडा में टोरंटो स्प्रिंग कैमपिंग और आरवी शो में रीक्रिएशनल (मनोरंजन) वाहनों को देखते हुए। इस शो में करीब 500 कंपनियों ने अपने वाहन पेश किये।

संकट | ट्रंप की चेतावनी के बाद दुनियाभर में हड़कंप

भारत समेत कई देशों ने खाली किए दूतावास

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

मध्य पूर्व में गहराते भू-राजनीतिक तनाव और संभावित क्षेत्रीय संघर्ष की आशंकाओं ने पूरी दुनिया को चौकन्ना कर दिया है। अमेरिका, ब्रिटेन, चीन और भारत सहित कई प्रमुख देशों ने अपने नागरिकों और दूतावास कर्मचारियों के लिए आपातकालीन सुरक्षा परामर्श (एडवाइजरी) जारी की है। यह स्थिति तब और अधिक विस्फोटक हो गई जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ चल रही कूटनीतिक बातचीत पर गहरी निराशा व्यक्त की और सैन्य विकल्पों की ओर संकेत दिया। युद्ध

के बढ़ते बादलों को देखते हुए वाशिंगटन ने यरूशलेम (इजरायल) और बेरूत (लेबनान) में तैनात अपने गैर-आपातकालीन कर्मचारियों को देश छोड़ने की अनुमति दे दी है। अमेरिका को अंदेशा है कि यदि ईरान पर हमला होता है, तो ईरान इजरायल को निशाना बनाकर जवाबी कार्रवाई कर सकता है। इसी क्रम में भारत, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और चीन जैसे देशों ने भी अपने नागरिकों को प्रभावित क्षेत्रों से सुरक्षित दूरी बनाने या वहां से निकलने की सलाह दी है। ब्रिटेन ने तो ईरान से अपने राजनयिक कर्मचारियों को अस्थायी रूप से वापस बुलाने की भी घोषणा कर दी है। टेक्सास में पत्रकारों से मुखातिब होते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के संदर्भ में कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, मैं मौजूदा बातचीत के नतीजों से खुश नहीं हूं। वार्ता जारी है, लेकिन वे सही दिशा में नहीं बढ़ रहे हैं। जब उनसे ईरान पर संभावित हवाई हमलों के समय के बारे में पूछा गया, तो ट्रंप ने सैन्य रणनीति का खुलासा करने से इनकार करते हुए सिर्फ इतना कहा कि वे ईरान को किसी भी कीमत पर परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं देंगे। जिनेवा में अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर के नेतृत्व में हुई हालिया वार्ता बेनतीजा रही है। हालांकि, मध्यस्थ देश ओमान के विदेश मंत्री बद्र अलबुसैदी ने सकारात्मक संकेत देते हुए कहा कि शांति अब भी पहुंच में है, लेकिन जमीन पर सैन्य गतिविधियां कुछ और ही कहानी बयां कर रही हैं। क्षेत्र में सैन्य तनाव का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दूसरा अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस जेराल्ड आर. फोर्ड इजरायली जलक्षेत्र में तैनात हो चुका है। इस तनाव का सीधा असर इजरायल की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा है। इजरायली मुद्रा शेकेल में भारी गिरावट दर्ज की गई है और तेल अवीव के लिए अधिकांश अंतरराष्ट्रीय उड़ानें निलंबित कर दी गई हैं। कच्चे तेल की कीमतों में अचानक 3.2 प्रतिशत का उछाल आया है, जिससे यह 73 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है।

नोटों से भरा विमान हुआ क्रैश- 15 की मौत, मची अफरा तफरी

एजेंसी ■ ला पाज़

बोलीविया की प्रशासनिक राजधानी ला पाज़ के निकटवर्ती शहर एल ऑल्टो में शुक्रवार शाम एक बड़ा विमान हादसा हो गया जिसमें कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग घायल हुए हैं। हादसे के बाद एक अजीबोगरीब स्थिति तब पैदा हो गई जब विमान में रखे करोड़ों के नए नोट पूरी सड़क पर बिखर गए। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि मलबे और धुएं के बीच सैकड़ों लोग बचाव कार्यों में मदद करने के बजाय बिखरी हुई नकदी को इकट्ठा करने के लिए दौड़ पड़े। भीड़ इतनी अनियंत्रित हो गई थी कि पुलिस और स्थानीय प्रशासन को लोगों को हटाने के लिए वॉटर कैनन और दंगा नियंत्रण उपकरणों का इस्तेमाल करना पड़ा। बोलीविया के सेंट्रल बैंक ने पुष्टि की है कि विमान नए बैंक नोटों को देश के आंतरिक हिस्सों में ले जा रहा था।

रिपोर्ट्स के अनुसार, विमान ने एल ऑल्टो इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरी ही थी कि खराब मौसम या तकनीकी खराबी के कारण वह अनियंत्रित होकर पास की मुख्य सड़क पर जा गिरा। सड़क पर गिरते ही विमान ने करीब एक दर्जन से अधिक वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया।

शून्य भेदभाव की ओर बढ़ते कदम

हर वर्ष 1 मार्च को शून्य भेदभाव दिवस (जीरो डिस्क्रिमीनेशन डे) मनाया जाता है। वास्तव में, इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य समाज में समानता(कानून और व्यवहार दोनों स्तरों पर) आपसी सम्मान तथा भेदभाव-मुक्त वातावरण को बढ़ावा देना है। सरल शब्दों में कहें तो इसका लक्ष्य भेदभावपूर्ण कानूनों और सामाजिक धारणाओं को समाप्त करना है। प्रारंभ में यह दिवस एचआईवी/एड्स से पीड़ित लोगों के विरुद्ध होने वाले भेदभाव पर केंद्रित था, परंतु समय के साथ यह रंग, धर्म, शारीरिक बनावट, लैंगिक पहचान और अन्य सभी प्रकार के भेदभावों के विरुद्ध एक वैश्विक आंदोलन का रूप ले चुका है। यह दिवस संयुक्त राष्ट्र(यूएन) और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा सक्रिय रूप से मनाया जाता है। यहां पर यह उल्लेखनीय है कि इस दिवस की शुरुआत यूएन-एड्स द्वारा की गई थी। यूएन-एड्स, अर्थात् जॉइंट यूनाइटेड नेशंस प्रोग्राम ऑन एचआईवी/एड्स, संयुक्त राष्ट्र का एक प्रमुख कार्यक्रम है जिसकी स्थापना वर्ष 1996 में एचआईवी/एड्स महामारी से निपटने के लिए की गई थी। पाठकों को बताता चलूं कि इसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में स्थित है। यह संगठन विश्वभर में एचआईवी संक्रमण की रोकथाम, संक्रमित लोगों को उपचार और देखभाल उपलब्ध कराने तथा इस रोग से जुड़े भेदभाव और सामाजिक कलंक को समाप्त करने के लिए कार्य करता है। साथ ही, यह विभिन्न देशों की सरकारों को नीतियाँ बनाने, जागरूकता अभियान चलाने और वर्ष 2030 तक एड्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में समाप्त करने के वैश्विक लक्ष्य की प्राप्ति में सहयोग प्रदान करता है। यदि हम यहां पर इस दिवस के इतिहास पर दृष्टि डालें तो इसकी घोषणा दिसंबर 2013 में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर की गई थी और पहली बार इसे 1 मार्च 2014 को मनाया गया। इसकी पहल यूएन-एड्स के तत्कालीन कार्यकारी निदेशक मिशेल सिदिबे ने की थी। प्रत्येक वर्ष इस दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। स्पष्ट रूप से कहें तो सभी के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए, सभी के अधिकारों की रक्षा करें इसकी वास्तविक और आधिकारिक थीम है, जो विशेष रूप से उन भेदभावपूर्ण कानूनों को हटाने पर बल देती है जो लोगों को उपचार और सम्मान से वंचित करते हैं। दूसरी ओर, पीपल फर्स्ट का नारा मूल रूप से विश्व एड्स दिवस (1 दिसंबर) के अभियान से जुड़ा है। चूँकि दोनों अभियानों का नेतृत्व यूएन-एड्स ही करता है, इसलिए कई बार सोशल मीडिया और इंटरनेट पर इन नारों को एक-दूसरे से भ्रमित कर दिया जाता है। निष्कर्षतः 1 मार्च के शून्य भेदभाव दिवस की आधिकारिक थीम अधिकारों और स्वास्थ्य की रक्षा पर केंद्रित है, जबकि पीपल फर्स्ट एक व्यापक मानवीय दृष्टिकोण का प्रतीक है। इस दिवस का प्रतीक तितली (बटरफ्लाई) है, जो परिवर्तन और कायाकल्प का संदेश देती है। तितली रूपांतरण (ट्रांसफॉर्मेशन) का प्रतीक है। जिस प्रकार एक तितली अपने कोकून से निकलकर पूर्ण रूप से परिवर्तित हो जाती है और अपनी सुंदरता से संसार को आकर्षित करती है, उसी प्रकार समाज को भी भेदभाव की पुरानी मानसिकता त्यागकर समानता और समावेशन की नई सोच अपनानी चाहिए।

जब नागरिक अपने कर्त्तव्यों का पालन करेंगे, तभी समाज में आएगा परिवर्तन

▪ डॉ. जागेश्वर पटले

किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी आर्थिक प्रगति, तकनीकी विकास, प्राकृतिक संसाधनों या सैन्य क्षमता से निर्धारित नहीं होती, बल्कि उसके नागरिकों की जागरुकता, अनुशासन, नैतिकता और कर्त्तव्यनिष्ठा से तय होती है। इतिहास साक्षी है कि जब-जब नागरिक अपने कर्त्तव्यों के प्रति सजग और उत्तरदायी रहे, तब राष्ट्र ने उन्नति और स्थिरता प्राप्त की, किंतु जब व्यक्ति अपने सामाजिक और राष्ट्रीय दायित्वों से विमुख हुआ, तब-तब राष्ट्र अनेक प्रकार के संकटों में घिर गया।

आज के समसामयिक संदर्भ में यह विचार और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। लोकतांत्रिक व्यवस्था नागरिकों की सक्रिय भागीदारी पर आधारित होती है। लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित व्यवस्था नहीं, बल्कि निरंतर जिम्मेदार नागरिक जीवन का नाम है। नागरिक केवल अधिकारों के उपभोक्ता नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के सहभागी होते हैं। संविधान ने हमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, समानता, न्याय और अवसरों का अधिकार दिया है, वहीं कुछ मूल कर्त्तव्यों का भी निर्धारण किया है-संविधान और कानून का सम्मान करना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, करों का ईमानदारी से भुगतान करना, पर्यावरण संरक्षण करना, सामाजिक सद्भाव बनाए रखना, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी निभाना। जब नागरिक इन दायित्वों की अनदेखी करते हैं, तब राष्ट्रीय व्यवस्था धीरे-धीरे असंतुलित होने लगती है। समकालीन समाज में अनेक समस्याओं की जड़ नागरिक कर्त्तव्यों की उपेक्षा में स्पष्ट दिखाई देती है। सोशल मीडिया के युग में बिना सत्यापन के अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं का प्रसार सामाजिक तनाव और अविश्वास को जन्म देता है। यातायात नियमों की अवहेलना प्रतिदिन असंख्य दुर्घटनाओं का कारण बनती है, जिससे न केवल मानव जीवन की हानि होती है, बल्कि राष्ट्रीय उत्पादकता भी प्रभावित होती है। कर चोरी, रिश्वतखोरी और नियमों को दरकिनार करने की प्रवृत्ति आर्थिक व्यवस्था को कमजोर करती है। भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती है। इस प्रकार व्यक्तिगत स्वार्थ धीरे-धीरे सामूहिक संकट का रूप धारण कर लेता है। पर्यावरणीय संकट भी नागरिक कर्त्तव्य की उपेक्षा का प्रत्यक्ष उदाहरण है। जल, वायु और भूमि प्रदूषण, प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग, जल संसाधनों की बर्बादी और वृक्षों की अंधाधुंध कटाई ने जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक समस्या को जन्म दिया है। यदि हर नागरिक पर्यावरण संरक्षण को अपना व्यक्तिगत दायित्व मान ले, तो अनेक संकट स्वतः कम हो सकते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि राष्ट्र की सुरक्षा केवल सीमाओं पर नहीं, बल्कि नागरिकों के दैनिक आचरण में भी निहित होती है। हाल के वर्षों में महामारी जैसी वैश्विक आपदा ने भी यह सिद्ध किया कि नागरिक अनुशासन ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति है। जहां लोगों ने नियमों का पालन किया, सामाजिक जिम्मेदारी दिखाई और सामूहिक हित को प्राथमिकता दी, वहां संकट पर अपेक्षाकृत शीघ्र नियंत्रण पाया गया। वहीं लापरवाही ने परिस्थितियों को गंभीर बना दिया। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि सरकार की नीतियां तभी सफल होती हैं जब नागरिक सहयोगी और उत्तरदायी भूमिका निभाते हैं। लोकतंत्र की मजबूती भी नागरिक चेतना पर निर्भर करती है। यदि नागरिक मतदान से दूर रहें, सामाजिक मुद्दों के प्रति उदासीन हो जाएं या अल्पकालिक लाभ के आधार पर

निर्णय लें, तो शासन व्यवस्था कमजोर हो सकती है। जागरूक नागरिक ही सुशासन की आधारशिला होते हैं। इसलिए नागरिक कर्त्तव्य केवल व्यक्तिगत नैतिकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्थिरता का अनिवार्य तत्व है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि अधिकारों के साथ कर्त्तव्यों की भावना को भी समान महत्व दिया जाए। शिक्षा व्यवस्था में नैतिक एवं नागरिक शिक्षा को सुदृढ़ किया जाए, युवाओं में सामाजिक उत्तरदायित्व की चेतना विकसित की जाए और डिजिटल युग में जिम्मेदार नागरिकता को बढ़ावा दिया जाए। परिवार, समाज और शैक्षणिक संस्थानों को मिलकर ऐसी संस्कृति विकसित करनी होगी जहां कर्त्तव्यपालन सम्मान का विषय बने। राष्ट्र निर्माण केवल शासन या प्रशासन का कार्य नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का साझा दायित्व है।

अंततः यह स्वीकार करना होगा कि राष्ट्र का भविष्य केवल संसद या नीतियों में नहीं, बल्कि नागरिकों के दैनिक आचरण में निर्मित होता है। जब नागरिक अपने कर्त्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करते हैं, तब राष्ट्र सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध बनता है और जब वे इससे विमुख होते हैं, तब संकट अनिवार्य हो जाता है। इसलिए समय की पुकार है-अधिकारों के साथ कर्त्तव्यों को भी अपनाएं, जागरूक नागरिक बनें और राष्ट्र को स्थायी प्रगति और सुदृढ़ भविष्य की दिशा में अग्रसर हो करें। नागरिक कर्त्तव्य स्वयं के लिए होते हैं-परोपदेश कुशल बहुतेरे नहीं।

आज के लोकतांत्रिक समाज में नागरिक अधिकारों की चर्चा तो बहुत होती है, लेकिन नागरिक कर्त्तव्यों की बात अक्सर पीछे छूट जाती है। हम सभी स्वच्छ शहर, सुरक्षित समाज और विकसित राष्ट्र की कल्पना करते हैं, परंतु जब स्वयं जिम्मेदारी निभाने की बात आती है, तो अधिकांश लोग केवल सलाह देने तक सीमित रह जाते हैं। यही स्थिति उस कहावत को सार्थक करती है-परोपदेश कुशल बहुतेरे... अर्थात दूसरों को उपदेश देने वाले बहुत हैं, पर स्वयं पालन करने वाले कम।

नागरिक कर्त्तव्य केवल राष्ट्र के लिए नहीं, बल्कि व्यक्ति के अपने जीवन के लिए भी आवश्यक होते हैं। जब कोई नागरिक यातायात नियमों का पालन करता है, तो वह केवल कानून का सम्मान नहीं करता, बल्कि अपनी और दूसरों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करता है। इसी प्रकार स्वच्छता बनाए रखना केवल सरकारी अभियान की सफलता नहीं, बल्कि व्यक्तिगत स्वास्थ्य और सम्मान का विषय भी है।

आज समाज में एक विरोधाभास स्पष्ट दिखाई देता है। लोग भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठाते हैं, लेकिन छोटे-छोटे कामों में सुविधा के लिए नियमों को तोड़ने से नहीं हिचकते। सोशल मीडिया पर देशभक्ति और नैतिकता की बातें करना आसान है, पर करों का ईमानदारी से भुगतान करना या सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना वास्तविक नागरिक धर्म है। हम अक्सर सरकार को शहर की गंदगी के लिए दोष देते हैं, लेकिन स्वयं सड़क पर कचरा फेंक देते हैं।

कई लोग ट्रैफिक नियमों पर लंबी चर्चा करते हैं, पर हेलमेट पहनने या सिग्नल मानने में लापरवाही करते हैं। विद्यालयों में अनुशासन की कमी पर शिकायत करने वाले अभिभावक कभी-कभी स्वयं नियमों का पालन नहीं करते। ये उदाहरण बताते हैं कि समाज की समस्याएं केवल व्यवस्था की नहीं, बल्कि व्यक्तिगत व्यवहार की भी हैं।

एक आदर्श समाज का निर्माण कानूनों से नहीं, बल्कि जागरूक नागरिकों से होता है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने छोटे-छोटे कर्त्तव्यों को ईमानदारी से निभाने लगे, तो बड़े परिवर्तन स्वतः दिखाई देने लगेंगे। राष्ट्र निर्माण कोई विशाल कार्य नहीं, बल्कि रोजमर्रा के जिम्मेदार आचरण का परिणाम है। समय की आवश्यकता है कि हम उपदेश देने की बजाय स्वयं उदाहरण बनें। जब नागरिक अपने कर्त्तव्यों को समझेंगे और उनका पालन करेंगे, तभी लोकतंत्र सशक्त होगा और समाज में वास्तविक परिवर्तन आएगा। इसलिए हमें याद रखना चाहिए-अच्छा नागरिक वही है जो पहले स्वयं सही मार्ग पर चलता है, फिर दूसरों को प्रेरित करता है।

– प्रांत संगठन मंत्री संस्कृत भारती मध्य भारत प्रांत, भोपाल

न्यायपालिका के आत्मावलोकन की जरूरत को भी स्वीकार करें मीलार्ड!

एनसीईआरटी की कक्षा आठ की एक किताब में न्यायपालिका से जुड़ी विवादित सामग्री पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा आपत्ति जताने के बाद सरकार द्वारा न्यायिक भ्रष्टाचार से संबंधित विवादास्पद अंशों को हटाने का निर्णय लिया है।गुरुवार सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की कक्षा आठ की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से संबंधित अध्याय पर कड़ा रुख अपनाते हुए पुस्तक पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है।सवाल उठता है कि माननीय शीर्ष अदालत ने जिस तरह इस मामले में तत्परता दिखाते हुए तथ्यपरक अध्याय पर गंभीर आपत्ति और कारवाई की है क्या ऐसी ही तत्परता न्यायपालिका की साख पर धब्बा लगाने वाले न्यायिक व्यवस्था से जुड़े भ्रष्टाचारियों के खिलाफ भी अमल में लायी गयी। आपको बता दें कि शीर्ष अदालत ने बाजार में उपलब्ध सभी प्रतियां जब्त करने और डिजिटल संस्करण हटाने के साथ ही पुस्तक को सार्वजनिक पहुंच से हटाने के आदेश दिए हैं। इतना ही नहीं कोर्ट ने अध्याय तैयार करने वाली कमेटी के सदस्यों का ब्योरा तलब किया हैं। एनसीईआरटी के निदेशक और स्कूल शिक्षा सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा है कि बताएं क्यों न जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। दो सप्ताह में अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले को 11 मार्च को फिर सुनवाई के लिए लगाने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि यह न्यायपालिका को कमजोर करने और उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाने की सुनियोजित साजिश है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने माफी मांगते हुए कहा कि इस अध्याय को तैयार करने वाले दो लोग अब कभी भी एनसीईआरटी या किसी भी मंत्रालय में काम नहीं करेंगे तो चीफ जस्टिस सूर्यकांत की टिप्पणी थी कि तब तो ये बहुत आसान हो जाएगा और वो बरी हो जाएंगे। उन्होंने गोली चलाई है, न्यायपालिका आज खून से लथपथ है।चीफ जस्टिस ने कहा कि पुस्तक की प्रतियां बाजार में हैं। ये एक सोची समझी चाल है। पूरे शिक्षण समुदाय को बताया जाएगा कि भारतीय न्यायपालिका भ्रष्ट है और मामले लंबित हैं।

मनोज कुमार अग्रवाल

यह स्वीकार्य तथ्य है कि देश की न्यायपालिका केवल एक संवैधानिक संस्था नहीं है, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा है। जब इस संस्था की छवि, भूमिका या विश्वसनीयता से जुड़ा कोई प्रश्न उठता है, तो उसका असर पूरे समाज और आने वाली पीढ़ियों की सोच पर पड़ता है। आम नागरिक जब अन्य सभी दरवाजों से निराश हो जाता है, तब वह अदालत की चौखट पर दस्तक देता है। ऐसे में यदि स्कूली पाठ्यपुस्तकों में न्यायपालिका को भ्रष्टाचार जैसी गंभीर चुनौती के संदर्भ में प्रस्तुत किया जाए, तो हो सकता है कि बच्चों का विश्वास न्यायपालिका पर से बचपन में ही डगमगा जाएगा।

आपको बता दें कि एनसीईआरटी की कक्षा आठ की किताब में विवादित अध्याय हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका शीर्षक से प्रकाशित हुआ है। पहले के संस्करणों में जहां न्यायालयों की संरचना, कार्यप्रणाली और न्याय तक पहुंच पर ध्यान केंद्रित था, वहीं नये संस्करण में व्यवस्था की चुनौतियों पर भी चर्चा की गयी है। न्यायपालिका में भ्रष्टाचार शीर्षक खंड में कहा गया है कि विभिन्न स्तरों पर लोगों को भ्रष्टाचार का सामना करना पड़ सकता है और गरीब तथा वंचित वर्गों के लिए इससे न्याय तक पहुंच और कठिन हो सकती है। पुस्तक में यह भी लेख है कि राज्य और केंद्र स्तर पर पारदर्शिता बढ़ाने तथा तकनीक के उपयोग से सुधार के प्रयास किये जा रहे हैं। पुस्तक में लंबित मुकदमों के आंकड़े भी दिये गये हैं। इसमें बताया गया है कि उच्चतम न्यायालय में लगभग 81 हजार मामले लंबित हैं, उच्च न्यायालयों में लगभग 62.40 लाख और जिला तथा अधीनस्थ न्यायालयों में करीब 4.70 करोड़ मामले लंबित हैं। ये आंकड़े न्याय प्रणाली पर बढ़ते बोझ को दर्शाते हैं। पुस्तक में केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली के जरिये प्राप्त शिकायतों का भी अलेख है और बताया गया है कि 2017 से 2021 के बीच 1600 से अधिक शिकायतें दर्ज की गयीं। नयी पुस्तक के ÷न्यायपालिका में भ्रष्टाचार÷ खंड में कहा गया है कि न्यायाधीश एक आचार संहिता से बंधे होते हैं जो न केवल अदालत में उनके व्यवहार को नियंत्रित करती है, बल्कि अदालत के बाहर उनके आचरण को भी नियंत्रित करती है। इस अध्याय में भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई का कथन भी उद्धृत किया गया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि न्यायपालिका के भीतर भ्रष्टाचार और कदाचार की घटनाएं जन विश्वास पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं, किंतु त्वरित और पारदर्शी कार्रवाई से इस विश्वास को पुन स्थापित किया जा सकता है। हाल ही में यह मामला मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष लाकर वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने इस पर गंभीर आपत्ति जताई। सिब्बल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि स्कूली बच्चों को न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के बारे में पढ़ाया जाना न केवल अनुचित है, बल्कि निंदनीय भी है। । मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने तत्काल संज्ञान लिया। आपको बता दें कि लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही आवश्यक तत्व हैं। न्यायपालिका भी इससे अछूती नहीं है। समय-समय पर अदालतों ने स्वयं यह कहा है कि आलोचना लोकतंत्र का हिस्सा है, बशर्ते यह तथ्यात्मक और मर्यादित हो। बेशक न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर एक पाठ्यपुस्तक के आलेख पर न्याय के देवता बुरी तरह बिफर रहें हैं इससे न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का प्रश्न ओझल होने वाला नहीं है।

खामोशी से जान लेती सेक्सवर्धक दवाएं

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत जैसे समाज में यौन स्वास्थ्य आज भी खुली बातचीत का विषय नहीं है। पुरुषों से अपेक्षा की जाती है कि वे हर हाल में ÷सक्षम÷ रहें—चाहे उम्र, तनाव या बीमारी कुछ भी हो। इसी दबाव में डॉक्टर से सलाह लेना कमजोरी मान लिया जाता है, जबकि बिना जांच दवा खाना ÷समाधान÷ समझ लिया जाता है। यही चुप्पी सबसे खतरनाक है। लोग अपने शरीर के संकेतों को अनदेखा करते हैं, मानसिक तनाव को दबाते हैं और सामाजिक छवि बचाने के लिए जोखिम उठाते हैं। नतीजा यह होता है कि एक अस्थायी समाधान स्थायी मौत में बदल जाता है। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं, बल्कि एक गहरी सामाजिक असफलता है।

भारत में समय-समय पर सामने आने वाली कुछ मौतें सुर्खियों में आ जाती हैं, लेकिन उनसे जुड़ी असहज सच्चाइयों पर समाज अक्सर चुप्पी साध लेता है। होटल के कमरों, निजी फ्लैटों और बंद दरवाजों के पीछे हुई मौतों को संदिग्ध परिस्थितियों कहकर दर्ज कर दिया जाता है और मामला यहीं खत्म मान लिया जाता है। लेकिन सच्चाई यह है कि ऐसी घटनाएं अपवाद नहीं हैं। ये उस समस्या का संकेत हैं, जो देशभर में फैल चुकी है और जिसकी कीमत हज़ारों लोग अपनी जान देकर चुका रहे हैं—बिना चिकित्सकीय सलाह के सेक्सवर्धक दवाओं के बेतहाशा और लापरवाह इस्तेमाल से।

देश में इन दवाओं की उपलब्धता किसी सामान्य टॉनिक की तरह है। मेडिकल स्टोर, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और अनधिकृत चैनलों से ये दवाएं बिना पर्ची, बिना चेतावनी और बिना किसी परामर्श के मिल जाती हैं। न उम्र पूछी जाती है, न पहले से मौजूद बीमारियों का जिक्र होता है, न ही संभावित दुष्प्रभावों की जानकारी दी जाती है। मानो यह दवा नहीं, बल्कि सामाजिक दबाव से निकलने का कोई आसान रास्ता हो। यही आसान रास्ता कई बार सीधे मौत की ओर ले जाता है।

इन दवाओं का असर केवल शारीरिक नहीं होता। हृदय गति, रक्तचाप और नर्वस सिस्टम पर पड़ने वाला प्रभाव किसी भी व्यक्ति के लिए घातक हो सकता है, खासकर तब जब पहले से हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप या अत्यधिक तनाव मौजूद हो। इसके बावजूद इन दवाओं के विज्ञापन मर्दानगी को चुनौती की तरह पेश करते हैं—उम्र को मात देने, क्षमता साबित करने और कमजोरी छिपाने के संदेश खुलेआम परोसे जाते हैं। सवाल यह है कि जब नतीजे जानलेवा हो सकते हैं, तो इस प्रचार की जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा? इस पूरे संकट की जड़ में समाज की वही पुरानी सोच है, जो यौन स्वास्थ्य को आज भी शर्म और चुप्पी के दायरे में रखती है। पुरुषों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे हर हाल में सक्षम रहें, चाहे शरीर साथ दे या नहीं। डॉक्टर से सलाह लेना कमजोरी समझा जाता है, जबकि बिना जांच दवा लेना बहादुरी या समझदारी मान लिया जाता है। यही मानसिक दबाव व्यक्ति को ऐसे फैसले लेने पर मजबूर करता है, जिनकी कीमत जान से चुकानी पड़ सकती है।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि ऐसी मौतों के बाद भी सच्चाई अक्सर सामने नहीं आती। परिवार सामाजिक बदनामी के डर से चुप रहना बेहतर समझता है। मृत्यु प्रमाण-पत्र पर कारण कुछ और लिख दिया जाता है और मामला खत्म हो जाता है। पुलिस के लिए यह एक और प्राकृतिक मौत बन जाती है और सिस्टम आगे बढ़ जाता है।

फीचर

बच्चे की तुलना न करें

अभिभावक होना जितना सुखद होता है, उतना ही मुश्किल भी। अपने बच्चों को कौन सी बात किस तरह समझाना है, इसको लेकर अकसर आप उलझन में पड़ जाते होंगे।

कई बार आप अपने बच्चों को प्यार से समझाते हैं, तो कई बार उन्हें डांट देते हैं। कई बार आप उन्हें अपना ही उदाहरण दोते हैं, लेकिन आपकी बातों का बच्चे पर क्या असर पड़ता है, इसका अंदाजा आप नहीं लगा पाते हैं। इसलिए आपको इन बातों को बच्चों से कहने से बचना चाहिए।

आप बच्चे की तुलना अपने आप से न करें। आप भी जब छोटे थे तो आपमें कई कमियां रही होंगी। उसे अपने बचपन का मजा लेने दें, उसे परफेक्ट चाइल्ड बनाने की जरूरत नहीं है। अपने फैसले खुद लेने से ही बच्चा आगे बढ़ेगा। अगर उसके फैसले गलत साबित होते हैं, तो उससे वह सीखेगा और आगे सही निर्णय लेगा। गलत फैसला लेने के लिए आपकी डांट उसे डराने और आत्मविश्वास कम करने के अलावा कुछ नहीं कर सकती है।

इस तुलना की कोई जरूरत नहीं है। हर बच्चे का विकास अलग-अगल तरीके से होता है। वे अपने अलग-अलग अनुभवों से सीखते हैं। कहीं ऐसा न हो कि हर बात पर बेवजह की तुलना बच्चों में आपस में मतभेद पैदा कर दें।

बेशक आपके पास कई जिम्मेदारियां हैं, जिनसे कभी-कभी आप परेशान हो जाते होंगे और अकेला रहना चाहते होंगे लेकिन आपका बच्चा आपकी परेशानियों से बिल्कुल अनजान है। ऐसे में उससे ऐसा कहना उसके मन पर विपरीत प्रभाव डाल सकता है।ऐसा कहना बच्चे तो क्या किसी बड़े को भी काफी आहत कर सकता है। ऐसे में बच्चों से ऐसा कहना बिल्कुल ठीक नहीं है।

प्रेरणा

ईश्वर हमेशा भक्तों की सहायता करता है

ईश्वर को हम भले ही न देख पाएं लेकिन ईश्वर हर क्षण हमें देख रहा होता है। उसकी दृष्टि हमेशा अपने भक्तों एवं सद्व्यक्तियों पर रहती है। अगर आप गौर करेंगे तो पाएंगे कि जीवन में कभी न कभी कठिन समय में ईश्वर स्वयं आकर आपकी सहायता कर चुके हैं। उस कठिन समय में आपके अंदर भक्ति की भावना उमड़ रही होगी और आप ईश्वर को याद कर रहे होंगे।

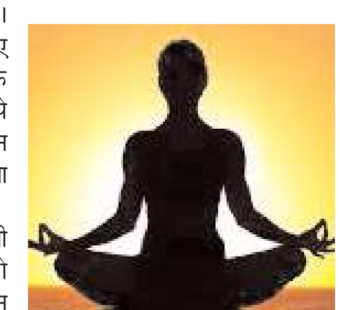

शास्त्रों कहता है कि ईश्वर के लिए संसार का हर जीव उसकी संतान के समान है। जो व्यक्ति उसके बनाये नियमों का पालन करते हुए जीवन यापन करता है ईश्वर उसकी सहायता अवश्य करते हैं।

गजराज की कहानी आपने जरूर सुनी या पढ़ी होगी। नदी में गजराज को मगरमच्छ ने पकड़ लिया। इस कठिन समय में गजराज ने भगवान को पुकारा और भगवान विष्णु प्रकट हो गये। भगवान ने अपने चक्र से मगरमच्छ का सिर काट दिया और गजराज के प्राण की रक्षा की। सूरदास जी के जीवन की भी एक ऐसी ही कथा है।

सूरदास जी देख नहीं सकते थे। एक बार गलती से एक गड्ढे में गिर गये। गड्ढे से निकलने का काफी प्रयास करने पर भी वह बाहर निकलने में असफल रहे। इस स्थिति में सूरदास जी ने गोपाल को पुकारा। भगवान श्री कृष्ण बालक रूप में पहुंच गये और सूरदास जी को गड्ढे से बाहर निकाला। मीरा के प्राण की रक्षा के लिए भगवान ने मीरा को मारने के लिए भेजे गये विष को प्रभावहीन कर दिया।

अपनी बात

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भगोरिया पर्व जनजातीय संस्कृति, प्रेम और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। मध्यप्रदेश सरकार जनजातीय परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है और ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। विरासत को विकास की राह पर ले जाने के संकल्प के साथ इस उल्लासमय पर्व को गरिमा और भव्यता के साथ मनाया गया।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि कब तक झूठ की कहानी बनाकर बरगलाएंगे। उत्तर प्रदेश की पुलिस भी उनको संरक्षण दे रही है। बच्चों के साथ कुकर्म की मेडिकल रिपोर्ट किसकी है, उन बच्चों के साथ कुकर्म किसने की है, यह साबित तो उनको करना होगा। पुलिस अपने मुताबिक जांच कर रिपोर्ट भी लगा रही है।

ब्रीफ न्यूज

मालगाड़ी की टक्कर से ग्रामीण की मौत, विक्षप्त बताया जा रहा था मृतक

गुना। जिले के म्याना रेलवे स्टेशन के पास शनिवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहाँ ट्रेन की चपेट में आने से एक ग्रामीण की मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान दिलीप पुत्र रामभरोसा जाटव (35) निवासी माता मोहल्ला म्याना के रूप में हुई है। घटना शनिवार शाम करीब 4:10 बजे की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक मालगाड़ी गुना से ग्वालियर की ओर जा रही थी, इसी दौरान दिलीप पटरी पर ट्रेन की चपेट में आ गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दिलीप की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। ग्रामीणों और परिजनों के मुताबिक, मृतक पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से विक्षप्त था, जिसके चलते संभवतः वह ट्रेन की आहट नहीं समझ सका। सूचना मिलते ही म्याना थाना पुलिस और रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल गुना भेज दिया है। पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है कि हादसा किन परिस्थितियों में हुआ। इस घटना के बाद से माता मोहल्ला क्षेत्र में शोक की लहर है।

मानवता की मिसाल, ब्लिंक भारत अभियान के तहत गुना में पहला सफल नेत्रदान

गुना। जेसीआई इंडिया के ब्लिंक भारत अभियान के अंतर्गत गुना में समाजसेवा की एक अनुकरणीय मिसाल पेश की गई है। शहर के प्रतिष्ठित जैन स्टोर्स परिवार ने मानवता के प्रति समर्पण दिखाते हुए अपनी दादी स्वर्गीय विमला देवी जी के मरणोपरांत नेत्रदान का साहसिक निर्णय लिया। यह इस अभियान के तहत जिले का पहला सफल नेत्रदान है। विपुल नैनू जैन एवं परिवार के इस पुनीत कार्य से दो दृष्टिबाधित व्यक्तियों के जीवन में नई रोशनी आएगी। जेसीआई परिवार ने जैन स्टोर्स परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एक नेत्रदान दो जिंदगियों में उजाला का संकल्प समाज के लिए प्रेरणादायी है।

नपा में मचे घमासान पर नेता प्रतिपक्ष मुखर

गुना। नगर पालिका परिषद में सत्ता पक्ष के पार्षदों के बीच जारी खींचतान और भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर राजनीति गरमा गई है। नेता प्रतिपक्ष शेखर वशिष्ठ ने कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल को ज्ञापन सौंपकर नपा परिषद में व्याप्त अनियमितताओं की शीघ्र जांच और न्यायिक निराकरण की मांग की है। वशिष्ठ ने कहा कि भाजपा शासित परिषद के पार्षदों के आपसी विवाद, आरोप-प्रत्यारोप और खींचतान ने शहर के विकास को पूरी तरह बाधित कर दिया है। परिषद की बैठकों में हाथापाई की नौबत आना और प्रोसिडिंग जैसे सदन के रिकॉर्ड को बदलकर निर्णय लेना संवैधानिक व्यवस्था का अपमान है। वशिष्ठ ने आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष के पार्षदों द्वारा एक-दूसरे पर लगाए गए भ्रष्टाचार के लिखित दस्तावेजों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ताकि स्थिति स्पष्ट हो सके। उन्होंने शहर की बदहाल स्थिति को रेखांकित करते हुए कहा कि आवारा मवेशियों और श्वानों के आतंक से जनता परेशान है। सफाई व्यवस्था पटरी से उतर चुकी है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान की जिला कार्यशाला आयोजित

प्रशिक्षण कार्यकर्ताओं के वैचारिक, संगठनात्मक और व्यवहारिक विकास का प्रभावी माध्यमः सिंह

सत्ता सुधार ■ गुना

भारतीय जनता पार्टी द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान 2026 के अंतर्गत जिला प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मंत्री एवं जिला प्रभारी राजेंद्र सिंह उपस्थित रहे ।कार्यशाला का शुभारंभ भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण एवं वंदे मातरम् के साथ हुआ ।प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते उन्होंने कहा कि आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी बनी है उसका मूल मंत्र पार्टी द्वारा समय समय पर दिए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम हैं ।उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का संगठन केवल चुनावी गतिविधियों तक

सीमित नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ कार्य करने वाला विचार आधारित संगठन है। संगठन के निरंतर प्रशिक्षण अनुशासन और कार्यकर्ताओं की निष्ठा का परिणाम है की आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक संगठन बन चुकी है। प्रशिक्षण को संगठन की मजबूती का आधार बताते हुए उन्होंने कहा कि मंडल से लेकर बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षित होना आवश्यक है, ताकि वे विचारधारा एवं सरकार की उपलब्धियों को प्रभावी रूप से जन-जन तक पहुंचा सकें।

अध्यक्षीय उद्बोधन में जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार ने कहा कि पार्टी की यात्रा दो सांसदों से प्रारंभ होकर आज इक्कीस राज्यों में सरकार बनाने में सफल हुई है उसका श्रेय पार्टी के हर कार्यकर्ता को जाता है ।प्रशिक्षण के माध्यम से पार्टी की रीति नीति जानने के के साथ व्यक्तित्व विकास के लिए महत्वपूर्ण है ।कार्यशाला के समापन सत्र में महा अभियान के संभागीय संयोजक पूर्व विधायक नरेंद्र बिरथरे ने पीपीटी के माध्यम से पंच परिवर्तन जिसमें सामाजिक समसरता,पर्यावरण संरक्षण,स्वदेशी भाव जागरण,नागरिक कर्तव्य एवं कुटुंब परिवर्तन के बारे में उदाहरण सहित विस्तार से बताया ।प्रशिक्षण कार्यशाला की भूमिका प्रशिक्षण के जिला प्रभारी रवींद्र रघुवंशी टिल्लू ने प्रस्तुत की ।प्रशिक्षण की रूपरेखा जिला उपाध्यक्ष शिवपाल परमार द्वारा पीपीटी के माध्यम से बताई ।इस अवसर पर सह संयोजक मधुसूदन सिंह भदौरिया, गुना विधायक पन्नालाल शाक्य ,चांचौड़ा विधायक श्रीमती प्रियंका पेंची ,नपा अध्यक्ष श्रीमती सविता गुप्ता, जिला मंत्री श्रीमती कुसुमलता कुशवाह,जिला उपाध्यक्ष सुशील दहिफले मंचासीन रहे ,कार्यशाला संचालन महामंत्री संतोष धाकड़ ने किया।

बजरंगगढ़ बायपास पर कड़ा एक्शन एक्सीडेंट के बाद कान्हा धर्मकांटा बंद

जेसीबी से हटाया गया अतिक्रमण

सत्ता सुधार ■ गुना

शहर के बजरंगगढ़ बायपास पर बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं और बेलगाम होते भारी वाहनों की आवाजाही को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। शुक्रवार शाम छात्र रौनक राजपूत के ट्रक की चपेट में आने से हुए गंभीर हादसे के बाद, शनिवार को कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देश पर बड़ी कार्रवाई की गई। मारुति सुजुकी शोरूम के सामने संचालित कान्हा धर्मकांटा (राजेंद्र अग्रवाल गोपाल दाल) को तत्काल प्रभाव से बंद करा दिया गया है।

तहसीलदार ने मौके पर पहुंचकर कराया बंद

कलेक्टर ने ट्रकों की अनियंत्रित भीड़ और सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर कड़ी नाराजगी जताते हुए तहसीलदार गुना नगर जी.एस. बैरवा को सघन जांच के निर्देश दिए थे। शनिवार को तहसीलदार बैरवा ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का

जायजा लिया और जनभावनाओं का सम्मान करते हुए धर्मकांटा संचालकों की सहमति से इसे बंद कराया। इसके साथ ही बीजी रोड बायपास पर सड़क किनारे फैले अस्थाई अतिक्रमण को जेसीबी की मदद से जमींदोज कर दिया गया। तहसीलदार ने स्पष्ट किया कि यातायात को सुगम बनाने और भविष्य में हादसों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए यह कदम उठाना अनिवार्य था।

शुक्रवार की वो दर्दनाक घटना

गौरतलब है कि शुक्रवार शाम को बीजी रोड बायपास पर एक भीषण हादसा हुआ था। कक्षा 9वीं का छात्र रौनक पुत्र मोनू राजपूत स्कूटी से अपने दोस्त के घर जा रहा था, तभी सीएमएचओ कार्यालय के सामने मक्के से भरे एक ट्रक एमपी09-4399 ने उसे कुचल दिया। हादसे में बच्चे का एक पैर बुरी तरह कुचल गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में ग्वालियर रेफर किया गया है। इस घटना के बाद शहरवासियों का गुस्सा फूट पड़ा था। आक्रोशित लोगों ने मारुति शोरूम तिराहे पर जाम लगाकर घंटों नारेबाजी की थी। लोगों का आरोप था कि घनी आबादी वाले इस इलाके में नो एंट्री के बावजूद भारी वाहन बेखौफ दौड़ रहे हैं, जिससे मासूमों की जान जोखिम में है।

प्रशासन की सक्रियता और भविष्य की तैयारी

कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि सड़क सुरक्षा और सुगम यातायात प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ब्लैक स्पॉट्स को चिन्हित कर वहां सुधार कार्य किए जा रहे हैं। शनिवार की कार्रवाई के दौरान तहसीलदार के साथ पुलिस और राजस्व का अमला मौजूद रहा। प्रशासन अब बायपास पर भारी वाहनों की गति सीमा तय करने और अवैध पार्किंग पर पूरी तरह अंकुश लगाने की तैयारी में है।

2 मार्च को होगा होलिका दहन, चंद्र ग्रहण के कारण 4 मार्च को खेली जाएगी धुलेंडी

सत्ता सुधार ■ गुना

रंगों और खुशियों का महापर्व होली इस बार खगोलीय घटनाओं के कारण विशेष रहने वाला है। ज्योतिषाचार्य पंडित सौरभ भार्गव गुना के अनुसार, इस वर्ष होली का त्यौहार बुराई पर अच्छाई की जीत और नई फसल के आगमन के उल्लास के साथ मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि होलिका दहन 2 मार्च, सोमवार को भद्रा दोष से रहित शुभ मुहूर्त में संपन्न होगा। दहन के लिए शाम 6:22 बजे से रात 8:50 बजे तक का समय अत्यंत शुभ है, जबकि देर रात 12:26 से 1:48 तक भी पूजन किया जा सकेगा। श्री भार्गव ने बताया कि होली बसंत ऋतु के आगमन एवं नई फसल की खुशी में मनाया जाता है। यह प्रेम का प्रतीक मन की बुराई को समाप्त करने का त्यौहार भाई चारे का प्रतीक है। होली का त्यौहार राधा-कृष्ण के प्रेम का प्रतीक भी है। ज्योतिषाचार्य सौरभ भार्गव ने विशेष रूप से स्पष्ट किया है कि 3 मार्च को ग्रहण काल होने के कारण धुलेंडी यानी रंगों की होली बुधवार, 4 मार्च को मनाई जाएगी। 3 मार्च को भारत में सुबह 9:30 बजे से ग्रहण का सूतक प्रारंभ हो जाएगा, जो शाम 6:48 बजे तक रहेगा। इस दौरान मंदिरों के पट बंद रहेंगे और पूजा-पाठ व भोजन जैसे कार्य वर्जित होंगे। इसी धार्मिक गणना के आधार पर शहरवासी 4 मार्च को एक-दूसरे को रंग लगाकर भाईचारे का यह पर्व मनाएंगे।

बाजारों में रौनक और बच्चों का उत्साहः होली को लेकर गुना के बाजारों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। सदर बाजार और निचला बाजार रंग-बिरंगे गुलाल और नई-नई डिजाइनों की पिचकारियों से सज गए हैं। बच्चों को लुभाने के लिए बाजार में स्पाइडरमैन और छोटा भीम जैसी कार्टून कैरेक्टर वाली पिचकारियां छाई हुई हैं।

गुना को रिंग रोड की दरकार, नपाध्यक्ष ने सीएम और सिंधिया को लिखा पत्र

शहर में बढ़ते हादसों पर जताई चिंता

सत्ता सुधार ■ गुना

शहर में लगातार बढ़ते सड़क हादसों और यातायात के बढ़ते दबाव को देखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता ने गुना को रिंग रोड की सौगात दिलाने के लिए मोर्चा संभाल लिया है। शनिवार को उन्होंने इस संबंध में केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पृथक-पृथक पत्र लिखकर रिंग रोड निर्माण की स्वीकृति और कार्य शीघ्र शुरू कराने का विनम्र अनुरोध किया है।

सिंधिया को याद दिलाया 2002 का वह संकल्प

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को लिखे पत्र में नपाध्यक्ष ने भावुकता के साथ पुराने संदर्भों का जिक्र किया। उन्होंने स्मरण कराया कि वर्ष 2002 में छात्र संघ चुनाव

के दौरान दो छात्रों की सड़क दुर्घटना में असामयिक मृत्यु हो गई थी। उस समय तत्कालीन छात्र संघ अध्यक्ष प्रीति गुप्ता एवं छात्रों की मांग पर सिंधिया जी ने ही शहर को बायपास की सौगात दी थी। श्रीमती गुप्ता ने पत्र में उल्लेख किया कि वर्तमान में शहर का विस्तार होने और ट्रैफिक बढने के कारण दुर्घटनाओं का ग्राफ फिर से बढ़ गया है, जिसे देखते हुए अब गुना को एक व्यवस्थित रिंग रोड की नितांत आवश्यकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने वाले सिंधिया इस मांग को अवश्य पूर्ण करेंगे।

मुख्यमंत्री से सुरक्षा और सुगम आवागमन की अपीलः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भेजे गए पत्र में नपाध्यक्ष ने गुना नगर पालिका क्षेत्र की गंभीर स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि मुख्य मार्गों पर भारी वाहनों और बढ़ते यातायात के कारण नगरवासियों की सुरक्षा खतरे में है। रिंग रोड न होने के कारण शहर के भीतर जाम और हादसों की स्थिति बनी रहती है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि भाजपा सरकार की विकासोन्मुखी नीतियों के तहत गुना को रिंग रोड की सौगात प्रदान की जाए, ताकि जनता को गंभीर खतरों से निजात मिल सके और आवागमन सुगम हो सके। नपाध्यक्ष श्रीमती सविता अरविंद गुप्ता ने स्पष्ट किया कि यदि रिंग रोड का निर्माण होता है, तो पूरी नगर पालिका परिषद और शहर की जनता शासन की सदैव ऋणी रहेगी।

पुलिस पेट्रोल पंप पर निःशुल्क शीतल पेयजल सेवा प्रारंभ

गुना। पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी के संवेदनशील एवं प्रेरणादायक मार्गदर्शन में गुना पुलिस द्वारा नागरिकों की सुरक्षा के साथ-साथ उनकी सुविधा एवं स्वास्थ्य हितों के लिए निरंतर सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं । इसी क्रम में एएसपी मान सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन एवं डीएसपी मुख्यालय जमीलउद्दीन सिद्दीकी के पर्यवेक्षण में रक्षित निरीक्षक पूजा उपाध्याय के नेतृत्व में पुलिस पेट्रोलपंप प्रभारी सूबेदार अविनाश उमरैया द्वारा गत दिवस जनहित में एक नई पहल करते हुए जिले के पुलिस पेट्रोलपंप पर निःशुल्क शीतल पेयजल की व्यवस्था शुरु की गई । इस दौरान पुलिस पेट्रोलपंप प्रभारी सूबेदार अविनाश उमरैया द्वारा अपने स्टॉफ के साथ पुलिस पेट्रोलपंप पर डीजल/पेट्रोल भरवाने वाले ग्राहकों को शीतल पेयजल वितरित किया गया । इसके साथ ही पुलिस पेट्रोलपंप पर साफ-सफाई व अन्य जरुरी व्यवस्थाओं को भी दुरुस्त करवाया गया।

गोपीसागर बांध में पिता-पुत्र डूबे, बैंक कर्मचारी पिता की मौत, 10 वर्षीय मासूम की हालत नाजुक, भोपाल रेफर

सत्ता सुधार ■ गुना

गुना। शहर के प्रसिद्ध पिकनिक स्पॉट गोपीसागर डैम पर शनिवार को एक हृदयविदारक दुर्घटना घटित हुई, जिसमें एक पिता की पानी में डूबने से मौत हो गई। जबकि उनका मासूम बेटा जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा है। मृतक की पहचान भुल्लनपुरा निवासी 40 वर्षीय राजेश साहू के रूप में हुई है, जो एक निजी बैंक के लोन विभाग में कार्यरत थे। घटनाक्रम के अनुसार, राजेश अपने 10 वर्षीय पुत्र भविष्य साहू के साथ दोपहर के समय डैम पहुंचे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्होंने बांध के किनारे अपनी बाइक खड़ी की और फिर जलाशय की ओर चले गए। कुछ ही देर बाद बोट क्लब के कर्मचारियों की नजर पानी में डूब रहे दो लोगों पर पड़ी। कर्मचारियों ने तत्परता दिखाते हुए नाव के जरिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और कड़ी मशक्कत के बाद दोनों को पानी से बाहर निकाला।

हालांकि, तब तक राजेश साहू की सांसें थम चुकी थीं। बालक भविष्य की हालत अत्यंत गंभीर देख उसे तत्काल जिला अस्पताल लाया गया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए भोपाल रेफर कर दिया है। धरनावदा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। धरनावदा थाना प्रभारी एसआई प्रभात कटारे के मुताबिक, मामला संदेहास्पद है और अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह हादसा पैर फिसलने की वजह से हुआ या पिता-पुत्र ने स्वयं पानी में छलांग लगाई। पुलिस परिजनों के बयान और घटनास्थल के साक्ष्यों के आधार पर जांच को आगे बढ़ा रही है। राजेश अपने पिता से मिलने के बाद बेटे को घुमाने डैम ले गए थे, लेकिन इस सैर का अंत इतनी बड़ी त्रासदी के साथ होगा, इसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी। इस घटना के बाद से भुल्लनपुरा क्षेत्र में मातम पसरा हुआ है।

300 किमी पीछा कर दबोचा 18 पहिया कंटेनर पकड़ा, मोनू मानेसर ग्रुप के सदस्यों ने की कार्रवाई

गुना में गौ-रक्षकों का महा-ऑपरेशन, बूचडख़ाने ले जाई जा रही 70 गायें मुक्त

सत्ता सुधार ■ गुना

गुना जिले में शनिवार की तड़के गौ-तस्करी के खिलाफ एक ऐसी कार्रवाई हुई, जिसने फिल्म के किसी रोमांचक दृश्य की याद दिला दी। धरनावदा थाना अंतर्गत रूठियाई चौकी क्षेत्र में खड़ेश्वरी मंदिर के पास पांच राज्यों के गौ-सेवकों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए अवैध रूप से गोवंश से भरे एक विशाल 18 पहिया कंटेनर को पकड़ा। इस साहसिक अभियान में करीब 70 गायों को मौत के मुंह से खींचकर सुरक्षित गौशाला पहुँचाया गया है। इस ऑपरेशन की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि झालावाड़, मथुरा, धौलपुर और गाजियाबाद के गौ-रक्षकों ने इस कंटेनर का लगभग 300 किलोमीटर तक लगातार पीछा किया। करीब

तीन घंटे तक तस्करों और गौ-रक्षकों के बीच चले जबरदस्त संघर्ष और मुठभेड़ जैसी स्थितियों के बाद, गौ-भक्तों ने ट्रक को चारों ओर से घेरकर उसे रुकने पर मजबूर कर दिया। जानकारी के अनुसार, यह विशाल कंटेनर गायों को क्रूरतापूर्वक भरकर महाराष्ट्र के बूचडख़ानों में ले जा रहा था।

तड़के 4 बजे खड़ेश्वरी मंदिर के पास घेराबंदीः घटनाक्रम के अनुसार, शनिवार 28 फरवरी की सुबह करीब 4 बजे जब पूरी दुनिया सो रही थी, तब गौ-सेवक अपनी जान जोखिम में डालकर तस्करी के इस बड़े खेल को नाकाम करने में जुटे थे।

गौ-रक्षकों को सूचना मिली थी कि एक बड़े कंटेनर एमपी 07 एचबी 5964 में भारी मात्रा में गौवंश ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही अलग-अलग जिलों के गौ-सेवकों की टोलियां सक्रिय हुई और रूठियाई चौकी क्षेत्र के खड़ेश्वरी मंदिर के पास घेराबंदी कर दी गई। इस पूरी कार्रवाई में देश का चर्चित गौसेवा दल मोनू मानेसर ग्रुप के सदस्य विनीत झालावाड़, कल्लू धौलपुर, नितिन, सुमित राणा गाजियाबाद सहित बड़ी संख्या में गौभक्तों ने मोर्चा संभाला। इन युवाओं ने झालावाड़ से ही ट्रक का पीछा करना शुरू किया था और राजस्थान से लेकर मध्यप्रदेश की सीमा तक करीब 300 किमी के सफर में कई बार तस्करों ने उन्हें चकमा देने की कोशिश की, लेकिन गौ-भक्तों के अडिग संकल्प के आगे तस्करों की एक न चली।

पुलिस के हवाले किया ट्रक, सुरक्षित स्थान पर पहुँचा गौवंशः ट्रक को पकडने के बाद तत्काल कैंट पुलिस और स्थानीय प्रशासन को सूचित किया गया। पुलिस की मौजूदगी में जब 18 पहिया कंटेनर का दरवाजा खोला गया, तो अंदर का दृश्य हृदयविदारक था।

म्याना में बच्चा चोर के संदेह में 5 महिलाएं पकड़ीं

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले के म्याना थाना क्षेत्र अंतर्गत संजयग्राम में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया, एक महिला को बच्चा चोर समझकर पकड़ लिया। भारी हंगामे और घेराबंदी के बीच सूचना मिलते ही म्याना पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को सुरक्षित थाने लेकर आई। पुलिस की कड़ी पूछताछ में महिला ने बताया कि वह अकेली नहीं है, बल्कि उसके साथ ग्वालियर की चार अन्य महिलाएं भी क्षेत्र में सक्रिय हैं। महिला की सूचना पर उसकी अन्य साथियों को भी थाने बुलाया गया। प्रारंभिक जांच में महिलाओं के पास से भारी मात्रा में घी बरामद हुआ, जो प्रथम दृष्टया मिलावटी पाया गया है। महिलाएं गांव-गांव जाकर असली घी के नाम पर इस मिलावटी घी को बेचने का काम कर रही थीं। पुलिस ने बताया कि पकड़ी गई पांचों महिलाएं ग्वालियर की रहने वाली हैं। उनके आधार कार्ड के आधार पर पते की पुष्टि की जा रही है और ग्वालियर के संबंधित थानों से उनके आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी भी मांगी गई है। हालांकि ग्रामीण उन्हें बच्चा चोर समझ रहे थे, लेकिन अब तक की जांच में मामला मिलावटी घी की धोखाधड़ी का प्रतीत हो रहा है।

मेरी आंखें आकर्षक नहीं..., मेरे होंठ मोटे हैं, मेरी त्वचा में चमक नहीं, मेरा कोई काम ठीक से नहीं हो पाता, मैं अपनी बात सही तरीके से रख नहीं पाती, वगैरह-वगैरह बहुत सारी चिमगुईयां हमारे आसपास घूम-घूम कर अंदर तक चस्पा हो जाती हैं। यह हमारी स्वाभाविक प्रवृत्ति है कि अपने व्यक्तित्व का नकारात्मक पक्ष हमें बहुत जल्दी नजर आता है।

मान लो तुम खूबसूरत हो!

अनुजा ने बचपन से ही डॉक्टर बनने का सपना देखा था और उसने अपना सपना सच भी कर दिखाया। मात्र 28 वर्ष की उम्र में वह अपने छोटे से शहर के काबिल डॉक्टरों में से एक है। लेकिन एक बात उसे कुंठित करती है, अपने दूसरे साथियों की तरह वह विदेश नहीं जा सकीं। बार-बार इस बात को लेकर वह दुखी रहती है। अंशु बीए. फाइनल की छात्रा है, साहित्य की पैठ रखने वाली अभिरुचि संपन्न। दोस्त, परिचित सभी उसके प्रशसंक हैं। लेकिन अपनी साँवली रंगत की वजह से वह खुद को बदसूरत समझती है। यहां तक कि वह अपने बहुत करीबी दोस्तों की पार्टियों में भी नहीं जाती। जब कोई परिवारजन या आस-पड़ोसी अंशु की प्रशंसा करते हैं तो उसे लगता है वे उसके साँवले रंग का मजाक उड़ा रहे हैं। कोकिल कंठी तीखे नयन नक्श वाली, फिर भी मन से हारी।

जिंदगी से शिकवा न करें

अनुजा और अंशु की तरह ही कई लड़कियां अपने व्यक्तित्व व करियर को लेकर हमेशा हीनभावना में रहती है। अक्सर ऐसे लोगों को शिकायत होती है कि सबसे ज्यादा परेशानियां, समस्याएं, चिंताएं जिंदगी ने उन्हें ही दी है। ज्यादातर लोग सिर्फ अपनी कमजोरियों को ही याद रखते हैं। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार अपनी आलोचना से हमारा मनोबल तो गिरता ही है। अंदर ही अंदर आत्महीनता की ग्रंथियां हमारी निराशावादी सोच को कब बढ़ावा देती चली जाती है पता ही नहीं चलता। अक्सर हमारे सोचना का तरीका हमारे माहौल से प्रभावित होता है। हमारे विकास की प्रि या हमारी सोच को सबसे ज्यादा प्रभावित करती है, पर इस नकारात्मक प्रभाव से व्यक्तित्व को मुक्त कर पाना इतना भी मुश्किल नहीं है। किसी भी क्षेत्र में सफलता अर्जित करने के लिए सबसे जरूरी है कि हम अपनी क्षमताओं तथा विश्वास को जानें और समझें। स्वयं की खूबियों का आकलन करने के लिए आत्मनिरीक्षण का सबसे अच्छा यही तरीका है। जरूरी है कि बखूबी इसे ईमानदारी से किया जाए। आत्मनिरीक्षण के बाद अगर आपको खुद में कोई कमी नजर आती है तो हीनभावना लाने के बजाए यह देखें कि आप कौन सा कार्य सबसे अच्छे ढंग से कर सकती हैं। अपनी रुचि संपन्नता को शनैः-शनैः संवारें। जीवन में आगे बढ़ने के लिए महत्वाकांक्षी होना जरूरी है, पर इसका मतलब यह नहीं कि आपकी शत-प्रतिशत इच्छाएं पूरी हों। अति महत्वाकांक्षी होना आत्मघाती है। फैटेंसी में रहने की आदत यदि आपमें है, तो धीरे-धीरे इसे छोड़ दीजिए। अपनी उपलब्धियां, छोटी-छोटी सफलताओं, उन्नत पायदानों पर चलने की ललक को महसूस करना, एक ऐसी कला है, जो मन को असीम संतुष्टि से भर देती है।

सफलता के सही मायने

सफलता का अर्थ यह बिलकुल नहीं होता कि आप ढेर सारा धन कमाएं और बड़े से बड़े बंगले में रहें। इसका अर्थ है कि प्रतिदिन आपने उस लक्ष्य को पाने की चेष्टा की है जिसे आपने अपने लिए चुना है, जिसे आप अपने व्यक्तित्व के योग्य समझती हैं। लक्ष्य कैसा भी हो, वह हमारे अस्तित्व को अर्थ देता है।

करियर में सफल होने के लिए अच्छी पढ़ाई, अच्छी परवरिश का काफी महत्व है। परंतु ऐसा भी हो सकता है कि किसी कारण से बचपन में आपको अच्छी परवरिश नहीं मिली हो, कई अन्य सुविधाओं से आप वंचित रही हैं। इसका अर्थ यह तो नहीं कि अब कुछ नहीं किया जा सकता।

साहित्यकार सारा देसाई का मानना है कि, अगर आप महान व्यक्तियों की आत्मकथा पढ़े तो पाएंगे कि सारी विषम परिस्थितियों के बावजूद जीवन को बेहतर बनाया जा सकता है। जरूरत है स्वयं को सकारात्मक दृष्टिकोण से देखने की।

अपने गुणों को पहचानें

यदि कोई आपके व्यक्तित्व पर नकारात्मक टिप्पणी करता है, तो उसे भूल जाएं। बेहतर यह होगा कि आप सिर्फ वैसे ही लोगों से दोस्ती करें या करीबी संबंध बनाएं जो आपकी खामियों के जि के साथ खूबियों की भी सराहना करें। आशावादी व्यक्ति का साथ हर नजरिए से अच्छा है। निराश व्यक्ति का साथ निराश ही बनाएगा। अगर कोई आपके लिए कुछ करता है तो खुले दिल से उसे धन्यवाद दें। दूसरों के अच्छे गुणों की प्रशंसा कीजिए। ये नन्ही-नन्ही हीर कनियों सी बातें ही जीवन को चमकीला बनाती हैं। जैसे व्यवहार की आप दूसरों से अपेक्षा करती हैं, दूसरों के साथ भी वैसे ही पेश आइए। कभी कोई बात मन को छू जाए, कोई प्रशंसा मधुर एहसास दे जाए, जब बड़ों के आशीर्वाद आपको सहज मिल जाएं तो कहीं नोट कर लें। अपनी उपलब्धियों..., अच्छी स्मृतियों..., रिश्तों की गहरी जड़ों... पारिवारिक दु:ख-सुख की तहरीरों... माता-पिता के कारुण्य भाव या उनके डाँटने के उन पलों को और महत्वपूर्ण गुणों को डायरी में लिखें।

अगली बार जब भी नकारात्मक या निराशावादी विचार आप पर हावी होने लगे तो अपनी डायरी पढ़िए। आप पाएंगी कि आपका तनाव कम हो रहा है। जब आपको एहसास होता है आपके जीवन में अच्छी चीजें हैं और आपका ख्याल रखने वाले लोग भी हैं तो जीवन और भी आसान और सुंदर हो जाता है। इसे व्यावहारिक जीवन में उतारकर देखिए, आपको सब कुछ आसान लगेगा। जीवन में सफलता पाने के लिए यह जरूरी है कि आप अपनी खूबियों और खामियों को पहचानते हुए अपना लक्ष्य निर्धारित करें।

गर्मियों के मौसम में कैसे रखें अपना ख्याल

- जहां तक संभव हो सके, ताजे भोजन को ही तरजीह दें। ज्ञात रहे इस मौसम में सब्जी, दालें जल्दी खराब हो जाती हैं। अतः ठंडा एवं बासी भोजन आपका स्वास्थ्य खराब कर सकता है।

गर्मियों के मौसम में कैसे रखें अपना ख्याल

- जहां तक संभव हो सके, ताजे भोजन को ही तरजीह दें। ज्ञात रहे इस मौसम में सब्जी, दालें जल्दी खराब हो जाती हैं। अतः ठंडा एवं बासी भोजन आपका स्वास्थ्य खराब कर सकता है।
- ज्यादा मात्रा में चाय या कॉफी को महत्व न देते हुए नींबू की मीठी शिकंजी, कच्चे आम का पना, मट्ठा (छाछ), गन्ने के रस को प्राथमिकता दें। इससे आपको ऊर्जा तो मिलेगी ही आप शीतलता का अहसास भी करेंगे।
- कैरी पने के सेवन से लू से भी बचा जा सकता है। याद रहे, फ्रीज के ठंडे पानी के बजाए मटके का ठंडा पानी ही पिएं।
- कम से कम दिन में 5-6 बार ठंडे पानी से अपने चेहरे पर छींटें मारें। इससे आपकी आंखें स्वस्थ रहेंगी।

हेयर ड्रायर का ऐसे करें इस्तेमाल

यूं तो हेयर ड्रायर का इस्तेमाल गीले बालों को सूखाने और उन्हें सेट करने में किया जाता है, लेकिन इसके और भी कई यूज हैं। जिन्हें अपनाकर आप परेशानियों से बच सकती हैं।

नेल पेंट सूखे फटाफट– अगर नेल पेंट सुखाने की जल्दबाजी हो, तो ऐसे में आप हेयर ड्रायर से तेजी से नेल पेंट सूखा सकती हैं।

कान में पानी जाने पर – अकसर नहाते या बाल धोते समय कान में पानी चला जाता है, जिससे बहुत अनकंफर्टेबल फील होता है। इसके लिए भी हेयर ड्रायर बड़े काम की चीज है। इस स्थिति में आप हेयर ड्रायर की गर्म हवा से कान में मौजूद पानी सूखा सकते हैं।

जब गिली हो जाए ड्रेस – अगर आपको पार्टी में जाना है और कपड़ों पर पानी गिर गया है। आपके पास ड्रेस चेंज करने का वक्त नहीं है ऐसे में हेयर ड्रायर यूज कर सकती हैं, जो मिनटों में ड्रेस को सूख देगा।

पेंटिंग के लिए बेस्ट – आपने बेहद खूबसूरत पेंटिंग बनाई है, लेकिन कैनवास पर बनी यह पेंटिंग सूखी नहीं है, तो ऐसे में भी आप हेयर ड्रायर का इस्तेमाल कर सकती हैं। दरअसल, वाटर कलर्स सूखने में लंबा वक्त लेते हैं। आप ग्लास पेंटिंग को भी हेयर ड्रायर से सूखा सकती हैं।

डिश गर्म करें – इतना ही नहीं इससे आप डिशेज भी गर्म कर सकती हैं। गाजर के हलवे जैसी डिश चुटकियों में इससे गर्म होगी और उसमें से भीनी–भीनी खुशबू आने लगेगी।

कीड़े–मकोड़े भगाएं– आपको छिपकली या मकड़ी से डर लगता है, तो हेयर ड्रायर इन्हें भी भगा सकता है। इन्हें भगाने के लिए हेयर ड्रायर यूज करें। दरअसल, हेयर ड्रायर की गर्म हवा से कीड़े–मकोड़े भाग जाते हैं।

अपने रिश्तों की कद्र कीजिए

आपके अपने जो हमेशा आपके आस-पास सुविधा और सुरक्षा का घेरा बनाकर आपको कंफर्ट जोन में रखे रहते हैं, आप बड़ी आसानी से उनके प्रयासों को नजरअंदाज कर जाते हैं। यह सोचकर कि यह तो उनका कर्तव्य है। आपकी नजरों में उनकी अहमियत ही नहीं होती।

अपने किसी एक करीबी रिश्ते की अहमियत समझने और उसकी कद्र करने की हम कई बार जरूरत ही नहीं समझते। इसके उलट कई बार हम उस व्यक्ति को या उसके प्रयासों को नजरअंदाज करने के साथ ही उसके प्रति कठोर तथा नकारात्मक रुख भी अख्तियार कर लेते हैं। देर रात को भी बिना किसी शिकायत के मेरी मनपसंद सब्जी के साथ मेरी राह देखती मां की सबसे ज्यादा कीमत मुझे अब समझ में आती है। वाकई कितना आसान था उस समय उसे यह कह देना कि- मैं तो बाहर से खाकर आया हूं। आज नौकरी के चलते पहली बार घर से दूर आया हूं। यहां अपने कपड़े खुद धो रहा हूं और रोज बाहर का कच्चा-पक्का खा रहा हूं, तब समझ में आ रहा है कि मां को वो इंतजार और उसके बाद मिलने वाला मेरा जवाब कितना चुभता होगा पर उसने कभी शिकायत नहीं की। इस बार सबसे पहले घर जाकर मां से अब तक के किए की माफी मांगूंगा। ऐसा कहते हुए 26 वर्षीय रोहन की आंखें नम हो जाती हैं। घर से पढ़ाई के लिए निकले किसी युवक की ये भावनाएं बिलकुल भी नई नहीं हैं। असल में आपके अपने जो हमेशा आपके आस-पास सुविधा और सुरक्षा का घेरा बनाकर आपको कंफर्ट जोन में रखे रहते हैं, आप बड़ी आसानी से उनके प्रयासों को नजरअंदाज कर जाते हैं। यह सोचकर कि यह तो उनका कर्तव्य है। आपकी नजरों में उनकी अहमियत ही नहीं होती।

ऐसा ही एक और सामान्य उदाहरण उस पति का भी हो सकता है जिसकी पत्नी सालों से उसकी दिनचर्या के हिसाब से उसे भोजन पकाकर देने, ऑफिस के लिए अलमारी से कपड़ों के साथ-साथ मैचिंग रूमाल निकालकर रखने, हर महीने में दी गई धनराशि में घर खर्च चलाने, बच्चों को स्कूल लाने-छोड़ने से लेकर बिजली का बिल भरने तक का काम बिना किसी शिकायत के कर रही है और गाहे-बगाहे अचानक आ टपके उसके दोस्तों की मेहमाननवाजी भी वह थोड़ी चिढ़ या खीज के बाद कर देती है लेकिन पति को तब पत्नी की अहमियत समझ नहीं आती।

इस पर भी कभी-कभी सब्जी में नमक कम है या शर्ट की बटन अब तक नहीं टांकी जैसे जुमले बोलकर... दफ्तर का गुस्सा या अपनी खीज पतिदेव उस पर उतार डालते हैं। यह बात पति या पुत्र या किसी भी एक व्यक्ति की नहीं है...। इस उदाहरण में किसी स्त्री का भी नाम हो सकता है। मुख्य बात यह कि अपने किसी एक करीबी रिश्ते की अहमियत समझने और उसकी कद्र करने की हम कई बार जरूरत ही नहीं समझते। इसके उलट कई बार हम उस व्यक्ति को या उसके प्रयासों को नजरअंदाज करने के साथ ही उसके प्रति कठोर तथा नकारात्मक रुख भी अख्तियार कर लेते हैं। श्रवण शक्ति कमजोर हो चुकने के बाद बुजुर्ग पिता का जोर से बोलना आपकी चिढ़ का कारण बन जाता है लेकिन उस समय आप ये भूल जाते हैं कि ये वही पिता हैं, जो बुखार आने पर रात-रातभर आपके सिरहाने बैठे रहे थे या आपके एक महंगे खिलौने की मांग पर जिन्होंने अपने वेतन से अग्रिम लिया था। या फिर किसी पार्टी में पत्नी की साधारण वेशभूषा आपके गुस्से का कारण बन जाती है जबकि पत्नी आपके द्वारा दी गई सीमित धनराशि में पूरे घर का खर्च चलाती है और पिछले कई सालों से बाकी खर्चों के चलते अपने लिए साड़ियां लाना टालती जा रही है। क्या मतलब रहे अगर वक्त गुजर जाने के बाद आपको अपनों की कीमत समझ आए तो इसलिए अपनों की इस अनमोल पूंजी को सहेजकर रखिए। वैसे भी आपके अपने आपसे सिर्फ प्रेम की आस रखते हैं और कुछ नहीं। नए और चमक से भरे रिश्ते अक्सर समय के साथ अपनी चमक खो देते हैं जबकि दिल से बने प्रेम व अपने से रिश्ते कठिन समय में भी आपके साथ बने रहते हैं। इसलिए सच्चे रिश्तों तथा मन से जुड़े लोगों का मोल पहचानना बहुत जरूरी है।

'लैला मजनू' के लिए तृप्ति ने लिया था कम मेहनताना

तृप्ति डिमरी आज के समय में बॉलीवुड का एक बड़ा नाम है। उन्होंने कम समय में फिल्म इंडस्ट्री में खूब पहचान बना ली है। आज उनके पास किसी भी चीज की कोई कमी नहीं है। उत्तराखंड से ताल्लुक रखने वाली तृप्ति ने अपना फिल्मी करियर साल 2017 में आई श्रीदेवी की फिल्म 'मॉम' से एक छोटे से रोल से शुरू किया था। पहली फिल्म में तृप्ति का स्क्रीनटाइम सिर्फ कुछ मिनटों का ही था।

बतौर लीड एक्ट्रेस उनकी पहली फिल्म 'पोस्टर बॉयज' थी, जो साल 2017 में ही आई थी। श्रेयस तलपड़े, सनी देओल, बॉबी देओल, सोनाली कुलकर्णी, रणधीर राय और समीक्षा भटनागर इस फिल्म का हिस्सा थे। इतने कलाकार होने के बावजूद यह कॉमेडी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई थी और बुरी तरह फ्लॉप साबित हुई थी। तृप्ति को असली पहचान साल 2018 की फिल्म 'लैला मजनू' से मिली थी।

इम्तियाज अली और साजिद अली की फिल्म 'लैला मजनू' में तृप्ति को काफी पसंद किया गया था। इस फिल्म के जरिए वह हर तरफ छा गई थीं, लेकिन क्या आप यह जानते हैं कि इस फिल्म के लिए उन्हें फीस कितनी मिली थी। आज के समय में तृप्ति की गिनती बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में होती है। वह किसी फिल्म के लिए करोड़ों रुपये चार्ज करती हैं। इन दिनों वह अपनी लेटेस्ट रिलीज फिल्म 'ओ रोमियो' को लेकर चर्चा में चल रही हैं, जिसमें वह शाहिद कपूर के साथ दिखी हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म के लिए उन्हें 6 करोड़ रुपये की फीस मिली है। हालांकि, लैला मजनू के लिए उनकी फीस काफी कम थी।

रिपोर्ट्स में ऐसा बताया जाता है कि 'लैला मजनू' के लिए तृप्ति को 25 लाख रुपये मिले थे। वह इस पिक्चर में अविनाश तिवारी के साथ नजर आई थीं। दोनों की जोड़ी पर्दे पर ऑडियंस को काफी पसंद आई थी। अब भी यह फिल्म लोगों के दिलों में बसती है। 'लैला मजनू' के बाद वह 'कला', 'बुलबुल' जैसी बेहतरीन फिल्मों में दिखीं। साल 2023 में वह रणबीर कपूर के साथ 'एनिमल' में नजर आईं। इस फिल्म से भी उन्हें अच्छी-खासी पॉपुलैरिटी हासिल हुई।

बता दें तृप्ति डिमरी आज 32 साल की हो चुकी हैं। एक्ट्रेस का जन्म 23 फरवरी 1994 को उत्तराखंड के गढ़वाल में हुआ था, लेकिन, उनकी परवरिश और पढ़ाई-लिखाई दिल्ली में हुई थी। उनके पिता दिनेश डिमरी 'रामलीला' के कलाकार रहे हैं और इस वजह से शुरू से ही तृप्ति का भी झुकाव एक्टिंग की तरफ था। आगे जाकर उन्होंने मॉडलिंग का काम किया और फिर अभिनेत्री फिल्मी दुनिया में आ गईं थीं।

8 साल के करियर में तृप्ति ने एनिमल, पोस्टर बॉय, बुलबुल, लैला मजनू, कला, बैड न्यूज, भूल भुलैया 3 जैसी फिल्मों में काम किया है। इन दिनों वह फिल्म 'ओ रोमियो' में नजर आ रही हैं। जबकि वह अपकमिंग फिल्म 'स्पिरिट' में तेलुगु सुपरस्टार प्रभास के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म 2027 में रिलीज होगी।

बड़े और छोटे पर्दे पर धाक जमाने वाली अमृता

23 नवंबर 1984, को महाराष्ट्र की सांस्कृतिक राजधानी पुणे के अजीत और गौरी खानविलकर के मध्यवर्गीय महाराष्ट्रियन परिवार में पैदा होने वाली मराठी, हिंदी फिल्म और टेलीविजन एक्ट्रेस अमृता खानविलकर का परिवार साल 1993 के मुंबई हमलों के बाद, पुणे चला गया। अमृता ने पुणे के कर्नाटक हाई स्कूल में पढ़ाई की और मराठवाड़ा मित्र मंडल कॉलेज ऑफ कॉमर्स से स्नातक किया। उनकी एक छोटी बहन है, जिसका नाम अदिति है और वह एक एयर होस्टेस है। अमृता ने कम उम्र से ही फिल्म अभिनेत्री बनने की ख्वाहिश अपने दिल में पाल रखी थी।

महज 20 साल की उम्र में उन्होंने टेलीविजन शो इंडियाज बैस्ट सिनेस्टार्स की खोज (2004) में एक प्रतियोगी के रूप में अपना करियर शुरू किया। उसी साल वह फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा प्रस्तुत हिंदी में बनी शॉर्ट फिल्म सांझ (2004) में नजर आईं। साल 2005 में उन्होंने दो हिंदी टीवी शोज एडीए (2005) और टाइम बम 9/11 (2005) किए। अमृता खानविलकर ने फिल्म गोलमाल (2006) के साथ मराठी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया।

इसके बाद वह पहली हिंदी फिल्म मुंबई सालसा (2007) में नजर आईं। इस फिल्म में उन्होंने मंजरी फडनीस के किरदार की एक कामुक फ्लैटमेट की भूमिका निभाई। उसके बाद उन्होंने साडे माडे

तीन (2007), गैर (2009), शाला (2011), फक्त लाढ म्हणा (2011), झकास (2011), सतरंगी रे (2012), बाजी (2015), एक दूजे के लिए (2015), वन वे टिकिट (2016), बस स्टॉप (2017), अनी... डा काशीनाथ घाणेकर (2018), रामपाल (2019), वेलडन बेबी (2021), चंद्रमुखी (2022), हर हर महादेव (2022) और अटैचड (2023) जैसी मराठी फिल्में कीं। फिल्म चंद्रमुखी (2022) 50 दिन से ज्यादा थिएटर में टिकी रही। रीजनल सिनेमा को इस तरह की सफलता यदा-कदा ही देखने को मिलती है।

हर हर महादेव (2022) में छत्रपति शिवाजी के कमांडर बाजी प्रभु देशपांडे की मुख्य भूमिका निभा रहे शरद केलकर की पत्नी सोनाबाई देशपांडे की भूमिका के लिए अमृता के काम की खूब प्रशंसा हुई। मराठी फिल्मों के साथ-साथ अमृता ने हैट्रिक (2007), कॉन्ट्रैक्ट (2008), फूंक (2008), फूंक 2 (2010), फिल्म सिटी (2010), डिम्पलवाला (2013), रंगून (2017), राजी (2018), सत्यमेव जयते (2018) और मलंग (2020) जैसी हिंदी फिल्में कीं। डिम्पलवाला (2013) में जहां अमृता ने धोका धोखा... गाने में स्पेशल अपीयरेंस में झलक दी। वहीं वॉर ड्रामा फिल्म रंगून (2017) में उन्होंने महारानी की एक छोटी भूमिका निभाई।

मेघना गुलजार की फिल्म राजी (2018) में अमृता आलिया भट्ट की पाकिस्तानी विधवा भाभी मुनीरा की भूमिका में थीं। इस किरदार में उनकी एक्टिंग बेहद जबरदस्त थी। मिलाप जावेरी द्वारा निर्देशित सत्यमेव जयते (2018) में उन्होंने मनोज बाजपेयी की शरारती पत्नी का किरदार निभाया जबकि मोहित सूरी की एक्शन थ्रिलर मलंग (2020) में वह कुणाल खेमू की परेशान कैथोलिक पत्नी की भूमिका में नजर आई थीं। अमृता ने मराठी की तरह हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी उपस्थिति मजबूती से दर्ज करवाई है। आज वह मराठी, हिंदी फिल्मों सहित टीवी और ओटीटी एंटरटेनमेंट के लगभग सभी माध्यमों में काम कर रही हैं। इस साल की शुरुआत में 14 जनवरी को अमृता खानविलकर इमरान हाशमी के साथ नेटफ्लिक्स पर रिलीज सस्पेंस-थ्रिलर वैब सीरीज 'तस्करी: द स्मगलर्स' में नजर आईं। इस वैब सीरीज के जरिये अमृता खानविलकर की ओटीटी पर धाक जम चुकी है। अमृता शादीशुदा हैं। उन्होंने इंडियाज बैस्ट सिनेस्टार्स की खोज (2004) के सह-प्रतिभागी हिमांशु मल्होत्रा को लगभग एक दशक की डेटिंग के बाद, 24 जनवरी 2015 को दिल्ली में शादी की थी। साल 2022 में, अमृता खानविलकर को फिल्मफेयर पत्रिका के कवर पर दिखाया गया। इस तरह वह फिल्मफेयर पत्रिका कवर की शोभा बढ़ाने वाली पहली मराठी एक्ट्रेस बनीं।

नए कलाकारों के अधिकारों को लेकर निहारिका ने उठाई आवाज

जन्म तिथि
18 दिसंबर, 1993

जन्मस्थान
हैदराबाद

हाल ही में फिल्मफेयर अवॉर्ड साउथ की घोषणा की गई। जहां कई हस्तियों ने अवॉर्ड अपने नाम किया, लेकिन अब इस अवॉर्ड समारोह को लेकर विवाद भी शुरू हो गया है। तेलुगु अभिनेत्री निहारिका कोनिडेला ने अवॉर्ड समारोह में नवोदित कलाकारों को मंच पर बोलने के लिए पर्याप्त समय न दिए जाने पर निराशा व्यक्त की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए इस बात को उठाया कि बैस्ट डेब्यू का अवॉर्ड जीतने वाले कलाकारों को मंच पर बोलने का पर्याप्त समय नहीं दिया गया।

तमिल, तेलुगु और कन्नड़ सिनेमा के न्यूकमर्स के हक में उठाई आवाज

निहारिका कोनिडेला ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने एक स्टेटमेंट जारी किया है, जिसमें एक कथित अवसर की चूक को उजागर किया। खासकर तेलुगु, तमिल और कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री के नए कलाकारों के लिए, जिन्हें मंच पर अवॉर्ड जीतने के बाद स्पीच देने का मौका नहीं दिया गया।

अपने इस स्टेटमेंट में एक्ट्रेस ने लिखा, 'फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में भारतीय सिनेमा की प्रतिभा का जश्न मनाना हमेशा एक यादगार पल होता है। इतनी अद्भुत प्रतिभाओं को एक मंच पर देखना वास्तव में खास था। हालांकि, मुझे इस बात का अफसोस है कि तेलुगु, तमिल और कन्नड़ सिनेमा के नए कलाकारों को बोलने का मौका नहीं दिया गया।'

नए कलाकारों के लिए यह सिर्फ एक मंच नहीं होता

अभिनेत्री ने नए कलाकारों के लिए ऐसे मंचों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि अपने करियर की शुरुआत कर रहे एक कलाकार के लिए, यह मंच महज एक प्लेटफॉर्म नहीं होता, बल्कि उनके सपनों के साकार होने का प्रतीक होता है।

उनकी आवाज सुनकर हम सबको याद आ जाता कि सिनेमा से हमारा प्यार क्यों शुरू हुआ था। इतने बड़े शो में समय की पाबंदी होना लाजमी है, लेकिन पहली बार मंच पर खड़े किसी कलाकार से वह एक मिनट छीना नहीं जाना चाहिए क्योंकि उनके लिए वह एक मिनट जीवनभर के लिए यादगार हो सकता है।

इस फिल्म में नजर आई थीं निहारिका कोनिडेला

हाल ही में कोच्चि में आयोजित हुए फिल्मफेयर अवॉर्ड्स साउथ 2026 में निहारिका ने भी शिरकत की थी। वर्कफ्रंट की बात करें तो निहारिका को आखिरी बार तमिल फिल्म 'मद्रासकारन' में शेन निगम के साथ मुख्य भूमिका में देखा गया था।

> महज 20 साल की उम्र में अमृता ने टैलीविजन शो इंडियाज बैस्ट सिनेस्टार्स की खोज (2004) में एक प्रतियोगी के रूप में अपना करियर शुरू किया। उसी साल वह फिल्म एंड टैलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा प्रस्तुत हिंदी में बनी शॉर्ट फिल्म सांझ (2004) में नजर आईं। साल 2005 में उन्होंने दो हिंदी टीवी शोज एडीए (2005) और टाइम बम 9/11 (2005) किए। अमृता खानविलकर ने फिल्म गोलमाल (2006) के साथ मराठी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया...

'दलदल' में जर्नलिस्ट बनकर सुर्खियों में समारा

12 अगस्त, 1998 को मुंबई में पैदा हुई एक्ट्रेस समारा तिजोरी, 'जो जीता वही सिकंदर' और 'कभी हां कभी ना' जैसी कल्ट क्लासिक फिल्मों के लिए मशहूर एक्टर दीपक तिजोरी और फैशन डिजाइनर शिवानी तिजोरी की बेटी है।

उन्होंने जमनाबाई नरसी स्कूल और अजमेर के मेयो कॉलेज गर्ल्स स्कूल में शुरुआती पढ़ाई प्राप्त करने के बाद मुंबई के सोफिया कॉलेज से साइकोलॉजी में बैचलर ऑफ आर्ट्स की डिग्री ली है।

समारा ने डांस और एक्टिंग की ट्रेनिंग लेने के बाद फिल्म डिशूम (2016) और भूत: पार्ट वन: द हॉन्टेड शिप (2020) के दौरान असिस्टेंट के तौर पर काम किया। उन्हें एक्टिंग में पहला रोल जी 5 पर ऑनस्ट्रीम हुई फिल्म बॉब बिस्वास (2021) में मिला, जिसमें उन्होंने अभिषेक बच्चन की बेटी का किरदार निभाया। उसके बाद साइकोलॉजिकल थ्रिलर वैब सीरीज मासूम (2022) में भी वह नजर आ चुकी हैं।

हाल ही में समारा, भूमि पेडनेकर के साथ अमेजन प्राइम वीडियो की थ्रिलर वैब सीरीज दलदल (2026) में एक ऐसी जर्नलिस्ट के किरदार में नजर आईं, जो नैतिक रूप से उलझी हुई परिस्थितियों में फंस जाती है। सीरीज में उनकी मौजूदगी एक उत्प्रेरक की तरह है।

इस सीरीज के ऑनस्ट्रीम होने के बाद से समारा लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। यदि खबरों की मानें तो समारा इन दिनों धप्पड़ और बाजार जैसी फिल्मों का हिस्सा रह चुके एक्टर रोहन खुराना के साथ लॉन्ग-टर्म रिलेशनशिप में हैं, लेकिन दोनों ने अपनी पर्सनल लाइफ को दुनिया की नजरों से छिपाकर रखा रखा है।

ब्रीफ न्यूज

नगर पालिका द्वारा की जा रही नल काटने की कार्यवाही

अशोकनगर। वित्तीय वर्ष के अंतिम माह नजदीक होने से शासन द्वारा बकाया वसूली की वृद्धि हेतु निरंतर निर्देश दिए जा रहे हैं इसी तारतम्य में नगर पालिका द्वारा जलकर एवं अन्य करों की वसूली हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है गत दिवस सीएमओ विनोद उन्नीतान के निर्देश पर नगर पालिका कर्मचारियों के द्वारा दो नल कनेक्शन काटे गए अब तक कुल आठ लोगों के नल कनेक्शन काटे जा चुके हैं नगर पालिका द्वारा बकाया राशि जमा करने हेतु सभी नागरिकों से अपील की गई है।

बृजेंद्र सिंह ने विधायक निधि से दिए ग्राम पंचायतों को पानी के टेंकर

अशोकनगर। ग्रीष्म ऋतु में बढ़ती जल संकट की समस्या को देखते हुए मुंगावली विधानसभा क्षेत्र के विधायक बृजेन्द्र सिंह यादव ने एक सराहनीय पहल करते हुए विधायक निधि से पानी के टेंकर उपलब्ध कराए। इन टेंकरों को मुंगावली विधानसभा अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं सचिवों को औपचारिक रूप से सौंपा गया, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इस दौरान विधायक बृजेन्द्र सिंह यादव ने कहा कि गर्मी के मौसम में ग्रामीण अंचलों में पानी की समस्या गंभीर रूप ले लेती है। इसे ध्यान में रखते हुए विधायक निधि से टेंकर उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे जरूरतमंद गांवों में समय पर पानी पहुंचाया जा सके। उन्होंने सरपंचों और सचिवों से अपील की कि इन टेंकरों का उपयोग पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ किया जाए, ताकि इसका लाभ वास्तविक जरूरतमंद ग्रामीणों तक पहुंचे। विधायक ने यह भी कहा कि राज्य सरकार ग्रामीणों की मूलभूत सुविधाओं को लेकर लगातार प्रयासरत है और पेयजल जैसी आवश्यक सुविधा के लिए किसी भी स्तर पर कमी नहीं आने दी जाएगी। जिन गांवों में जल संकट अधिक है, वहां प्राथमिकता के आधार पर टेंकरों के माध्यम से जल आपूर्ति कराई जाए। टीला, पिपरिया मल्हारगढ़, सिंघाड़ा, सूरेल, बिल्हेरू, अचलगढ़, कुकरेठा, भटोली, मालवनी, बम्मन खिरिया, जसैया, बर्री, डोंगरा, मुंगावली वार्ड न 5, पिपरई वार्ड न 5 सहित अन्य ग्राम पंचायतो के सरपंच सचिव को जल प्रदाय हेतु टेंकर वितरित किए इस दौरान सरपंच, सचिव, एवं जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

करीला मेले की गरिमा बनाए रखने जिलाधीश को सौंपा ज्ञापन

अशोकनगर। मां जानकी मंदिर करीला मेले की गरिमा बनाए रखने के लिए विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा शनिवार को कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया। रंगपंचमी महोत्सव करीला मेले को लेकर दिए ज्ञापन में मेले के दौरान भक्ति और पारिवारिक वातावरण बनाए रखने हेतु प्रशासन से आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया गया है। ज्ञापन में मांग की गई है कि मेले क्षेत्र में शराब एवं अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री और सेवन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। साथ ही असामाजिक गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए। इसके अतिरिक्त अश्लील एवं कार्यक्रमों पर रोक लगाने तथा धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाले कृत्यों पर सख्त कार्रवाई करने की भी मांग की गई है।

विधायक ने किया शिवना साहित्य द्वारा आयोजित साहित्य महाकुंभ का शुभारंभ

सत्ता सुधार ■ सीहोर

क्रिसेंट रिसोर्ट में शनिवार को विधायक सुदेश राय और श्रीमती अरुणा राय ने माता सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर हिंदी साहित्य भाषा और संस्कृति को समर्पित शिवना साहित्य समागम महाकुंभ का शुभारंभ किया। प्रथम दिवस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए सभी अतिथियों और साहित्यकारों कवियों फिल्मी कलाकारों और बच्चों का तिलक लगाकर विधायक सुदेश राय और श्रीमती अरुणा राय ने स्वागत किया।

उद्घाटन के प्रथम सत्र में वरिष्ठ समाजसेवी अखिलेश राय जगतगुरु पंडित अजय पुरोहित डॉक्टर प्रेम जन्मजय, विकास दवे विधायक सुदेश राय नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर, श्रीमती अरुणा राय, श्रीमती नमिता राय, जितेंद्र मिश्रा, पंकज सुधीर,

यशपाल शर्मा सहित अन्य देशभर से साहित्य महाकुंभ में सम्मिलित हुए प्रतिष्ठित साहित्यकार कभी कथा करो के द्वारा धर्म और साहित्य सिनेमा साहित्य पत्रकारिता कविता कहानी विषय पर मंथन किया।

दो दिवसीय साहित्य महाकुंभ के आयोजन के लिए क्रिसेंट रिसोर्ट में तीन अलग-अलग सभागार बनाए गए हैं जिनके नाम सिद्धपुर सभा मंडप कुंवर चैन सिंह सभागार सिपाही बहादुर सरकार और लीजो हाल शामिल है। महोत्सव के दौरान पुस्तको लोकार्पण और आधी आबादी की आवाज के तहत महिलाओं को लेकर विचार विमर्श किया जाएगा। साहित्य जगत की आठ बड़ी हस्तियां को भी सम्मानित किया जाएगा। साहित्य महाकुंभ का समापन रविवार की शाम पारंपरिक भगोरिया नृत्य के साथ किया जाएगा।

सरपंच प्रतिनिधि, ग्रामीणों की चेतावनी खनिज माफियाओं पर कार्रवाई नहीं हुई तो कलेक्टर को देंगे ज्ञापन

खनिज माफियाओं द्वारा सिंध नदी में मशीन लगाकर बड़ी मात्रा में निकाली जा रही बालू रेत

■ **शिकायत,जानकारी होने के बावजूद पुलिस बल न मिलने का बहाना बनाकर कार्रवाई नहीं कर रहे खनिज अधिकारी**

■ **हिमोनिया - सोनेरा के बीच सिंध नदी पर करीब एक सप्ताह से चल रहा बालू रेत का अवैध उत्खनन**

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

जिले में खनिज माफियाओं के सक्रिय होने, खनिज विभाग की लापरवाही से खदानें सुरक्षित नहीं है, खुलेआम जिले भर की खदानों से मुरम पत्थर, नदी घाटों पर मशीन लगाकर अवैध रूप से बड़ी मात्रा में बालू रेत निकली जा रही है,और ट्रैक्टर ट्राली डंपरों के माध्यम से दिन रात ढुलाई की जा रही है। इतना ही नहीं इस बात की जानकारी खनिज अधिकारी वीरेंद्र वर्मा को होने के बावजूद तथा ग्रामीणों द्वारा लगातार खनिज अधिकारी से शिकायत किए जाने एवं कलेक्टर को ज्ञापन दिए जाने की चेतावनी के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही। बल्कि खनिज अधिकारी पुलिस बल न मिलने का बहाना बनाकर खनिज माफिया को संरक्षण दिए हैं, और कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। इसका फायदा उठाकर खनिज माफिया नदी घाटों पर मशीन लगाकर लगातार बालू रेत निकाल रहे हैं,और दिन-रात ट्रैक्टर ट्राली के माध्यम से ढुलाई कर रहे हैं।

पिछले कई दिनों से ग्राम हिमोनिया और सोनेरा के बीच सिंध नदी से मशीन लगाकर अवैध रूप से बालू रेत निकाली जा रही है,जब इस संबंध में खनिज अधिकारी श्री वर्मा से खनिज माफियाओं पर कार्रवाई की बात की गई, तो उन्होंने कार्रवाई के लिए विभाग के कर्मचारी को थाने भेज कर पुलिस बल लाने की बात कहकर पल्ला झाड़ लिया,और पुलिस बल न मिलने का बहाना बनाकर कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि सलीम खान रामपुर तहसील आरोन जिला गुना, वकील खान रसूलपुर जिला अशोकनगर, अर्पण जैन आरोन जिला गुना, आमिर खान छोटू जीतू रघुवंशी सेमरा सौरभ रघुवंशी खेजरा के द्वारा अवैध रूप से नदी से बालू रेत निकाली, ट्रैक्टर ट्राली से भरकर ले जाई जा रही है।

सरपंच प्रतिनिधि सहित ग्रामीणों ने की खनिज अधिकारी से शिकायत

बालू रेत के अवैध उत्खनन के खिलाफ कार्यवाही करने पिछले दिनों सरपंच प्रतिनिधि देवराज सिंह रघुवंशी ग्राम पंचायत मसीदपुर, ग्रामीणों ने आवेदन देकर खनिज विभाग अधिकारी से शिकायत की जिसमें सिंध नदी ग्राम सोवत, हिंगोनिया में सौरभ पुत्र पप्पू रघुवंशी निवासी खेजरा कलां द्वारा सिंध नदी में पनडुब्बी मशीन डालकर अवैध उत्खनन किया जा रहा है,जो नियम विरूद्ध है। उत्खनन करना पर्यावरण को नुकसान पहुंचाना एवं सरकारी राजस्व की भी चोरी की जा रही हैं। सिंध नदी में पडिब्बी मशीन लगाकर डम्फरों से रेत का खुलेआम कारोबार रेत माफियाओं द्वारा किया जा रहा है और ऊंचे दामों में रेत बेचीं जा रहा है। अगर ग्राम पंचायत में पी.एम.आवास एवं मुख्यमंत्री आवास के निर्माण के लिये एक गरीब व्यक्ति एक ट्राली रेत लाता है तो उसके लिये आपके द्वारा तत्काल कार्यवाही की जाती है, पर आपके सामने सरेआम सिंध नदी हिमोनिया गांव में पनडुब्बी मशीन लगाकर डम्फरों से रेत बेची जा रही है। इनके खिलाफ तत्काल कार्यवाही की जावे। शिकायतकर्ता ग्रामीणों ने चेतावनी देते हुए कहा कि एक सप्ताह के भीतर सिंध नदी से पनडुब्बी मशीन नहीं हटाई गई तो समस्त क्षेत्रवासी एकत्रित होकर इसके खिलाफ कलेक्टर को ज्ञापन देंगे। हालांकि शनिवार को तहसीलदार और पटवारी मौके पर गए हुए थे,उन्होंने बताया कि वहां हम वैसे ही घूमने गए थे, कोई आदमी नहीं मिला,बजरी के ढेर जरूर लगे हुए थे ट्रैक्टर भी खड़े हुए थे। लेकिन कोई काम करते नहीं मिला, हमने एसडीम मैडम को मौखिक रिपोर्ट दे दी है। यही बात हल्का पटवारी ने भी बताई।

इनका कहना है

हम वैसे ही घूमने गए हुए थे, वहां बजरी के ढेर लगे थे, ट्रैक्टर खड़े थे, लेकिन कोई काम करते हुए नहीं मिला,हमने एसडीएम मैडम को मौखिक रिपोर्ट दे दी है।

मुकेश दुबे, नायब तहसीलदार कचनार जिला अशोकनगर।

फर्जी हाजिरी से मनरेगा में खेल!

तारई पंचायत में 10 साल के बच्चे से 70 साल के बुजुर्ग तक दर्शाए गए मजदूर

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

जिले की जनपद पंचायत मुंगावली अंतर्गत ग्राम पंचायत तारई में मनरेगा कार्यों को लेकर गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। आरोप है कि तालाब निर्माण कार्य में बड़े पैमाने पर फर्जी हाजिरी भरकर मजदूरी निकाली जा रही है। ऑनलाइन पोर्टल पर 17, 18 और 19 फरवरी को करीब 202 मजदूरों की उपस्थिति दर्ज दिखाई गई, जबकि शुक्रवार को मौके पर जाकर देखने पर एक भी मजदूर कार्य करता नहीं मिला पोर्टल पर 198 मजदूरों की उपस्थिति दर्ज दर्शाई गई है। हैरानी की बात यह है कि जिन स्थानों की फोटो अपलोड की गई हैं, वे वास्तविक कार्यस्थल से मेल नहीं खातीं। कहीं स्कूल के पीछे कुछ लोगों की फोटो लगाकर उपस्थिति दर्शाई जा रही है तो कहीं अलग-अलग जगहों की तस्वीरें जोड़कर काम चालू होने का प्रमाण प्रस्तुत किया जा रहा है।

आरोप है कि ऑनलाइन फोटो में 10 साल के बच्चों से लेकर 70 साल तक के बुजुर्गों के फोटो दर्शाए जा रहे हैं ग्रामीणों का कहना है कि फोटो अपलोड की औपचारिकता पूरी करने के लिए कुछ लोगों के सामने मोबाइल रखकर तस्वीर खींच ली जाती है और उसे ऑनलाइन पोर्टल पर कार्यस्थल की उपस्थिति के रूप में दर्ज कर दिया जाता है। इससे संदेह और गहरा हो गया है कि बिना वास्तविक कार्य के ही मजदूरी राशि निकाली जा रही है। सूची में विश्राम कटारिया, रामसखी बाई कटारिया, सुनीता बाई कटारिया, छोटेराम कटारिया, फूल सिंह, मंटू कटारिया, दीपक सिंह, मुल्लो बाई और इंदर सिंह सहित कई अन्य नाम दर्ज बताए जा रहे हैं। ग्रामीणों का दावा है कि इनमें से कई लोग कार्यस्थल पर कभी पहुंचे ही नहीं, फिर भी पोर्टल पर उनकी नियमित उपस्थिति दर्ज की जा रही है। निर्माण स्थल पर जाकर वास्तविक स्थिति देखी तो वहां किसी प्रकार का कार्य होता नहीं मिला। इसके बावजूद ऑनलाइन डिमांड और मस्टर रोल नियमित रूप से भरे जा रहे हैं। इससे यह आशंका जताई जा रही है कि मनरेगा जैसी महत्वपूर्ण योजना में सुनियोजित तरीके से फर्जीवाड़ा किया जा रहा है और मजदूरों के हक की राशि में गड़बड़ी हो रही है। रोजगार सहायक, पंचायत सचिव और सरपंच पर मिलीभगत के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि जनपद स्तर के जिम्मेदार अधिकारी भी निरीक्षण के नाम पर कभी मौके पर नहीं पहुंचते और कार्यालय में बैठकर ही समीक्षा कर लेते हैं। इसी ढिलाई का फायदा उठाकर पंचायत स्तर पर फर्जी हाजिरी का खेल खुलेआम चल रहा है। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

खण्ड पंचायत अधिकारी नर्बदा प्रसाद सूर्यवंशी के सेवा निवृत्त पर खंगराले ने साथियों सहित भावपूर्ण पुष्पमालाऐं पहनाकर दी बिदाई

सत्ता सुधार ■ सीहोर

के.जी.बैरागी वरिष्ठ समाजसेवी एवं पत्रकार तथा अनुसूचित जाति जन जाति पिछड़ा वर्ग अल्पसंख्यक कल्याण परिषद प्रदेश महामंत्री नरेन्द्र खंगराले जाटव दलित चिंतक द्वारा जनपद पंचायत कार्यालय सीहोर पहुंचकर अपने साथियों सहित सेवा निवृत्त हुए नर्बदा प्रसाद सूर्यवंशी खण्ड पंचायत अधिकारी जनपद पंचायत सीहोर के विदाई समारोह में शामिल होकर भावपूर्ण सम्मान विदाई समारोह के अवसर पर पुष्पमालाऐं पहनाकर उनको विदाई दी तथा उनके कार्यकाल के प्रमुख पड़ाव की सराहना करते हुए उनके नेतृत्व में कई प्रमुख उपलब्धियों पर चर्चाऐं की गई तथा उनके स्वास्थ्य एवं सुखद जीवन के लिये कामना की गई। इस अवसर पर प्रमुख रूप से मुख्य कार्यपालन अधिकारी सीहोर नमिता बघेल, अशोक मंगरोलिया खण्ड पंचायत अधिकारी इछावर, गुलाब सिंह अहिरवार, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी सीहोर, कुन्जीलाल सूर्यवंशी शिक्षक तथा जनपद पंचायत कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी कर्मचारी के सहित ब्लाक सीहोर के समस्त सरपंचगण एवं सचिव सहसचिव उपस्थित रहे।

भाजपा की जिला स्तरीय कार्यशाला, प्रशिक्षण महाअभियान का आयोजन

पार्टी की विचारधारा के प्रति समर्पित हो कार्यकर्ताः नरेन्द्र बिरथरे

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान- 2026 के अंतर्गत भाजपा द्वारा शनिवार को एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला एवं प्रशिक्षण महाअभियान का आयोजन स्थानीय राजश्री होटल में किया गया। उक्त आशय की जानकारी देते हुए भाजपा जिला मीडिया प्रभारी डॉक्टर हरवीर सिंह रघुवंशी ने बताया कि कार्यशाला का शुभारंभ पं. दीनदयाल उपाध्याय, भारत माता एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष आलोक तिवारी ने बताया कि जिला प्रशिक्षण के बाद मंडल स्तर के प्रशिक्षण शिविर आगामी समय में चरणबद्ध रूप से आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण वर्ग में पार्टी कार्यकर्ताओं को विचारधारा, रणनीति, सोशल मीडिया और जनसंपर्क को लेकर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण अभियान के माध्यम से बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को संगठन की रीति-नीति, संवाद कौशल, जनसंपर्क के आधुनिक साधन, सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। कार्यशाला में मुख्य वक्ता,संभाग प्रशिक्षण प्रभारी नरेंद्र बिरथरे एवं सह प्रभारी मधुसूदन भदोरिया द्वारा कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया गया। इस दौरान श्री बिरथरे ने कहा कि कार्यशालाओं का मूल उद्देश्य संगठनात्मक सशक्तिकरण,विचारधारा की गहन समझ तथा कार्यकर्ताओं के सतत प्रशिक्षण को नई दिशा प्रदान करना है। कोई भी संगठन केवल पदों और संरचना से मजबूत नहीं होता, बल्कि उसके पीछे कार्यरत प्रशिक्षित, अनुशासित और वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध कार्यकर्ता ही उसकी वास्तविक ताकत होते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का संगठन व्यक्तिनिष्ठ नहीं, बल्कि विचारनिष्ठ है। हमारे लिए राजनीति केवल सत्ता प्राति का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा का संकल्प है। इसलिए आवश्यक है कि प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की मूल विचारधारा, इतिहास, नीतियों और कार्य पद्धति को गहराई से समझें तथा समाज के प्रत्येक वर्ग तक उसे प्रभावी रूप से पहुंचाएं। कार्यशाला को मुंगावली विधायक बृजेंद्र सिंह यादव अशोकनगर के पूर्व विधायक जसपाल सिंह जज्जी ने भी संबोधित किया। संचालन जिला महामंत्री नरेश ग्वाल द्वारा किया गया एवं आभार मंडल अध्यक्ष प्रांजल जैन ने व्यक्त किया। इस दौरान मुंगावली विधायक बृजेंद्र सिंह यादव पूर्व विधायक जजपाल सिंह जज्जी, भाजपा जिला महामंत्री श्रीमती शीला जाटव सहित अपेक्षित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

फाग महोत्सव — संकल्प वृद्धाश्रम में किया गया दूसरे दिन सुंदरकांड का आयोजन

महादेव की होली में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं का होगा स्वागत

सत्ता सुधार ■ सीहोर

हर साल की तरह इस साल भी श्रद्धा भक्ति सेवा समिति के द्वारा शहर के सैकड़ाखेड़ी स्थित वृद्धाश्रम में महादेव की होली महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। लगातार सात दिनों तक आश्रम और केन्द्र के द्वारा फाग महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। वहीं पांच मार्च को महादेव की होली में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के लिए स्लपहार की व्यवस्था की जाएगी। आश्रम में दोपहर में समिति की ओर से सुंदरकांड का आयोजन किया गया। जिसमें मानस मंडल ने भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में उज्जैन शनि मंदिर के पुजारी सचिन त्रिपाठी और पंडित सुनील पाराशर ने यहां पर निवासरत लोगों को होली पर्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी और आगामी पांच मार्च को महादेव होली महोत्सव में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं का स्वागत और सम्मान करने पर चर्चा की। इस मौके पर आश्रम के संचालक राहुल सिंह आदि शामिल थे।

महादेव की होली को भव्य और दिव्य मनाए जाने के लिए क्षेत्रवासी पूरी आस्था और उत्साह के साथ प्रशासन के सहयोग से हर साल की तरह इस साल भी होली का आयोजन करेंगे। महादेव होली को विशेष बनाने के लिए देशभर से अघोरी संतों को आमंत्रित किया गया है। उनके साथ साधु-संतों की झांकियां और आध्यात्मिक प्रस्तुतियां श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध करेंगी। साथ ही, भीलों की मंडली और झाबुआ क्षेत्र के आदिवासी कलाकार पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत करेंगे। ढोल की थाप पर जब आदिवासी नर्तक थिरकेंगे तो पूरा वातावरण

उत्साह और ऊर्जा से भर उठेगा।

आयोजन में तीन से चार विशेष मशीनें लगाई जाएंगी जो दूर-दूर तक गुलाल उड़ाएंगी। खुशबूदार अबीर और गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा से पूरा मार्ग सुगंधित हो उठेगा रासायनिक रंगों के स्थान पर प्राकृतिक गुलाल और फूलों की होली खेली जाएगी। आयोजन समिति का उद्देश्य है कि श्रद्धालु भक्ति के साथ सुरक्षित और सात्विक होली का आनंद लें।

शहर की विभिन्न समितियां श्री सिद्ध हनुमान समिति, छावनी उत्सव समिति, गांधी क्लब, नव ज्योति संगठन सहित अन्य संगठन व्यापक तैयारियों में जुटे हैं। रास्ते में दर्जनभर से अधिक स्वागत मंच बनाए जा रहे हैं, जहां श्रद्धालुओं के लिए ठंडाई, नाश्ता और प्रसाद की व्यवस्था रहेगी। भक्ति गीतों की गूंज के बीच श्रद्धालु झूमते हुए आगे बढ़ेंगे। पंडित प्रदीप मिश्रा का संदेश है कि गमी की होली के बाद जीवन की नई शुरुआत महादेव के आशीर्वाद के साथ करनी चाहिए। पहले भगवान शिव के साथ होली खेलें, ताकि पूरा वर्ष मंगलमय रहे। जो श्रद्धालु सीहोर नहीं आ सकते, उनसे अपील की गई है कि वे अपने नजदीकी शिव मंदिर में जाकर एक लोटा जल अर्पित करें। यहां रंगों से अधिक भक्ति का रंग दिखाई देता है। हर चेहरा शिवमय, हर कदम श्रद्धामय और हर स्वर 'हर-हर महादेव' से गुंजायमान होता है। 5 मार्च की सुबह 9 बजे सिद्धपुर नगर, सीहोर में यह दिव्य आयोजन श्रद्धालुओं को भक्ति, उत्साह और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर देगा।

ईसागढ़ जनपद की ग्राम पंचायत डुंगासरा में मनरेगा में भ्रष्टाचार

अशोकनगर। मनरेगा में भ्रष्टाचार की कहानी पर शुरू हो गई है, जहां सरपंच सचिव रोजगार सहायक मिलकर पोर्टल पर फर्जी मजदूर,काम चढ़ाकर,प्रेजेंट लगाकर गरीब मजदूरों का हक मारने के साथ, शासन को लाखों रुपए का चूना लगा रहे हैं, और यह भ्रष्टाचारी अपनी जेबें भर रहे हैं। जिले की जनपद पंचायत ईसागढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत डुंगासरा में शनिवार को मनरेगा पोर्टल पर 126 फर्जी मजदूर चढ़ाए गए। लेकिन मौके पर एक भी मजदूर काम नहीं कर रहा था। पोर्टल पर पीरन वाला तालाब का जीणोद्धार कार्य दर्शाया गया। जिसमें फोटो भी फर्जी अपलोड किया गया। तथा पोर्टल पर जिन मजदूरों के नाम उपस्थिति दर्ज की गई उनमें वैजयंती कुशवाहा सुपरत कुशवाहा गंगाबाई कुशवाहा संतोष भरोसा हल्की बाई मिथिलेश बाई लीला बाई कुशवाहा, रामवीर अनिल के नाम दर्शाए गए। इस तरह इन भ्रष्टाचारियों सरपंच सचिव रोजगार सहायक द्वारा मनरेगा में फर्जीवाड़ा कर गरीब मजदूरों का हक मार कर लाखों रुपए की राशि निकाल कर अपनी जेबें भरी जा रही है।

ग्रामीणों ने की जांच की मांग : ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव रोजगार सहायक के भ्रष्टाचार की ग्रामीणों द्वारा जिले के अधिकारियों से जांच की मांग की गई है। ग्रामीणों ने बताया कि सरपंच सचिव रोजगार सहायक के कारनामों की जांच होना चाहिए। यह लोग मिलकर जमकर भ्रष्टाचार कर रहे हैं, गांव के मजदूरों को काम नहीं मिल रहा।

ब्रीफ न्यूज

विशाल मेगा मार्ट की प्रवर्तक इकाई ने 13.96 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली। समायत सर्विसेज एलएलपी ने खुले बाजार में दो किस्तों में 65.25 करोड़ शेयर बेचे, जो कंपनी की कुल 13.96 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर हैं। शेयरों का मूल्य 117-117.03 रुपए प्रति शेयर रहा, जिससे कुल लेनदेन मूल्य 7,635.55 करोड़ रुपए हुआ। इस बिक्री के बाद समायत सर्विसेज की विशाल मेगा मार्ट में हिस्सेदारी 54.09 फीसदी से घटकर 40.13 फीसदी रह गई। अभी भी यह सबसे बड़ा शेयरधारक है, लेकिन नियंत्रण पहले की तुलना में कम हुआ। समायत सर्विसेज एलएलपी एक विशेष-प्रयोजन इकाई है, जिसका स्वामित्व केदारा कैपिटल और पार्टनर्स ग्रुप, स्विट्जरलैंड के पास है। इस लेनदेन से निवेशकों के लिए नए अवसर पैदा हुए हैं, और बाजार में स्थिर प्रतिक्रिया देखने को मिली।

नई इलेक्ट्रिक एसयूवी सिरोस ईवी जल्द होगी लॉन्च

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी किआ अपनी नई इलेक्ट्रिक एसयूवी सिरोस ईवी को लॉन्च करने की तैयारी में है। कंपनी इस साल सिरोस ईवी पेश करेगी, जिसकी टेस्टिंग लगातार चल रही है। सिरोस ईवी के प्रोटोटाइप आंध्र प्रदेश के अनंतपुर में नजर आए हैं, जहां किआ का उत्पादन प्लांट स्थित है। सिरोस ईवी के एक्सटीरियर में स्प्लिट हेडलैंप सेटअप बरकरार रहेगा, लेकिन इसकी फ्रंट ग्रिल डिजाइन इलेक्ट्रिक मॉडल के हिसाब से बदली होगी। मौजूदा सिरोस में दो ग्रिल ओपनिंग मिलती हैं, जबकि ईवी वर्जन में नीचे की ओर एक ही ग्रिल हो सकती है, जिसमें एक्टिव फ्लैप होंगे जो जरूरत के अनुसार खुलकर एयरोडायनामिक दक्षता को बढ़ाएंगे। इसमें 17-इंच के टू-टोन एलॉय व्हील्स और फ्लश-फिटेड रूफ रेल्स मिल सकती हैं, जिससे ड्रैग रेजिस्टेंस कम होगा। इंटीरियर में ईको-फ्रेंडली थीम के अनुरूप नई कलर स्कीम दी जाएगी। 12.3-इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और उतने ही साइज का इंफोटेनमेंट सिस्टम ईवी-विशेष फंक्शंस के साथ आएगा। रीजेनरेटिव ब्रेकिंग को कंट्रोल करने के लिए पैडल शिफ्टर्स भी होंगे।

कमर्शियल व्हीकल इंडस्ट्री में 27प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि

नई दिल्ली। जनवरी महीने में भारत में ट्रक और हल्के कमर्शियल वाहनों की बिक्री में उल्लेखनीय तेजी देखने को मिली। भारत की कमर्शियल व्हीकल इंडस्ट्री ने साल 2026 की शुरुआत मजबूत प्रदर्शन के साथ की है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी 2026 में कमर्शियल व्हीकल होलसेल वॉल्यूम में 27प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि दर्ज की गई, जिससे बाजार में नए उत्साह का माहौल है। जनवरी 2026 में कुल 99,544 यूनिट कमर्शियल वाहनों की होलसेल हुई। यह संख्या दिसंबर 2025 के 97,682 यूनिट्स की तुलना में 1.9प्रतिशत ज्यादा रही, यानी महीने-दर-महीने भी ग्रोथ का ट्रेंड जारी रहा। इस तेजी का सबसे बड़ा कारण 22 सितंबर 2025 को लागू हुई जीएसटी कटौती है, जिसके तहत कमर्शियल वाहनों पर टैक्स 28प्रतिशत से घटाकर 18प्रतिशत कर दिया गया था।

भारतीय शेयर बाजार में इस सप्ताह मिलाजुला रुझान देखा गया

सेंसेक्स और निफ्टी में साप्ताहिक आधार पर एक फीसदी से अधिक तेजी रही

एजेंसी ■ मुंबई

भारतीय शेयर बाजार ने इस सप्ताह मिश्रित रुझान दिखाया, जिसमें शुरुआती मजबूती के बाद मध्य और अंत में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। बाजार के जानकारों का कहना है कि वैश्विक बाजार के कमजोर संकेतों और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिमों के बीच भारतीय बाजारों में स्थिरता बनी रही, निवेशकों का नजरिया तेजी से सतर्क हो गया। पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच जारी संघर्ष ने भी बाजार में अनिश्चितता पैदा कर दी है। इस तनाव की वजह से निवेशकों का भरोसा डगमगाया है। जिससे सप्ताह के आखिर में शेयर बाजार में एक फीसदी से अधिक की गिरावट देखी गई। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को हरे निशान से हुई, जब वैश्विक बाजारों में तेजी और बैंक एवं सेवा क्षेत्र में खरीदारी के चलते प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स ने 621.78 अंकों की बढ़त के साथ 83,436.49 पर, जबकि एनएसई निफ्टी 180.05 अंकों की तेजी के साथ 25,751.30 पर कारोबार शुरू किया। दिन के अंत तक सेंसेक्स 479.95 अंक और निफ्टी 141.75 अंक ऊपर बंद हुए। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने वैश्विक व्यापार की धाराओं को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया, जिससे निवेशकों का मनोबल बढ़ा। मंगलवार को बाजार में अचानक गिरावट देखने को मिली। एआई से जुड़े संभावित व्यवधानों और आईटी शेयरों में भारी बिकवाली के चलते सेंसेक्स 525.29 अंक गिरकर 82,769.37 पर और निफ्टी 145.85 अंक घटकर 25,567.15 पर खुला। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,068.74 अंक और निफ्टी 288.35 अंक गिरकर सप्ताह के शुरुआती उत्साह को झटका लगा। बुधवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में थोड़ी बढ़त देखी गई, लेकिन दिन के अंत में सूचकांक केवल मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए। गुरुवार को आईटी शेयरों में खरीदारी और विदेशी फंड प्रवाह ने शुरुआती कारोबार में बाजार को बढ़त दिलाई। हालांकि, दिनभर उतार-चढ़ाव के बाद सेंसेक्स 27.46 अंक गिरकर और निफ्टी 14.05 अंक बढ़कर सपाट बंद हुए। शुक्रवार को वैश्विक बाजारों में कमजोरी और विदेशी फंडों की नई निकासी के चलते दोनों प्रमुख सूचकांकों में गिरावट रही। सेंसेक्स 961.42 अंक गिरकर 81,287.19 पर और निफ्टी 317.90 अंक घटकर 25,178.65 पर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजार ने इस सप्ताह अत्यधिक अस्थिरता दिखाई। शुरुआती उत्साह के बाद मध्य सप्ताह में आईटी शेयरों और वैश्विक जोखिमों के कारण गिरावट देखी गई, जबकि सप्ताह के अंत में विदेशी फंड निकासी और वैश्विक दबाव ने बाजार को लाल निशान में बंद करवाया। निवेशकों के लिए यह सप्ताह सीखने और सतर्क रहने का रहा।

आज से बदलेंगे कई नियम, मोबाइल यात्राऔर गैस बजट पर पड़ेगा असर

अब रेल टिकट लेने के लिए रेलवन ऐप डाउनलोड करना जरूरी होगा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

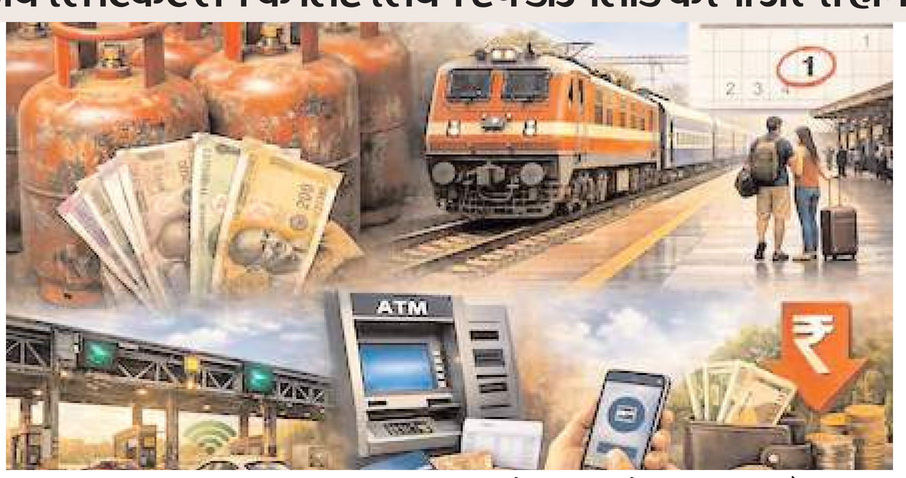

1 मार्च से भारतीय रेलवे टिकट बुकिंग सिस्टम में बदलाव कर सकता है। पुराना यूटीएस ऐप बंद किया जा सकता है और अनारक्षित व प्लेटफॉर्म टिकट के लिए नया रेलवन ऐप अनिवार्य हो सकता है। यात्रियों को अब मोबाइल के जरिए टिकट लेना ज्यादा आसान तो होगा, लेकिन ऐप डाउनलोड करना जरूरी होगा। ढ्ढक्रञ्जष्ट के साथ यह नया डिजिटल विकल्प काम करेगा। काउंटर टिकट की सुविधा सीमित होने की भी संभावना है, इसलिए नियमित यात्रियों को पहले से तैयारी करनी चाहिए।

एलपीजी सिलेंडर के नए दाम

हर महीने की तरह 1 मार्च को घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडर के रेट अपडेट हो सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों के आधार पर एलपीजी सस्ती या महंगी हो सकती है। अगर दाम बढ़ते हैं तो आम परिवारों के मासिक बजट पर असर पड़ेगा, वहीं कीमत घटने पर कुछ राहत मिल सकती है।

सिम बाइंडिंग और मैसेजिंग ऐप्स पर सख्ती

1 मार्च से सिम बाइंडिंग अनिवार्य हो सकती है। यानी वाट्सएप और टेलीग्राम जैसे ऐप्स को एक्टिव मोबाइल नंबर से लिंक करना जरूरी होगा। बिना वेरिफाइड सिम के ऐप का उपयोग संभव नहीं होगा। मल्टी-डिवाइस और वेब लॉगिन पर भी अतिरिक्त सुरक्षा लागू हो सकती है। यह कदम डिजिटल फ्रॉड और फर्जी अकाउंट रोकने के लिए बताया जा रहा है, जिसे दूरसंचार विभाग लागू कर सकता है। बैंकिंग और यूपीआई नियमों में अपडेट- कुछ बैंक न्यूनतम बैलेंस, सेविंग अकाउंट नियम और क्रेडिट कार्ड चार्ज में बदलाव कर सकते हैं। क्कू लेनदेन में अतिरिक्त ओटीपी या नई लिमिट लागू की जा सकती है। इसका मकसद ग्राहकों को धोखाधड़ी से बचाना है।

सीएनजी-पीएनजी कीमतों की समीक्षा

महीने की शुरुआत में सीएनजी और पीएनजी दरों की भी समीक्षा होती है। कीमत बढ़ने पर वाहन ईंधन और घरेलू गैस खर्च बढ़ सकता है। इन सभी बदलावों का सीधा असर आम लोगों की डिजिटल लाइफ, यात्रा और घरेलू बजट पर पड़ सकता है।

क्रेडिट कार्ड नियमों में संभावित बदलाव 1 अप्रैल से

क्रेडिट कार्ड अब आम लोगों की रोजमर्रा की जरूरत बन चुके हैं। खरीदारी, यात्रा, ऑनलाइन बिल और टैक्स भुगतान में उनका उपयोग तेजी से बढ़ा है। 1 अप्रैल से इन कार्डों से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण नियमों में बदलाव हो सकते हैं, जो सीधे उपयोगकर्ताओं को प्रभावित करेंगे। नए नियमों के तहत सालभर में किए गए बड़े भुगतान पर विशेष नजर रखी जा सकती है। यदि कोई निर्धारित सीमा से अधिक क्रेडिट कार्ड बिल जमा करता है, तो इसकी जानकारी संबंधित विभाग को दी जा सकती है। इसका उद्देश्य वित्तीय लेन-देन में पारदर्शिता और अनियमित गतिविधियों पर नियंत्रण रखना है। डिजिटल और नकद भुगतान के लिए अलग-अलग सीमा तय की जा सकती है। तय सीमा से अधिक नकद जमा करने पर इसकी रिपोर्टिंग अनिवार्य हो सकती है। इससे बड़ी रकम को बिना रिकॉर्ड के चुकाना मुश्किल होगा और नकद भुगतान करने वालों को पहले से योजना बनानी होगी।

टीवीएस जुपिटर ने मॉडल-वाइज बिक्री में पहला स्थान किया हासिल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

जनवरी 2026 में एक बार फिर टीवीएस मोटर कंपनी के स्कूटर टीवीएस जुपिटर ने मॉडल-वाइज बिक्री में पहला स्थान हासिल किया। भारतीय टू-व्हीलर बाजार में टीवीएस मोटर कंपनी का दबदबा लगातार जारी है। बीते महीने जुपिटर की कुल 1,29,744 यूनिट्स बिकीं, जो सालाना आधार पर 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाती हैं। जनवरी 2025 में इसकी बिक्री 1,07,847 यूनिट रही थी, ऐसे में यह वृद्धि कंपनी के लिए मजबूत प्रदर्शन का संकेत देती है।

दूसरे स्थान पर टीवीएस अपाचे रही, जिसकी जनवरी 2026 में कुल 51,191 यूनिट्स बिकीं। अपाचे की सालाना बिक्री में 48 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला। तीसरे स्थान पर टीवीएस एक्सएल 100 ने जगह बनाई, जिसे जनवरी 2026 में कुल 48,607 ग्राहक मिले। इस मॉडल की बिक्री में 16 प्रतिशत की वार्षिक बढ़ोतरी दर्ज हुई। इसी सूची में चौथे स्थान पर टीवीएस आईक्यूब इलेक्ट्रिक रही, जिसने 50 प्रतिशत की तेज वृद्धि के साथ 37,560 यूनिट्स की बिक्री की। स्कूटर सेगमेंट में टीवीएस एनटॉर्क ने पांचवां स्थान हासिल किया और 36,596 यूनिट्स की बिक्री के साथ 54 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की। छठे स्थान पर टीवीएस राइडर रही, जिसकी कुल 36,069 यूनिट्स बिकीं और इसकी बिक्री में 32 प्रतिशत वृद्धि हुई। सातवें नंबर पर रही टीवीएस रेडियन ने भी 13,821 यूनिट्स की बिक्री के साथ 32 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की। इसके बाद आठवें स्थान पर टीवीएस स्पोर्ट ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। इस मॉडल की सालाना बिक्री में 56 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह आंकड़ा 10,966 यूनिट्स तक पहुंचा।

प्रोटेरियल आंध्र प्रदेश में लगाएगी 30,000 टीपीए मेटग्लास संयंत्र

श्री सिटी में 2026 तक शुरू होगा उत्पादन, आयात पर निर्भरता घटाने का लक्ष्य

एजेंसी ■ नई दिल्ली

जापान की विशेष इस्पात एवं धातु उत्पाद निर्माता प्रोटेरियल (पूर्व में हिताची मैटल) ने आंध्र प्रदेश में 30,000 टन प्रति वर्ष (टीपीए) क्षमता का मेटग्लास संयंत्र स्थापित करने की योजना की घोषणा की है। यह परियोजना भारत सरकार की स्पेशलिटी स्टील के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) 1.2 योजना के तहत विकसित की जाएगी। कंपनी के एक प्रमुख अधिकारी ने एक साक्षात्कार में बताया कि संयंत्र के चालू होने के बाद यह भारत के लगभग आधे अमॉर्फस इलेक्ट्रिकल स्टील आयात की जगह ले सकेगा। उन्होंने कहा कि अगले तीन से पांच वर्षों में देश की इस श्रेणी में आयात निर्भरता लगभग समाप्त की जा सकती है। यह अत्याधुनिक संयंत्र श्री सिटी में स्थापित किया जाएगा और अक्टूबर 2026 तक इसके शुरू होने की उम्मीद है।

मेटग्लास एक अमॉर्फस धातु सामग्री है, जिसका उपयोग उच्च दक्षता वाले ट्रांसफॉर्मरों में किया जाता है। यह ऊर्जा हानि को कम करने और विद्युत वितरण प्रणाली को अधिक कुशल बनाने में सहायक है। उनके अनुसार वर्तमान में भारत में उपयोग होने वाला पूरा इलेक्ट्रिकल स्टील– चाहे वह ग्रेन-ओरिएंटेड हो या अमॉर्फस–आयात किया जाता है। ऐसे में यह संयंत्र देश में इस क्षेत्र की पहली स्थानीय उत्पादन इकाई होगी। इससे न केवल आयात पर निर्भरता घटेगी, बल्कि ग्राहकों को आपूर्ति श्रृंखला में अधिक स्थिरता और भरोसा भी मिलेगा। यह निवेश भारत में विशेष इस्पात के घरेलू निर्माण को बढ़ावा देने और ऊर्जा दक्षता क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

चेरी की नई इलेक्ट्रिक एसयूवी देगी थार ईवी को टक्कर

नई दिल्ली। भारत में चीन की चेरी कंपनी की 'आईकार वी23' पर आधारित इलेक्ट्रिक एसयूवी को पहली बार टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। यह एसयूवी भारी कैमौफ्लेज के साथ पुणे स्थित ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया के परिसर में स्पॉट हुई, जिससे संकेत मिलता है कि वाहन का होमोलोगेशन और सर्टिफिकेशन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। खास बात यह है कि चेरी ने भारत में अपनी मौजूदगी मजबूत करने के लिए जेएसडब्ल्यू ग्रुप के साथ साझेदारी की है।

दिखने में यह इलेक्ट्रिक एसयूवी काफी बॉक्सी और दमदार नजर आती है। इसमें गोल हेडलाइट्स, बंद फ्रंट ग्रिल और 4,220 मिमी लंबाई के साथ 210 मिमी का बेहतरीन ग्राउंड क्लीयरेंस मिलता है। इसके पीछे स्पेयर व्हील की जगह एक बॉक्सी एक्सटर्नल स्टोरेज बॉक्स दिया गया है, जो इसे और ज्यादा रग्ड लुक देता है।

भारत, यूरोपीय संघ के व्यापार समझौते में मध्यस्थता से जुड़ा परिशिष्ट शामिल

समझौते पर विधिक परीक्षण के बाद हस्ताक्षर होने की संभावना

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने हाल ही में बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के निष्कर्ष की घोषणा की। समझौते पर विधिक परीक्षण के बाद हस्ताक्षर होने की संभावना है और इसे अगले वर्ष लागू किया जा सकता है। एफटीए में मॉडल मध्यस्थता प्रक्रिया पर एक अलग परिशिष्ट शामिल है, जिसका उद्देश्य विवादों का त्वरित और आपसी सहमति से समाधान करना है। समझौते के अनुसार भारत या ईयू कोई भी पक्ष ऐसे उपाय के खिलाफ मध्यस्थता की मांग कर सकता है, जो द्विपक्षीय व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव डालता हो। हालांकि प्रक्रिया केवल दोनों पक्षों की आपसी सहमति से ही शुरू होगी। यदि निर्धारित समय-सीमा के भीतर मध्यस्थ की नियुक्ति पर सहमति नहीं बनती, तो मध्यस्थता का अनुरोध स्वतः निरस्त माना जाएगा। मध्यस्थता आम तौर पर उस पक्ष के क्षेत्र में होगी, जिसके पास अनुरोध भेजा गया है, या आपसी सहमति से किसी अन्य स्थान या माध्यम से भी इसे आयोजित किया जा सकता है। मध्यस्थ की नियुक्ति के 60 दिनों के भीतर समाधान तक पहुंचने का प्रयास किया जाएगा। करीब दो दशक चली वार्ताओं के बाद संपन्न एफटीए के तहत भारत के 93 प्रतिशत निर्यात को 27 देशों में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी, जबकि ईयू से लक्जरी कार और वाइन का आयात सस्ता होगा। दोनों पक्ष वैश्विक जीडीपी का लगभग 25 प्रतिशत और अंतरराष्ट्रीय व्यापार का एक-तिहाई हिस्सा नियंत्रित करते हैं। समझौते में कुल 20 अध्याय शामिल हैं, जिनमें डिजिटल व्यापार पर अलग अध्याय भी है। यह कागज-रहित व्यापार, नियामकीय सहयोग और तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देता है। इसके अलावा विवाद निपटान पर अलग अध्याय विवादों के शीघ्र और प्रभावी समाधान की व्यवस्था करता है।

स्वास्थ्य पर खर्च 17 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़कर पहुंच सकता है 73 अरब डॉलर

भारत की जेनरेशन एक्स 2030 तक 500 अरब डॉलर की खपत करेगी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत की जेनरेशन एक्स आबादी अगले दशक में प्रीमियम और टिकाऊ उत्पादों में एक शक्तिशाली उपभोक्ता वर्ग बन जाएगी। भारत की सबसे बड़ी स्वदेशी परामर्श कंपनी सलाहकार फर्म रेडसीर स्ट्रेटजी कंसल्टेंट्स की रिपोर्ट के अनुसार यह पीढ़ी 2030 तक 500 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के सामान और सेवाओं की खपत कर सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह पीढ़ी निवारक स्वास्थ्य सेवाओं पर अधिक ध्यान दे रही है। स्वास्थ्य पर खर्च 17 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़कर 2030 तक 73 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यह दर्शाता है कि जेन एक्स अब बीमारी के बाद इलाज के बजाय लंबी उम्र और बेहतर जीवन गुणवत्ता को प्राथमिकता देती है। साथ ही पोषक-तत्व आधारित स्वास्थ्य उत्पादों पर खर्च 25 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़कर 2030 तक 20 अरब डॉलर तक होने का अनुमान है। सौंदर्य एवं व्यक्तिगत देखभाल के क्षेत्र में जेन एक्स की खपत 2030 तक 8 अरब डॉलर तक बढ़ने की संभावना है। यह वर्ग प्रीमियम और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की ओर झुकाव रखता है। जेनरेशन एक्स अब आरामदायक और प्रीमियम यात्रा अनुभव को प्राथमिकता दे रही है। लक्जरी विला, बुटीक होटल और प्रीमियम आवास में मांग में सालाना 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह पीढ़ी यात्रा को सिर्फ छुट्टी के रूप में नहीं बल्कि अनुभव और आराम के लिए महत्वपूर्ण मानती है। शहरी परिवार अब अपने बच्चों की शिक्षा पर प्रति वर्ष10-20 लाख रुपये तक खर्च कर रहे हैं। ट्रेंड यह है कि कैंब्रिज, इंटरनेशनल बोर्ड और विदेशी शिक्षा कार्यक्रमों की ओर रुझान बढ़ रहा है। रेडसीर के एक साझेदार का कहना है कि जेन एक्स आर्थिक रूप से स्थिर, डिजिटल रूप से आत्मविश्वासी और अपनी प्राथमिकताओं को लेकर स्पष्ट है। यह पीढ़ी सोच-समझकर खर्च करती है–बेहतर स्वास्थ्य, गुणवत्तापूर्ण यात्रा, टिकाऊ उत्पाद और भविष्य-केंद्रित शिक्षा इसके मुख्य फोकस हैं।

सरकार ने फोर्टिफाइड चावल वितरण अस्थायी रूप से रोका

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाय) और अन्य योजनाओं के तहत मिलने वाले फोर्टिफाइड चावल में पोषक तत्व मिलाने की प्रक्रिया अस्थायी रूप से रोक दी है। खाद्य मंत्रालय के अनुसार लंबे समय तक गोदामों में रखने से चावल में जो विटामिन और मिनरल्स मिलाए जाते हैं, उनमें कमी आ रही थी। सरकार ने आईआईटी खड़गपुर को यह अध्ययन करने का काम सौंपा था कि अलग-अलग मौसम और वातावरण में चावल कितने समय तक सुरक्षित रहता है। रिपोर्ट में पाया गया कि चावल रखने का स्थान, तापमान, हवा में नमी और पैकिंग सामग्री फोर्टिफाइड चावल की गुणवत्ता पर बड़ा असर डालते हैं। लंबे समय तक भंडारण और बार-बार परिवहन से पोषक तत्व जल्दी घट जाते हैं और चावल जल्दी खराब होने लगता है। राशन का चावल अक्सर 2-3 साल तक सरकारी गोदामों में रखा जाता है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना और अन्य सरकारी योजनाओं के लिए सालाना 372 लाख टन चावल की जरूरत होती है। जबकि सरकारी भंडार में कुल उपलब्धता लगभग 674 लाख टन है, जिसमें 2025-26 की खरीफ फसल भी शामिल है।

ब्रीफ न्यूज

जिला मजिस्ट्रेट ने एक आदतन अपराधी को किया जिला बदर

मुरैना। जिला मजिस्ट्रेट मुरैना लोकेश कुमार जांगिड़ ने पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ के प्रस्ताव पर एक आदतन अपराधी के विरुद्ध जिला बदर की कार्रवाई की है। उक्त अपराधी के विरुद्ध जिले के विभिन्न थानों में अनेक आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध हैं। जिला मजिस्ट्रेट ने मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 3 सहपठित धारा 5 एवं 6 के प्रावधानों के अंतर्गत यह कार्रवाई की है। जिला बदर किए गए अपराधी में थाना चिन्नौंनी अंतर्गत ग्राम उदयपुरा निवासी 38 वर्षीय विशम्भर उर्फ बकीला गुर्जर पुत्र अतर सिंह गुर्जर का नाम शामिल है। उसकी आपराधिक एवं असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण तथा लोक व्यवस्था एवं जनसाधारण के हित में शांति बनाए रखने के उद्देश्य से जिला मजिस्ट्रेट ने आदेशित किया है कि वह एक वर्ष की अवधि तक जिला मुरैना एवं उसके समीपवर्ती जिले ग्वालियरए भिण्डए श्योपुर और शिवपुरी की सीमाओं से बाहर रहेगा। बिना पूर्व अनुमति के इन जिलों की सीमा में प्रवेश करना प्रतिबंधित रहेगा।

गुजरात से लौटकर युवक ने घर में लगाई फांसी, पुलिस जांच में जुटी

मुरैना। जिले के माता बसैया थाना क्षेत्र में शुक्रवार शनिवार की रात गुजरात से लौट कर आए युवक ने घर में फांसी लगाकर अपने जीवन लीला समाप्त कर ली। युवक ने आत्महत्या किन कारण के चलते की, फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया जाता है कि रोहित उर्फ राधे पुत्र लोचन सिंह लोधी उम्र 22 निवासी माता बसैया गुजरात में काम करता था और शुक्रवार की शाम को अपने घर आया था। रोहित ने आत्महत्या किन कारण की चलती की है अभी परिवार के लोग कुछ भी बताने की स्थिति में नहीं है। पुलिस द्वारा मृतक का पीएम करवाकर लाश परिजनों को सौंप दी है और मर्ग कायम कर मामले की जांच में जुट गई है।

रनिंग कर रहे युवकों से टक्कर मारकर ई-रिक्शा 50 मीटर दूर जाकर पलटा, वृद्ध की मौत, एक युवक घायल

मुरैना। शक्रवार की शाम सिहोनिया थाना क्षेत्र स्थित लल्लू बसई की पुलिया के पास तेज गति से चला आ रहा एक ई-रिक्शा रनिंग कर रहे युवकों को टक्कर मारकर लगभग 50 मीटर दूर जाकर पलट गया, जिससे उसमे सवार एक वृद्ध की मौत हो गई, वहीं रनिंग कर रहा युवक उससे टकराकर खंती में गिरा और घायल हो गया। इस घटना में युवक का हाथ टूट गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार की शाम 6.30 बजे के लगभग सिहोनिया कोई से एक ई-रिक्शा को उसका चालक तेज गति से लेकर आया और लल्लू बसई की पुलिया पर रनिंग कर रहे आदित्य पुत्र ब्रजेश तोमर 19 वर्ष से टकराकर 50 मीटर दूर जाकर पलट गया। इस दौरान आदित्य खंती में गिर गया, जिसे उसके दोस्त घायल अवस्था में लेकर अस्पताल पहुंचे। बताया गया है कि ई-रिक्शा में एक वृद्ध वीरेंद्र पुत्र अजुद्दी प्रसाद उम्र 56 निवासी कोलुआ भी बैठा हुआ था, जिसकी रिक्शा पलटने से मौत हो गई। घटना के बाद ई-रिक्शा चालक फरार बताया गया है।

त्योहार : भद्राकाल-चंद्रग्रहण के दुर्लभ संयोग में 2-3 की रात जलेगी होली, 3 को चंद्रग्रहण, 4 को धुलेंडी

100 साल बाद 5 शुभयोग में मनेगी होली, चंद्रग्रहण भी पड़ेगा

सत्ता सुधार ■ मुरैना

इस बार होली का त्योहार विशेष रहेगा। 100 साल बाद होली के त्योहार पर शुक्र, बुध और सूर्य की विशेष स्थिति के कारण मालव्य, बुधादित्य, शुक्रादित्य, लक्ष्मी नारायण और धनशक्ति योग में बन रहा है। वहीं भद्रकाल के चलते होलिका दहन 2-3 मार्च की रात 12 बजे के बाद होगा। तीन मार्च को चंद्रग्रहण के चलते होली नहीं खेली जाएगी। ज्योतिषियों के अनुसार होली (धुलेंडी) 4 मार्च को खेलना शुभ है। ज्योतिषाचार्य पंडित जितेंद्र भारद्वाज ने बताया कि होली पर शुक्र बुध और सूर्य की विशेष स्थिति के कारण मालव्य, बुधादित्य, शुक्रादित्य, लक्ष्मी नारायण और धनशक्ति योग बन रहे हैं। यह

योग विशेष रूप से वृषभ, मिथुन, और अन्य राशियों के लिए धन लाभ, करियर में तरक्की, और प्रॉपर्टी में निवेश के लिए अत्यधिक शुभ माने जा रहे हैं। यह संयोग आत्मचिंतन और नकारात्मक ऊर्जा को नष्ट करने का अवसर है।

रंग-गुलाल, पिचकारियों से सजे बाजार

होली त्योहार को लेकर व्यापारियों में भी उत्साह है। शहर के सदर बाजार, पंसारी बाजार सहित अन्य मार्केट में दुकानदारों ने हर्बल रंग-गुलाल की विशेष दुकानें लगाई हैं। वहीं बच्चों के लिए कार्टून कैरेक्टर सहित विभिन्न प्रकार की पिचकारी आदि भी बिक्री के लिए आई हैं।

प्रेमप्रकाश आश्रम में होली मिलन समारोह 4 को

प्रेम प्रकाश आश्रम में अमरापुर नवयुवक मंडल एवं प्रेम प्रकाश महिला मंडली द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन 4 मार्च को सुबह 8 बजे से 10 बजे तक किया जाएगा। मीडिया प्रभारी राजेश शर्मा बिट्टे ने बताया कि महंत प्रताप राय महाराज के सानिध्य में होने वाले इस होली मिलन समारोह में सामाजिक बंधुओं सहित संभ्रांतजन भी शामिल होंगे।

मुरैना एवं सबलगढ़ में एक दर्जन पटवारियों के स्थानांतरण

मुरैना। एसडीम भूपेंद्र सिंह कुशवाह द्वारा राजस्व व्यवस्था एवं प्रशासनिक कार्य को चुस्त दुरुस्त करने की दृष्टि से मुरैना मुख्यालय पर आर दर्जन पटवारियों के स्थानांतरण इधर से उधर किए हैं। वहीं सबलगढ़ एसडीएम द्वारा भी आधा दर्जन पटवारियों के स्थानांतरण किए गए हैं।

एसडीएम श्री कुशवाह ने नवल किशोर दंडोतिया पटवारी हल्का नंबर 11 महाराजपुर को हल्का नंबर 7 छौंदा, छोटेलाल गोबरिया को हल्का नंबर 3 लालौर से महाराजपुर, राजपाल यादव मुरैना गांव को मुड़िया खेड़ा, विक्रम प्रताप यादव अतरसूमा को लालौर, पवन दंडोतिया मुढ़िया खेड़ा को मुरैना गांव एवं शिवराज सिंह तोमर को छौंदा को अतरसूमा स्थानांतरित किया गया है।

इधर सबलगढ़ अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघा तिवारी द्वारा प्रशासनिक कार्य को दृष्टिगत रखते हुए आधा दर्जन पटवारियों के स्थानांतरण किए गए, जिनमें पटवारी हल्का नंबर 54 से राधा शर्मा को पटवारी हल्का नंबर 38 पूछरी, सोनू जादौन पटवारी हल्का नंबर 38 को हल्का नंबर 54 सबलगढ़, आरती गुप्ता पटवारी हल्का नंबर 32 मांगरोल से हल्का नंबर 39 केमारी, उमेश यादव पटवारी हल्का नंबर 390 केमारी से हल्का नंबर 32 मांगरोल, श्रीमती निकिता शर्मा पटवारी हल्का नंबर 20 झुण्डपुरा से हल्का नंबर 34 रामपहाड़ी, हरिओम मीणा पटवारी हल्का नंबर 34 रामपहाड़ी से हल्का नंबर 20 झुण्डपुरा स्थानांतरण किया गया है।

एसडीएम ने कई पटवारीयों को किया इधर से उधर

जौरा। एक ही हल्के पर कई वर्षों से पदस्थ कुछ पटवारी के तबादले एसडीएम शुभम शर्मा ने किए हैं। एसडीएम द्वारा तबादला आदेश में जौरा हल्का पर पदस्थ मानवेंद्र सिंह सिकरवार को गैपरा पर पदस्थ किया है, उनके स्थान पर विजय सिंह सिकरवार को पदस्थ किया गया है। इसी प्रकार आलापुर हल्के पर पदस्थ पटवारी गंभीर सिंह तोमर को आरहेड़ी, नरहेला पर पदस्थ अंकित गुप्ता को आलापुर जब कि सोवरन गोले को नरहेला पर पदस्थ किया गया है। वहीं श्रीवास्त त्यागी को बुरावली, रामप्रकाश जाटव को सांकरा व हरेंद्र सिंह तोमर को मजरा हल्के पर पदस्थ करने के आदेश जारी किए हैं। आदेश में यह भी लिखा है कि सभी पटवारी तत्काल आदेश का पालन करें।

फ्लाईओवर ब्रिज पर पार्सल से भरे कंटेनर में लगी आग, ड्राइवर कंडक्टर ने कूदकर बचाई जान

सत्ता सुधार ■ मुरैना

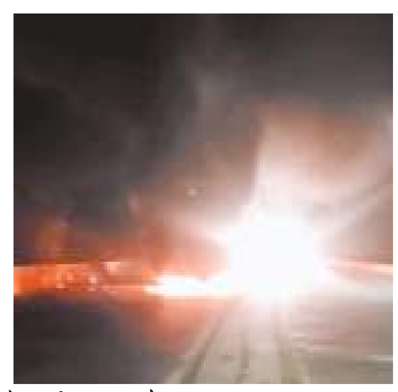

सिविल लाइन थाना अंतर्गत फ्लाईओवर ब्रिज हाईवे पर देर रात्रि को पार्सल से भरे ट्रक में शॉर्ट सर्किट हो जाने के चलते भीषण आग लग गई। इस दौरान ड्राइवर कंडक्टर अपनी जान बचाने गाड़ी से कूद गए। ब्रिज पर कंटेनर में आग की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची। आधा घंटा की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। बताया जाता है कि ट्रक में भरे पार्सल को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है और उसे सुरक्षित निकाल लिया गया है। बताया जाता है कि देर रात्रि में पार्सल से भरा एक कंटेनर केरल से बेंगलुरु मुरैना फ्लाईओवर से गुजर रहा था कि अचानक उसमें से धुंआ उठने के साथ चिंगारी निकलने लगी, यह देख ड्राइवर ने गाड़ी को ब्रिज पर ही रोक दिया और आग से बचने के लिए ड्राइवर एवं कंडक्टर गाड़ी से कूद गए। फ्लाईओवर ब्रिज पर बीच रास्ते में कंटेनर में लगी आग को देखकर दोनों साइड से आ रहे वाहन वहीं थम गए। सूचना मिलते ही पुलिस एवं दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची तथा आधा घंटे के प्रयास के बाद आग को नियंत्रण में किया। आग बुझाने के बाद कंटेनर में रखे पार्सल को बाहर निकाला गया। इस आगजनी में कंटेनर पूरी तरह जलकर खाक हो गया। पुलिस द्वारा आगजनी का मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

जौरा में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर व्याख्यान आयोजित

सत्ता सुधार ■ जौरा

शासकीय महाविद्यालय,के नवीन भवन स्थित विज्ञान संकाय में भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के अंतर्गत राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर वैज्ञानिक आविष्कार एवं नवाचार विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस महान वैज्ञानिक सीवी रामन द्वारा खोजे गए रमन प्रभाव की स्मृति में मनाया जाता है। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एच.एन. सिंह हाड़ा के उद्बोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि विज्ञान प्राचीन काल से मानव जीवन का अभिन्न अंग रहा है तथा कृषि, व्यापार, शिक्षा और चिकित्सा सहित सभी क्षेत्रों में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष डॉ सीपी विमल ने साइबर अपराध और विज्ञान एवं तकनीकी के सावधानीपूर्वक उपयोग पर विद्यार्थियों को जागरूक किया। जंतु विज्ञान विभाग के अध्यक्ष विनोद सिंह कुशवाह ने विद्यार्थियों के जीवन में विज्ञान की उपयोगिता एवं उसके सतर्क प्रयोग पर बल दिया। भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के संरक्षक डॉ सुधीर कुमार पाठक ने विज्ञान की सर्वकालिक महत्ता को रेखांकित करते हुए विवेकपूर्ण उपयोग का संदेश दिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के अनेक छात्र-छात्राओं ने भी विज्ञान विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। अंत में वाणिज्य विभाग की अध्यक्ष डॉ. नीलम राजपूत ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. यदुनंदन प्रसाद उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण हरिओम ओझा तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

वन विभाग ने पकड़ी 25 लाख की अवैध खेर की लकड़ी

जौरा। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश एवं मुखबिर की सूचना पर से वन विभाग द्वारा अवैध रूप से आयशर कैंटर में भरकर लाई जा रही 25 लाख रूपए की अवैध खैर की लकड़ी को पकड़ने में सफलता हासिल की है। वन विभाग जौरा के रेंजर आर एल भारती, डिप्टी रेंजर विनोद कुमार उपाध्याय को सूचना मिली कि सुमावली के आसपास एक आयशर कैंटर में खैर की अवैध लकड़ी जा रही है, जिस पर से भारती एवं उपाध्याय ने सुरेंद्र दोहरी, राघवेंद्र शर्मा, रमेश शर्मा, सुनील त्यागी, अनिल चौबे, रविंद्र धाकड़, केदार सिकरवार, प्रभाकर शर्मा, रवि तोमर आदि कर्मचारियों ने आयशर कैंटर क्रमांक एचआर 55 एएल 8852 में जा रही खैर की लकड़ी से भरे कैंटर चालक को रोका, उसके द्वारा कैंटर को नहीं रोका गया। टीम ने पीछा करते हुए सुमावली से 500 मीटर पहले कैंटर चालक को पकड़ा। चालक से खेर की लकड़ी के कागज मांगे गए तो वह किसी प्रकार के वैध कागज नहीं दिखा सका। लिहाजा खैर की लकड़ी से भरे हुए कैंटर को वन विभाग जोरा द्वारा जप्त कर करने की कार्यवाही की गई है, जिसकी बाजारू कीमत लगभग 25 लाख रुपए बताई गई है।

नीलगाय से टकराई बाइक, तीन लोग घायल

मुरैना। जिले के देवगढ़ थाना अंतर्गत चंबल नहर के पास से गुजर रही एक बाइक अचानक सामने नीलगाय आने से टकराकर गिर पड़ी और उस पर सवार दो महिला एवं युवक घायल हो गया। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चिन्नौंनी थाना क्षेत्र के कोटरा मिलऊआ गांव में रहने वाला 22 वर्षीय अवकेश जाटव शनिवार को अपनी 28 वर्षीय भाभी भारती पत्नी सतीश जाटव और 30 वर्षीय सुमन पत्नी जनक सिंह जाटव को लेकर बाइक से मुरैना आ रहा था। जब उनकी बाइक देवगढ थाना क्षेत्र के अंतर्गत चंबल नहर से गुजर रही थी, तभी अचानक नील गाय बीच सड़क पर छलांग लगाकर निकल गई, जिस कारण अवकेश की बाइक उससे टकरा कर गिर पड़ी और तीनों लोग घायल हो गए। सूचना पाकर एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को लेकर जिला अस्पताल आई, जहाँ इमरजेंसी ड्यूटी पर उपस्थित डॉक्टर व नर्सिंग स्टॉफ ने इलाज किया। प्राथमिक उपचार के बाद घायल महिलाओं को वार्ड में भर्ती कर दिया है, जहाँ उसका इलाज जारी है।

विकासखंड जौरा में कक्षा 5 तथा 8 वार्षिक परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न

जौरा। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देश पर विकासखंड जौरा अंतर्गत विभिन्न परीक्षा केदो पर कक्षा 5 तथा 8 की वार्षिक परीक्षाएं शांतिपूर्वक संपन्न हुई। परीक्षाओं में कलेक्टर के निर्देशानुसार समस्त तैयारी जनपद शिक्षा केंद्र जौरा के बीआरसी राजीव सिंह जादौन द्वारा पूर्ण कराई गई। इस हेतु सभी जन शिक्षकों को परीक्षा केंद्र मॉनिटरिंग के लिए निर्देश दिए गए व नकल की रोकथाम के लिए कड़े इंतजाम किए गए। इस दौरान सभी परीक्षा केन्द्रों पर जन शिक्षकों बीएसी, डीपीसी, डाइट की टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। किसी भी प्रकार का नकल प्रकरण नहीं बना। वहीं कलेक्टर के निर्देशानुसार बीआरसीसी राजीव सिंह जादौन द्वारा परीक्षा के आखिरी दिन सभी परीक्षा केन्द्रों पर एचपीवी वायरस से होने वाले नुकसान के बारे में सभी किशोरी बालिकाओं को अवगत कराया गया। उन्हें बताया गया शासकीय अस्पताल जौरा में इसके लिए मुफ्त में टीका उपलब्ध है। अतः समस्त किशोरियों जिनकी उम्र 14 वर्ष से अधिक तथा 15 वर्ष तक है अपने पालकों के साथ सहमति पत्र लेकर और कंसेंट फॉर्म भरकर टीकाकरण कराएं।

पूर्व मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर मेडिकल कैंप आयोजित

मुरैना। पूर्व मुख्यमंत्री राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह के जन्मदिन पर निःशुल्क मैडिकल कैंप का आयोजन पूर्व जिला पंचायत सदस्य अशोक सिंह सिकरवार के पैतृक गांव कोक सिंह का पुरा, खांडोली में किया गया। इस अवसर पर अपनी सेवा प्रदान करने वाले वेदांत हॉस्पिटल के डॉ अनुराग सिकरवार (एमडी मेडिसिन), डॉ हिमांशी (गायनोलॉजिस्ट), डॉ दीपेश सक्सेना (हड्डी रोग विशेषज्ञ), डॉ वीरेंद्र मौर्य (आई स्पेशलिस्ट), डॉ जयप्रकाश का सराहनीय सहयोग रहा। निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 500 से अधिक लोगों ने रजिस्ट्रेशन करा कर अपना उपचार कराया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष विष्णु अग्रवाल, पूर्व जनपद सदस्य रामधार सिंह गुर्जर, भूपेंद्र सिकरवार, कुक्कू सिकरवार एवं अन्य कांग्रेसीजन उपस्थित रहे।

चलित खाद्य प्रयोगशाला ने मुरैना शहर के प्रतिष्ठानों से जांच हेतु सैंपल लिए

सत्ता सुधार ■ मुरैना

कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ के निर्देशन तथा अभिहित अधिकारीए खाद्य सुरक्षा प्रशासन मुरैना के मार्गदर्शन में होली त्योहार को दृष्टिगत रखते हुए आमजन को शुद्ध एवं मिलावट रहित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने हेतु विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत चलित खाद्य प्रयोगशाला द्वारा मुरैना शहर के एमणएसण् रोड एवं बैरियल क्षेत्र स्थित विभिन्न प्रतिष्ठानों से मिठाइयों एवं अन्य खाद्य पदार्थों के नमूने जांच हेतु लिए गए। दुकानों पर

कार्यरत कर्मचारियों को व्यक्तिगत स्वच्छता पर्सनल हाइजीनद्ध के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा साफ-सफाई के साथ खाद्य सामग्री तैयार करने एवं विक्रय करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त एमएस रोड जौरा क्षेत्र में आम नागरिकों को पंपलेट वितरित कर उनमें उल्लेखित सरल परीक्षण विधियों की जानकारी दी गईए ताकि वे घर पर भी खाद्य पदार्थों की प्राथमिक जांच कर सकें। साथ ही पैक्ड खाद्य पदार्थ खरीदते समय उसकी समाप्ति तिथि एक्सपायरी डेट अवश्य जांचने की सलाह दी गई।

सर्वाइकल कैंसर का पहला टीका जिला अस्पताल में किशोरियों को लगाया मुफ्त

मुरैना। देश में हर साल सर्वाइकल कैंसर के कारण हजारों माता और बहनों को अपनी जान जवानी पड़ती है, लेकिन अब साइलेंट किलर के खिलाफ एक मजबूत ढाल तैयार की गई है। शनिवार को जिला अस्पताल में 14 से 15 वर्ष के बीच की किशोरियों के लिए एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान का आगाज हो गया है। इस अभियान का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अजमेर से सुबह इस राष्ट्रीय अभियान का शुभारंभ किया है। इस अभियान को जिला अस्पताल में भी महापौर और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने किशोरियों को टीका लगाकर शुभारंभ किया है। सिविल सर्जन ने बताया कि केंद्र सरकार के द्वारा देश भर में 14 साल से अधिक और 15 साल से कम उम्र की किशोरियों के लिए एचपीवी

टीकाकरण अभियान शनिवार को शुरू किया गया है। अभियान के पहले 90 दिनों में सभी किशोरियों जो कि14 वर्ष की आयु की है और जिन्होंने अपना 15 वा जन्मदिन नहीं मनाया है। वे सरकारी चिन्हित अस्पतालों में जाकर वैक्सीनेशन निःशुल्क लगवा सकती है।

ब्रीफ न्यूज

होली पर बच्चों की सुरक्षा और बोर्ड परीक्षार्थियों के भविष्य का रखें विशेष ध्यान

खंडवा। रंगों के पर्व होली के अवसर पर, जब जिले में बोर्ड परीक्षाएं भी संचालित हो रही हैं, न्यायपीठ बाल कल्याण समिति खंडवा ने नागरिकों से संयम, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ त्योहार मनाने की अपील की है। समिति के अध्यक्ष प्रवीण शर्मा (प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट समकक्ष) ने कहा कि होली प्रेम, सौहार्द और आनंद का प्रतीक है, लेकिन किसी भी बच्चे की सुरक्षा या परीक्षा दे रहे विद्यार्थियों की एकाग्रता प्रभावित न हो, इसका ध्यान रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। तेज ध्वनि, डीजे और अनियंत्रित उत्सव से विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित होती है। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि बच्चों को रासायनिक रंगों, ज्वलनशील पदार्थों और असुरक्षित स्थानों से दूर रखें तथा छोटे बच्चों की निगरानी अवश्य करें। समाजसेवी सुनील जैन एवं समिति अध्यक्ष प्रवीण शर्मा व समिति सदस्यों ने समिति ने बच्चों से अपील की है कि यदि किसी भी प्रकार की असुरक्षा, दबाव, छेड़छाड़ या परेशानी का सामना करना पड़े तो बिना झिझक चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर संपर्क करें। यह सेवा 24 घंटे निःशुल्क उपलब्ध है। इस दौरान समिति सदस्य मोहन मालवीय, रुचि पाटिल, स्वप्निल जैन एवं कविता पटेल उपस्थित रहे।

सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी निलंबित

खंडवा। पशु चिकित्सालय किल्लौद के सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी प्रतापसिंह भावस्कर को कलेक्टर जिला खंडवा द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम में लापरवाही बरतने पर उनके विरुद्ध यह कार्यवाही की गई है। निलम्बन काल में प्रतापसिंह भावस्कर का मुख्यालय उपसंचालक पशु चिकित्सा कार्यालय खण्डवा रहेगा। निलम्बन काल में इन्हे नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता रहेगी।

जिला प्रशासन द्वारा तीर्थ यात्रा की करायें जांचः गार्गव

हरदा। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत दिनाँक 3 मार्च से 6 मार्च तक पात्र व्यक्तियों को हरदा से अयोध्या एवं वाराणासी तीर्थ स्थल के दर्शन कराये जाने है इस यात्रा में सरकारी खर्च पर आम व्यक्तियों के लिए आयोजित कि जाने वाली यात्रा में लाभार्थी तीर्थ यात्रियों के रूप में जिला पंचायताध्यक्ष गजेन्द्र शाह उनकी पत्नी तथा पूर्व में टिमरनी विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी रही श्रीमति अंजना शाह, टिमरनी मंडल भाजपा अध्यक्ष अतुल बारंगे के पिता तथा जनपद पंचायत टिमरनी के सदस्य गौरीशंकर बारंगे एवं उनके अन्य परिवार जन सहित खिरकिया भाजपा नेता ललित पालीवाल एवं अनेक भाजपा कार्यकर्ता के नाम शामिल है। इस तरह से जिला प्रशासन द्वारा तैयार कि गयी सूचि में पात्र व्यक्तियों का नाम हटाकर भाजपाई एवं कार्यकर्ताओं का नाम शामिल किया है। यह आरोप लागते हुए प्रवक्ता आदित्य गार्गव ने कहा कि यह आम लोगो को तीर्थ दर्शन कराने के लिए बनाई गईयोजना है।

नर्मदा के तट पर स्थित तीर्थ सिद्धवर कूट में होली के अवसर पर धटयात्रा एवं बाहुबली भगवान का होगा मस्तकाभिषेक

सिद्धवरकुट में आध्यात्मिक रंगों की होली के अवसर पर वार्षिक मेला 4 मार्च को

सत्ता सुधार ■ खंडवा

दो चक्री दस कामकुमार मुनिराजों सहित साढ़े तीन करोड़ मुनिराजों की पावन निर्वाण भूमि मां नर्मदा रेवा तट पर स्थित खंडवा जिले के सिद्धक्षेत्र सिद्धवरकूट में दो एक दिवसीय वार्षिक मेला महोत्सव 4 मार्च होली के पावन अवसर पर विभिन्न धार्मिक आयोजन होंगे। समाजसेवी तीर्थ क्षेत्र के सदस्य सुनील जैन ने बताया कि परंपरानुसार सिद्ध क्षेत्र सिद्धवरकूट में एक दिवसीय मेला महोत्सव एवं श्री बाहुबली भगवान का मस्ताभिषेक कार्यक्रम के अंतर्गत विश्व शांति एवं सभी के कल्याण हेतु मंडल विधान पूजा, नित्य पूजन,अभिषेक, शांतिधारा, विमान यात्रा के साथ भगवान बाहुबली का

महामस्ताभिषेक एवं तीर्थ क्षेत्र के सभी मंदिरों के शिखरो पर केसरिया ध्वजा फहराई जाएगी। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि 4 मार्च को प्रातः मंगल गीत,नित्य नियम पूजा, मंडल विधान पूजा,रात्रि में आरती, सामायिक पाठ एवं कमल जैन संगीत पार्टी बड़वाह द्वारा संगीत मय मंडल विधान की पूजा के साथ भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। 4 मार्च को प्रातः 7:00 बजे नित्य पूजन,मूलनायक संभवनाथ भगवान का अभिषेक शांतिधारा, प्रातः 9:30 बजे मंडल विधान की विधान पूजा जीवन जैन मनीता जैन परिवार गोयल नगर इंदौर की ओर से आयोजित की गई हें। प्रातः 10:30 बजे रथ यात्रा एवं परिक्रमा स्थल का भूमि पूजन, प्रातः 11:30 बजे बजे से महामास्तव अभिषेक महामस्ताभिषेक एवं शीखरो पर ध्वजा रोहण किया जाएगा। पश्चात सभी के लिए वात्सल्य भोज का आयोजन समिति एवं सब के सहयोग से रखा गया है। सुनील जैन ने बताया कि 4 मार्च को ही होली के आध्यात्मिक रंगों के बीच अध्यात्म की होली के साथ प्रातः 11:30 बजे सिद्ध क्षेत्र में स्थित भगवान बाहुबली का महामस्ताभिषेक स्वर्ण एवं रजत कलशो के द्वारा डॉक्टर सुभाष जैन खंडवा, बाबूलाल जैन, विकास कासलीवाल भीकन गांव, संपत जैन, शांतिलाल जैन इंदौर, बाबूलाल जैन बाकलीवाल, पंकज जैन वीडियो करण जैन बैड़ीयाव, प्रवीण जैन पुनासा, निलेश कासलीवाल राहुल बाकलीवाल रविवार द्वारा किया जाएगा। साथ ही तीर्थ क्षेत्र के सभी मंदिरों के शिखरो पर श्रद्धालुओं द्वारा केसरिया ध्वजा चढ़ाई जाएगी। तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टी एवं अध्यक्ष अमित कासलीवाल, ट्रस्टी महामंत्री विजय काला, उपाध्यक्ष ट्रस्टी संतोष जैन, ट्रस्टी मेला संयोजक बाबूलाल जैन, राष्ट्रीय विधि संयोजक कैलाशचंद जैन, आवास संयोजक अमरीश कुमार चौधरी, आशीष चौधरी प्रचार संयोजक राजेंद्र जैन महावीर, सुनील जैन, प्रेंमाशु जैन, महेंद्र सराफ, ललित बडजात्या, योगेंद्र सेठी, सुभाष सांवरिया एवं तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टी एवं पदाधिकारीयो ने निमाड मालवा के सभी सामाजिक बंधुओ से तीर्थ क्षेत्र में आयोजित एकदिवसीय मेले में उपस्थित होकर पुण्य प्राप्त करने का अनुरोध किया है।

किसानों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता सेः जवाहर कास्दे

आधुनिक कृषि यंत्रों से किसानों की आय दोगुना करने की पहल, एक वर्ष कार्यकाल पूर्ण होने पर किया सम्मान

सत्ता सुधार ■ हरदा

किसानों की समस्याओं के समाधान और शासन की गाइडलाइन का पालन करते हुए बेहतर ढंग से सुविधाओं को प्रदान करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किया जा रहा है। खाद, बीज वितरण और बीमा के साथ-साथ खरीदी केंद्रों में किसानों को बेहतर सुविधा मिले उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो उसको ध्यान में रखते हुए विशेष कदम उठाये जा रहे हैं। यह जानकारी जवाहरलाल कास्दे, उप संचालक, कृषि विभाग हरदा ने पत्रकार प्रमोद सोमानी से चर्चा के दौरान दी।

पर्याप्त खाद बीज का वितरणः श्री कास्दे ने बताया कि आवश्यकता जरूरत को ध्यान में रखते हुए प्राथमिकता के आधार पर खाद बीज के बेहतर वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। लाइन के माध्यम से पूरी पारदर्शिता से खाद बीज का वितरण हो उसको ध्यान में रखते हुए विशेष पहल की गई। दिव्यांगों और महिलाओं को विशेष सुविधा दी गई है।

नरवाई जलाने पर रोकः श्री कास्दे ने कहा कि किसानों को जागरूक करके के नरवई जलाने पर रोक लगाने की पहल की जा रही है। नरवई जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी देकर उन्हें समझाईश देकर इस दिशा में विशेष प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीण अंचल में विभाग की टीम जाकर किसानों को सुझाव देकर प्रेरित करती है । नरवई न जलाने की सलाह देकर उनसे अपील की जा रही है।

बीमा का लाभ दिलाने पर जोरः बीमा कंपनी किसानों को बीमा का लाभ शासन की गाइड लाइन के अनुरूप प्रदान करें इस पर विशेष जोर दिया जा रहा है। बीमा के लाभ से कोई किसान वंचित न हो जरूरतमंदों को तय नियम के अनुसार बीमा का लाभ निर्धारित समय में मिले इस के लिए विशेष पहल की जाती है। बीमा कंपनी के अधिकारियों के साथ बैठक करके और शासन के दिशा-निर्देशों का पालन करवाने पर विशेष जोर दिया जाता है।

खरीद केंद्रों में पूरी पारदर्शिता

खरीदी केंद्रो में पूरी पारदर्शिता से सारा कार्य हो। उस पर निगरानी की जाती है अभी पंजीयन का कार्य चल रहा है। पंजीयन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद आवश्यक संसाधनों की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जायेगी ताकि किसानों को कोई परेशानी न हो । समर्थन मूल्य पर खरीदी और भुगतान कार्यवाही समय सीमा में हो इस पर विशेष फोकस रहेगे। किसानों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से हो इस पर विशेष जोर दिया जायेगा। सभी अधिकारियों कर्मचारियों के सहयोग से शासन की योजनाओं का भरपूर लाभ किसानों को दिलाया जाता है। आधुनिक कृषि यंत्रों का भरपूर उपयोग करके खेती से आय को दोगुना और लाभकारी बनाने पर विशेष जोर दिया जाता है। मूंग, उड़द की खेती को फसल चक्र को ध्यान में रखते हुए कटवाने का प्रयास किया जायेगा । अन्य फसलों की खेती करने के लिए प्रेरित किया जायेगा सुविधाएं उपलब्ध करवाई जायेंगी।

एक वर्ष कार्यकाल पूर्ण होने पर किया सम्मान

उपसंचालक श्री कास्दे का 1 वर्ष का कार्यकाल उल्लेखनीय रहा । सम्मान समारोह का आयोजन तो नहीं किया गया। लेकिन इस अवसर पर विभागीय कर्मचारियो में खुशी का माहौल है इस अवसर पर गणेश शंकर विद्यार्थी प्रेस क्लब के जिलाध्यक्ष प्रमोद सोमानी एवं उपाध्यक्ष अलोक पटेल सहित अन्य पदाधिकारियों ने कार्यालय पहुंचकर अधिकारी का पुष्पमालाओं से अभिनंदन किया और शुभकामनाएं दीं। अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि कृषि क्षेत्र जिले की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और विभाग की सक्रियता से किसानों में जागरूकता बढ़ी है। उपाध्यक्ष ने भी अधिकारी की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सकारात्मक सोच और समन्वयात्मक कार्यप्रणाली से विभागीय कार्यों में पारदर्शिता आई है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने मिलकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की और विभागीय उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त की।

नौकरी तलाशने वाले नहीं अवसर निर्मित करने वाले बनेः डॉ परस्ते

हरदा। युवाओं को आत्मनिर्भरता, स्वरोजगार और उद्यमिता के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से शासकीय आदर्श महाविद्यालय हरदा के स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा स्वालंबन की दिशाः उद्यमिता और कौशल विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्राचार्य विजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का प्रारम्भ प्रकोष्ठ प्रभारी प्रो. सोनाली चौहान द्वारा अतिथियों के स्वागत एवं विषय परिचय से हुआ, जिसमें उन्होंने युवाओं के लिए कौशल विकास और आत्मनिर्भरता की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. राकेश परस्ते प्रभारी, कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हरदा से वर्चुअल जुड़े । अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि नियमित अध्ययन के साथ-साथ विद्यार्थियों को आय के वैकल्पिक स्रोत विकसित करने, आर्थिक स्वतंत्रता की दिशा में कार्य करने तथा अपनी अंतर्निहित प्रतिभा और कौशल को पहचानकर नवाचार आधारित स्टार्टअप प्रारम्भ करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। समय आवश्यक पूंजी, कैलकुलेटेड जोखिम, संसाधनों की उपलब्धता तथा स्थानीय मांग के अनुरूप नवाचार पर विशेष ध्यान देने की बात कही।उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं जैसे स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया तथा प्रधानमंत्री मुद्रा योजना आदि का लाभ उठाकर युवाओं को अपना उद्यम स्थापित करने की सलाह दी। डॉ परस्ते ने युवाओं से चुनौतियों के प्रति भी सजग रहने और आत्मविश्वास बनाए रखने की सलाह दी। कार्यक्रम के दौरान तकनीकी सहयोग डॉ. गुणवन माकोड़े द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. दिनेश ब्राह्मणे ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. मोनिका आहूजा द्वारा व्यक्त किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. महेंद्र सिरोही सहित समस्त शैक्षणिक स्टाफ एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यशाला ने विद्यार्थियों में आत्मनिर्भरता, उद्यमिता और कौशल आधारित करियर के प्रति नई ऊर्जा और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित किया।

सेवन्ती बाई का वर्षों पुराना सपना साकार हुआ

'मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना' के तहत खण्डवा जिले के वृद्धजन अयोध्या के लिए हुए रवाना

सत्ता सुधार ■ खंडवा

प्रदेश सरकार की 'मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना' गरीब परिवारों के बुजुर्गों के लिए वरदान साबित हो रही है। जो वृद्धजन गरीबी के कारण तीर्थयात्रा नहीं कर पा रहे थे, उनके लिए यह योजना एक स्वर्ण अवसर की तरह है। खण्डवा जिले के ग्राम रांजनी निवासी 70 वर्षीय सेवन्ती बाई ने तीर्थयात्रा के लिए रवाना होने से पूर्व भावुक होकर बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी न होने से वह पूरे जीवनकाल में एक भी तीर्थयात्रा नहीं कर पाई थी।

सेवन्ती बाई ने बताया कि 'मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना' के तहत अयोध्या तीर्थयात्रा की खबर उसने सुनी, तो इस यात्रा के बारे में पता लगाया और तहसील के माध्यम से आवेदन कर दिया। आज उसे अयोध्या तीर्थयात्रा करने का अवसर मिल रहा है। यह सोचकर सेवन्ती बाई बहुत खुश है कि उसे अयोध्या में रामलला के दर्शन होंगे और वह धन्य हो जाएगी। डिप्टी कलेक्टर दिनेश सावले ने बताया कि 'मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना' के तहत खण्डवा जिले के वरिष्ठ नागरिक अयोध्या की तीर्थ यात्रा के लिए शुक्रवार को खण्डवा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 6 से रवाना हुए। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सभी तीर्थयात्रियों को लेकर विशेष रेलगाड़ी 2 मार्च को खण्डवा वापस आएगी। इस अवसर पर वृद्धजन तीर्थयात्रियों के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं।

जिले में एचपीवी वैक्सीनेशन कार्यक्रम की शुरुआत

खंडवा। सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव के लिए खंडवा जिले में HPV (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) वैक्सीनेशन कार्यक्रम की शुरुआत कर दी गई है। इस अभियान के तहत जिले की 16 हजार से अधिक किशोरी बालिकाओं को नि :शुल्क HPV वैक्सीन लगाई जाएगी। कार्यक्रम की शुरुआत खंडवा जिला चिकित्सालय सहित जिले के 7 स्वास्थ्य केंद्रों पर की गई है। पहले चरण में राज्य शासन द्वारा 9 हजार वैक्सीन उपलब्ध कराई गई हैं, जिनके माध्यम से प्रारंभिक टीकाकरण किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने जानकारी देते हुए बताया कि यह वैक्सीनेशन अभियान किशोरी बालिकाओं के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वैक्सीन से भविष्य में होने वाले कैंसर के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभिभावकों से अपील की गई है कि वे अपनी पात्र बेटियों को नजदीकी टीकाकरण केंद्र पर लाकर समय पर वैक्सीन जरूर लगवाएं।

सर्वाइकल केंसर से बचाव के लिए बेटियों को लगा एचपीवी वैक्सीन

सत्ता सुधार ■ हरदा

जिले में सर्वाइकल कैंसर के विरूद्ध राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान प्रारंभ किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच.पी.सिंह ने बताया कि जिला चिकित्सालय के डीईआईसी में प्रथम दिवस 21 बालिकाओं को टीका लगाकर अभियान को जिले में प्रारंभ किया गया।

राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान से किया । इस अवसर पर जिला चिकित्सालय में आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान के अजमेर में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया ।

डीआईओ डॉ.जी.एस.कुशवाहा ने बताया कि जिले की सभी

बालिकाएं, जिनकी आयु 14 वर्ष हैं, उन सभी को यह वैक्सीन लगाया जावेगा। प्रथम चरण में हरदा जिले को एचपीवी वैक्सीन के 4232 डोस प्राप्त हुए हैं । टीकाकरण सत्र के दौरान बालिकाओं का पंजीयन, परामर्श पश्चात टीकाकरण किया गया । इस दौरान डॉ विजेन्द्र धनवारे, डीपीएम दिनेश चौहान, एपीएम एम.एम.मालवीय, वीसीसीएम उत्तम गोस्वामी, डीईआईएम आशीष साकल्ले, सुश्री मीना पंदराम, सुश्री मीरा महोबिया, नीरज मालवीय, जितेन्द्र सूर्यवंशी, नगरीय क्षेत्र की एएनएम एवं आशा कार्यकर्ता उपस्थित रही ।

होली के अवसर पर समूहों ने महिला बस्ती गृह के पास मॉडल आंगनवाड़ी के समीप प्राइम लोकेशन पर लगाया आजीविका उत्पाद मेला

वोकल फॉर लोकल' की भावना को अपनाना समय की आवश्यकताः विधायक मलैया

सत्ता सुधार ■ दमोह

होली पर्व के मद्देनज़र महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा आयोजित आजीविका मेले को जनप्रतिनिधियों और प्रशासन का भरपूर समर्थन मिल रहा है। मेले में स्थानीय स्तर पर निर्मित हर्बल गुलाल, नमकीन, गुजिया, खोया, घी सहित विभिन्न उत्पाद आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। ज्ञात हो कि इस बार होली के अवसर पर महिला बस्ती गृह के पास मॉडल आंगनवाड़ी के समीप प्राइम लोकेशन पर मेला लगाया गया है।मेले के शुभारंभ अवसर दमोह विधायक एवं पूर्व मंत्री जयंत मलैया ने मेले का अवलोकन करते हुए इसे सराहनीय पहल बताया। उन्होंने कहा कि 'वोकल फॉर लोकल' की भावना को अपनाना समय की आवश्यकता है। हमारा स्थानीय सामान अगर हम नहीं खरीदेंगे, तो कौन खरीदेगा, यह हमारे देश के प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री की सोच है कि जो यहाँ बने, उसे खरीदें। उन्होंने मेले में उपलब्ध खाद्य सामग्री

का स्वाद लेकर उसकी गुणवत्ता की सराहना करते हुए कहा कि उत्पाद अंतरराष्ट्रीय स्तर के निर्माताओं से कम नहीं हैं।

इसी क्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता गौरव पटेल ने बताया कि मेले में उपलब्ध गुलाल पूरी तरह हर्बल तरीके से तैयार किया गया है। नमकीन, गुजिया, खोया और घी जैसे उत्पाद भी स्वच्छता और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए बनाए गए हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि अधिक से अधिक संख्या में मेले में पहुँचकर ऑर्गेनिक और हाइजीनिक उत्पादों की खरीदारी करें। जब तक हम इन उत्पादों को अपने जीवन में शामिल नहीं करेंगे, तब तक इन महिलाओं को स्थायी रोजगार नहीं मिलेगा। हमें इनके हाथों को और सशक्त बनाना है, ताकि 'नारी सशक्तिकरण' का सपना साकार हो सके।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष मंजू धर्मेन्द्र कटारे ने कहा कि आजीविका मिशन के माध्यम से आयोजित यह मेला महिलाओं को स्थानीय दायरे से निकालकर जिले, प्रदेश और देश स्तर तक पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने सुझाव दिया कि स्व-सहायता समूहों के उत्पादों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर जोड़ा जाए, जिससे उनकी मांग और उत्पादन दोनों में वृद्धि हो और अधिक से अधिक लोग उनसे जुड़ सकें।कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने बताया कि दीपावली पर तहसील ग्राउंड में आजीविका मेला आयोजित किया गया था, जबकि इस बार होली के अवसर पर महिला बस्ती गृह के पास मॉडल आंगनवाड़ी के समीप प्राइम लोकेशन पर मेला लगाया गया है। उन्होंने कहा कि यहाँ होली से संबंधित सभी सामग्री रंग, मिठाइयाँ और गुझिया उचित दामों पर एवं शुद्ध गुणवत्ता के साथ उपलब्ध हैं। कलेक्टर श्री कोचर ने जिलेवासियों से अपील की कि वे होली की खरीदारी के लिए मेले में अवश्य आएँ। यदि नागरिकों की मांग अच्छी रही तो मेले को 'रंगपंचमी' तक बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे स्व-सहायता समूह की महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और 'लोकल को वोकल' बनाने की दिशा में सार्थक कदम साबित होगा।कार्यक्रम में जिला परियोजना प्रबंधक शैलेंद्र श्रीवास्तव, डीएम अरविंद चंदेल, डीएम सतीश शर्मा, ब्लॉक प्रबंधक राजेंद्र उपाध्याय, सिद्धार्थ तांबे, विनीत कुमार कार्यक्रम का मंच संचालन ब्लॉक प्रबंधक जबेरा धर्मेंद्र मिश्रा के द्वारा किया गया और आभार प्रदर्शन एडीएम दिग्विजय सिंह पटेल के द्वारा किया गया द्य मेले में हर्बल गुलाल, ठंडाई, गुजिया, नमकीन, खोवा, घी ,बताशे, मल्टी ग्रेन आटा, बांस बर्तन, सत्तू, फलाहार नमकीन आदि मुख्य आकर्षण है।

चारूवा मेले में हेल्प डेस्क का आयोजन

हरदा। चारूवा मेला प्रांगण में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के हेल्प डेस्क का आयोजन शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष एवं सत्र न्यायाधीश अरविंद रघुवंशी के आदेशानुसार और जिला विधिक सेवा, प्राधिकरण सचिव न्यायाधीश चन्द्रशेखर राठौर, व्यवहार न्यायाधीश तहसील अध्यक्ष मोहित श्रीवास्तव के निर्देशानुसार व जिला विधिक सहायता अधिकारी सौरभ दुबे के मार्गदर्शन मे चारूवा गुप्तेश्वर मेले में, हेल्प डेस्क, के माध्यम से मेले में आए हुए दर्शननार्थियों, को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा संचालित सभी योजनाओं की जानकारियां प्रदान की जा रही है। पैरा लीगल वालंटियर, संजय गंगराड़े, संजय नामदेव, दीपेंद्र देवड़ा के द्वारा बताया गया कि न्याय से वंचित न रहे अंतिम छोर के व्यक्ति को भी शासन की सभी योजनाओं का लाभ एवं न्याय प्राप्त हो । गांव गांव जाकर एवं आदिवासी अंचलों में पहुंचकर ग्रामीण जनों को विधिक योजनाओं की जानकारियां प्रदान कर रहे हैं। जिला विधिक योजनाओं की जानकारी एवं सहायता प्रदान करने के लिए आप टोल फ्री नंबर 15100 पर कॉल लगाकर सहायता भी प्राप्त कर सकते हैं, इस अवसर पर मेला कमेटी सभी सदस्य गण उपस्थित रहे।

खटीक समाज के शैलेंद्र केथोरिया पर झूठी रिपोर्ट एवं खटीक समाज का अपमान करने को लेकर सोपा ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ बीना(सागर)

शनिवार को बीना में खटीक समाज एकत्रित होकर तहसील परिसर पहुंची और और जमकर नारेबाजी की मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार अंबर पंथी को ज्ञापन सोपा, जिसमें उन्होंने उल्लेख किया कि स्वामित्व की जमीन होने के बावजूद भी कुछ बाहुबली ने शैलेंद्र केथोरिया के साथ अभद्र व्यवहार एवं मारपीट की एवं ज्ञापन के दौरान उन्होंने खटीक समाज को अप शब्द कहें। एवं शैलेंद्र केथोरिया के खिलाफ झूठी रिपोर्ट दर्ज करवाई । झूठी रिपोर्ट को समाप्त किया जाए एवं अप शब्द कहने वालों को खुले मंच से खटीक समाज से माफी मांगना होगी अन्यथा हम लोग भी आंदोलन के लिए बाध्य

होंगे।दरअसल गुरुवार को ग्राम बिल्धई बुजुर्ग में जमीन के विवाद को लेकर महेंद्र कपूर एवं शैलेंद्र कथरिया के बीच विवाद हो गया था जिसको लेकर शुक्रवार को किसानों के साथ मिलकर नायब तहसीलदार को ज्ञापन सोपा और पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। खटीक समाज का कहना था कि खटीक समाज को अपमानित किया गया एवं शैलेंद्र कैथोरिया के साथ मारपीट होने के बावजूद उसी के खिलाफ पुलिस रिपोर्ट दर्ज करवाई गई जो कि गलत है एवं खटीक समाज के प्रति अब शब्दों का इस्तेमाल किया गया अतः उन्हें सार्वजनिक मंच से माफी मांगना चाहिए एवं पुलिस में जो रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है उसे समाप्त किया जाए अन्यथा आंदोलन करने के लिए हम लोग बाध्य होंगे ज्ञापन सौंपने के दौरान खटीक समाज के अध्यक्ष नवीन कैथोरिया, विनोद भिलवारे, भूपेंद्र केथोरिया, हेमंत केथोरिया, मोहन रत्नाकर, जयकुमार वागवार, एवं अनेक खटीक समाज के लोग मौजूद रहे।जमीन पर कब्जा को लेकर गुरुवार शाम ग्राम बिल्धई बुजुर्ग निवासी किसान महेंद्र कपूर के साथ बीना निवासी शैलेंद्र कैथोरिया ने मारपीट कर दी। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज किया है। वहीं शुक्रवार को किसानों के साथ कार्रवाई की मांग को लेकर तहसील पहुंचे और एसडीएम के नाम नायब तहसीलदार हेमराज को ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की। इससे पहले किसानों ने तहसील में जमकर नारेबाजी की।

सागर एलिवेटेड कॉरिडोर का नाम होगा 'अटल पथ'

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के सम्मान में नामकरण प्रस्ताव को स्वीकृति

सत्ता सुधार ■ सागर

नगर निगम परिषद का साधारण सम्मेलन निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार, महापौर श्रीमती संगीता सुशील तिवारी, निगमायुक्त राजकुमार खत्री एवं सभी पार्षदों की उपस्थिति में आयोजित किया गया जिसमें नगर विकास एवं सौंदर्यीकरण के विभिन्न विषयों पर चर्चा उपरांत निर्णय लिए गए।टाटा प्रोजेक्ट अंतर्गत किये जा रहे कार्यों के संबंध में चर्चा करते हुये महापौर श्रीमति संगीता सुशील तिवारी ने कहा कि टाटा प्रोजेक्ट के अधिकारियों द्वारा कार्य में लगातार लापरवाही बतरी जा रही है जिस कारण वार्डो की समस्यायें समाप्त नहीं हो रही है, टाटा को हमेशा ही पार्षदों से संपर्क करने के लिये हर बार कहा जाता है परंतु उनके द्वारा पार्षदों से संपर्क नहीं किया जा रहा है, अगर एक माह के अंदर टाटा द्वारा पेयजल व्यवस्था में सुधार नहीं किया जाता है तो उनके विरूद्व कठोर कार्यवाही की जाये।

निगमायुक्त राजकुमार खत्री ने कहा कि परिषद को लगता है कि टाटा द्वारा पेयजल की समस्या का ठीक तरह से समाधान नहीं किया जाता है तो अंतिम मौका देते हुये नियमानुसार कार्यवाही की जाये। एम.पी.यू.डी.सी., टाटा एवं नगर निगम के बीच अनुबंध का अध्ययन किया जाये। उन्होने कहा कि गर्मी के मौसम में आवश्यकता अनुसार पेयजल की व्यवस्था हेतु टेंकर की व्यवस्था की जावेगी।

निगमाध्यक्ष वृन्दावन अहिरवार ने कहा कि सभी पार्षदों की समस्यायें एवं चर्चा उपरांत निर्णय लिया गया कि टाटा प्रोजेक्ट एक माह के भीतर पार्षदों से संपर्क कर सभी समस्याओं का समाधान करें अगर उनके द्वारा एक माह में समस्याओं का समाधान नही किया जाता है तो कठोर कार्यवाही प्रस्तावित की जायेगी। इस संबंध में निगमायुक्त राजकुमार खत्री ने कहा कि सीवर योजना आकार कंसल्सटेंड के इंजी.राजेन्द्र सिलाकारी द्वारा बनायी गई थी

इस संबंध में मैनें पत्र के माध्यम से संपूर्ण जानकारी मांगी है। इंजी.राजेन्द्र सिलाकारी ने योजना के संबंध में जानकारी दी।निगमायुक्त राजकुमार खत्री ने कहा कि सीवर प्रोजेक्ट में कई वार्डो में पाईप लाईन नहीं बिछायी गई है, जिन स्थानों पर सीवर लाईन डाली जाना है, वहॉ के पार्षद लिखकर दे दें तो अमृत योजना 3.0 में शामिल कर लेंगे। सागर एलीवेटेड कॉरीडोर का नाम अटल पथ करने के संबंध में महापौर परिषद प्रस्ताव कमांक 14 दिनांक 30. 01.2026 के अनुसार स्वीकृति प्रदान की गई। निगम परिषद स्थगित सम्मिलन प्रस्ताव क्रमांक 12 दिनांक 27.09.2025 मधुकरशाह वार्ड स्थित लाल स्कूल के सामने वाले पार्क का नामकरण भारत चौक बाल उद्यान पार्क किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई। निर्माणाधीन डी.डी. काम्पलेक्स कटरा बाजार सागर की शेष दुकानों के आवंटन हेतु तेरहवीं बार ई-निविदा जारी की गई। जिसमें दुकान क्रमांक 10 प्रथम तल एवं दुकान कमांक 18 भू-तल को निविदा समिति के प्रतिवेदन अनुसार उच्चतम आफर की महापौर परिषद की अनुशंसा अनुसार स्वीकृति प्रदान की गई।परिषद के अंत में लाजपतपुरा वार्ड पार्षद अब्दुल नईम खान, काकागंज वार्ड पार्षद भरत माते के पिता, एम.आई.सी.सदस्य श्रीमति कंचन सोमेश जड़िया की पिता एवं निगम सचिव मुन्नालाल रैकवार के पिता मल्लू रैकवार के निधन पर दो मिनिट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

विधायक पं. बृज बिहारी पटेरिया के जन्मदिन पर 101 लोगों ने किया रक्तदान

सत्ता सुधार ■ देवरी(सागर)

देवरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक पं. बृज बिहारी पटेरिया का 64वां जन्मदिन इस वर्ष विशेष रूप से 'कार्यकर्ता सम्मान दिवस' के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्रभर से आए कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया, वहीं 101 लोगों ने रक्तदान कर जन्मदिन को सेवा और समर्पण का स्वरूप दिया।

विधायक पटेरिया ने कहा कि वर्ष 2013 से 2023 तक कार्यकर्ताओं की अपेक्षाओं और संघर्षों को उन्होंने स्वयं महसूस किया है। इसी अनुभव के आधार पर उन्होंने अपने जन्मदिन को कार्यकर्ताओं के सम्मान को समर्पित किया। उन्होंने पोलिंग बूथ स्तर से लेकर संगठन के विभिन्न दायित्व निभाने वाले कार्यकर्ताओं का अभिनंदन कर उनका आभार व्यक्त किया।

कार्यकर्ता सम्मान दिवस के रूप में मनाया 64वां जन्मदिन, करोड़ों की विकास सौगातें गिनाईं - कई कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपा में शामिल

जन्मदिन के अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर में 101 लोगों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया, जिसे विधायक ने समाज के प्रति एक बड़ा पुण्य कार्य बताया।

विधायक पटेरिया ने अपने एक वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि उन्होंने क्षेत्र के 72 जरूरतमंद लोगों के इलाज के लिए मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से 51 लाख 65 हजार रुपये की राशि स्वीकृत कराई है। इसके अतिरिक्त शासन स्तर पर लंबित कार्यों के लिए 15 करोड़ रुपये जारी कराए गए हैं। विभिन्न विभागों से स्वीकृत कराए गए विकास कार्यों के लिए 181 करोड़ 22 लाख रुपये की स्वीकृति दिलाई गई है।

वहीं वर्ष 2024-25 में विधायक विकास निधि से लगभग ढाई करोड़ रुपये के कार्य स्वीकृत कराए गए हैं। कार्यक्रम के दौरान भाजपा की नीतियों और विधायक पटेरिया के कार्यों से प्रभावित होकर कांग्रेस के करीब एक दर्जन से अधिक कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

मेवों से भी महंगा गुटखा: पाऊचों में बिकता जहर, सेहत और जेब दोनों पर वार

राजश्री और किसान गुटखा के दाम आसमान पर; एमआरपी से अधिक वसूली के आरोप, कृत्रिम किल्लत की आशंका

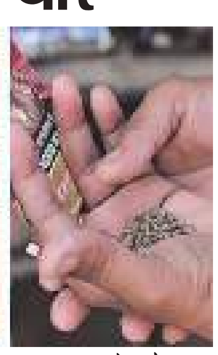

सत्ता सुधार ■ सागर

जिले, तहसीलों और गांव-गांव में सेहत के लिए घातक गुटखा पाऊचों की बिक्री चरम पर है। लोग पौष्टिक आहार छोड़कर इन जहरीले पाऊचों की चपेट में आ रहे हैं और अपनी सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। खासतौर पर राजश्री गुटखा और किसान गुटखा के दामों को लेकर बाजार में चर्चा तेज है।

जानकारी के अनुसार, सेहत बनाने वाले काजू और बादाम के दाम जहां 700 से 1,100 रुपये प्रति किलो के बीच हैं, वहीं गुटखा 1,200 रुपये प्रति किलो से भी अधिक में बिक रहा है। यानी शरीर को ताकत देने वाली चीजों से महंगा वह जहर हो गया है, जो कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों को बढ़ावा देता है।

जागरूकता की कमी से बढ़ रहा खतरा

बाजार के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। छोटा पाऊच 5 से 8 रुपये, मझला पाऊच 20 से 25 रुपये और बड़ा पाऊच 40 से 50 रुपये तक बेचा जा रहा है। कई स्थानों पर अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) से ज्यादा वसूली की शिकायतें सामने आ रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जागरूकता की कमी के कारण लोग तंबाकू उत्पादों के दुष्परिणामों को नजरअंदाज कर रहे हैं, जिसका सीधा असर उनके स्वास्थ्य और परिवार की आर्थिक स्थिति पर पड़ रहा है।

कृत्रिम किल्लत बनाकर मुनाफाखोरी?

सूत्रों के मुताबिक, एजेंसी संचालकों, बड़े सप्लायरों और थोक व्यापारियों की मिलीभगत से कृत्रिम किल्लत पैदा कर कीमतें बढ़ाने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, इस पर जिम्मेदार विभागों की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। जिले के चौराहों और बाजारों में खुलेआम बिक्री हो रही है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सन्नाटा पसरा हुआ है।

स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव

चिकित्सकों के अनुसार गुटखा सेवन से मुंह का कैंसर, पेट की गंभीर बीमारियां, हृदय रोग और टीबी जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। गरीब और मजदूर वर्ग अपनी मेहनत की कमाई का बड़ा हिस्सा इस लत में गंवा रहा है, और बाद में इलाज में भी भारी खर्च उठाना पड़ता है।विशेषज्ञों का मानना है कि जो धन बच्चों की पढ़ाई और भविष्य निर्माण पर खर्च होना चाहिए, वह नशे की आदत और मुनाफाखोरों की तिजोरियों में जा रहा है। यह केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक तबाही का संकेत है।

थोक व्यापारियों की सफाई

इस मामले में सुरेश मोहनानी, (राजश्री गुटखा के थोक व्यापारी) का कहना है कि गुटखे के दाम नहीं बढ़े हैं। उनके अनुसार, 'रेट पहले जैसे ही हैं, केवल वजन कम हुआ है। अगर पान मसाला विक्रेता ज्यादा दाम में बेच रहे हैं तो इसमें हमारी क्या जिम्मेदारी? '

वहीं कार्तिक वाधवानी, (किसान गुटखा के थोक व्यापारी) ने भी कहा कि उनके यहां से दुकानदार पुराने दामों पर ही माल ले जा रहे हैं। बाजार में अधिक दाम पर बिक्री हो रही है तो इसके लिए खुदरा विक्रेताओं से पूछा जाना चाहिए।

देवरी में एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

14 वर्षीय किशोरी को पहला टीका, 14 वर्ष तक की बालिकाओं को नि:शुल्क सुरक्षा

देवरी(सागर)।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) देवरी में आज सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया। डॉ. अर्चना मैडम एवं डॉ. अंकुर मैडम (कायाकल्प एसेसर) की उपस्थिति में एएनएम कलावती ने 14 वर्षीय किशोरी को एचपीवी का पहला टीका लगाकर अभियान की शुरुआत की तथा प्रमाण पत्र प्रदान किया।

28 फरवरी से निःशुल्क टीकाकरणः बीएमओ डॉ. अर्चना शरण ने बताया कि 28 फरवरी 2026 से 14 वर्ष से 14 वर्ष 11 माह तक की बालिकाओं को सीएचसी देवरी में निःशुल्क एचपीवी टीका लगाया जाएगा। बाजार में लगभग 4000 रुपये कीमत वाली यह वैक्सीन शासन की मंशा अनुसार निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। अभिभावकों से अपील की गई है कि निर्धारित आयु की बालिकाओं को आधार कार्ड एवं मोबाइल नंबर के

साथ टीकाकरण हेतु अवश्य लाएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ममता तिमोरी ने जानकारी दी कि केंद्र सरकार मार्च से सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम हेतु राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान प्रारंभ करने जा रही है। यह अभियान विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की सिफारिशों के अनुरूप सिंगल डोज प्रणाली पर आधारित होगा। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. आशीष जैन ने बताया कि इस अभियान में Gardasil नामक क्वाड्रिवैलेंट एचपीवी वैक्सीन का उपयोग किया जा रहा है, जो HPV के प्रकार 16, 18, 6 और 11 से सुरक्षा प्रदान करती है। यह नॉन-लाइव वैक्सीन है और इससे संक्रमण का खतरा नहीं होता। वर्ष 2006 से अब तक महिलाओं में दूसरा सबसे आम कैंसर सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में स्तन कैंसर के बाद दूसरा सबसे आम कैंसर है।

निगम आयुक्त ने करों की राशि जमा करने हेतु अवकाश के दिनों में काउंटर खोलने के निर्देश दिए

सागर। नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री ने नागरिकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए नगर निगम के संपत्तिकर, जलकर, कचरा प्रबंधन शुल्क, दुकानों का किराया सहित अन्य समस्त करों की राशि जमा करने के लिए मार्च माह में अवकाश के दिनों में भी काउंटर संचालित करने के निर्देश दिए हैं। निगमायुक्त श्री खत्री ने राजस्व अधिकारी बृजेश तिवारी को निर्देशित किया है कि वित्तीय वर्ष की समाप्ति को ध्यान में रखते हुए करदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए अवकाश के दिनों में भी निगम कार्यालय में निर्धारित समय पर काउंटर खुले रहें। साथ ही सभी कर संग्राहकों को अपने-अपने वार्डों में बकायादारों से संपर्क कर बकाया राशि शीघ्र जमा कराने हेतु प्रेरित करने के निर्देश दिए गए हैं। निगमायुक्त ने कहा कि 31 मार्च के पूर्व करों की राशि जमा कर नागरिक अतिरिक्त अधिभार एवं दोगुनी कर राशि जैसी वैधानिक कार्रवाई से बच सकते हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे वित्तीय वर्ष समाप्त होने से पहले अपने समस्त बकाया कर जमा कर नगर निगम के विकास कार्यों में सहभागी बनें।

गैस टैंकर की टक्कर से पिता की मौत, बेटा गंभीर; आक्रोशित ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

खुरई(सागर)। खिमलासा थाना क्षेत्र के खड़ेसरा गांव के पास शनिवार को एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार पिता की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनका पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम लौंगर निवासी रामपाल राजपूत (49) अपने बेटे धर्मपाल के साथ

अशोकनगर के रेहटवास से वापस अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान खड़ेसरा के पास एक तेज रफ्तार गैस टैंकर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि रामपाल की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे से गुस्साए ग्रामीणों ने टैंकर चालक की लापरवाही के खिलाफ शव सड़क पर रखकर चक्काजाम कर दिया। तनाव की स्थिति देखते हुए खिमलासा, बीना और आगासौद पुलिस बल मौके पर पहुँचा और ग्रामीणों को समझाकर जाम खुलवाया। घायल धर्मपाल को बीना सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने टैंकर जब्त कर चालक के खिलाफ कार्यवाही की ।

कचरा खुद बोलेगा मैं किसका हूं अभियान के तहत सड़क किनारे पड़े कचरे से पता रोहित यादव पर किया गया 500 रूपये का जुर्माना

सागरवासी सागर को स्वच्छता में अव्वल बनाने के लिए छोटी-छोटी आदतों में सुधार कर सहयोगी बने : निगमायुक्त

सत्ता सुधार ■ सागर

सागर शहर को स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में अव्वल बनाने के प्रयास निगमायुक्त राजकुमार खत्री के मार्गदर्शन में तेज कर दिये गये हैं। उक्त संदर्भ में लगातार बैठकें आहूत की जा रहीं हैं बैठकों में दिये गये निर्देशानुसार शहर भर में स्वच्छता गतिविधियों में गति आई है। सड़क नाले-नाली की सफाई हो या निर्माणकार्य सौन्दर्यकार्य सभी तेजी से सम्पन्न करायें जा रहे हैं। नागरिकों से सतत सम्पर्क कर स्वच्छता में सहभागिता हेतु जागरूक किया जा रहा है ऐसे में कुछ रहवासियों द्वारा लापरवाही बरती जा रही है।लापरवाही करने वालों पर सख्त जुर्माने की कार्यवाही की जावेगी। शनिवार को नगर पालिक निगम के सफाई मित्र द्वारा

कालीचरण चौराहे के पास सड़क किनारे पड़ा कचरा देखकर उसकी छानबीन की गई। उक्त कचरे में एक ऑनलाइन शॉपिंग का रेपर पाया गया जिस पर रोहित यादव नाम की समस्त जानकारी अंकित थी। सफाई मित्रों ने उक्त रेपर में दिये फोननंबर व पते अनुसार व्यक्ति के पास पहुंचकर जानकारी जुटाई और कचरा उन्ही का होना पाया गया। इस आधार पर शहर में गंदगी फैलाने वाले रोहित यादव पर 500 रूपये की चालानी कार्यवाही कर जुर्माना बसूला गया और आगे से सभी प्रकार का कचरा, डोर टू डोर कचरा कलेक्शन वाहन में देने की समझाईस दी गई।

उल्लेखनीय है की स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में सागर को बेहतर रैंकिंग दिलाने के उद्देश्य से निगमायुक्त सह कार्यकारी निदेशक सागर स्मार्ट सिटी राजकुमार खत्री ने कचरा खुद बोलेगा की मैं किसका हूँष् अभियान एक नवाचार के रूप में प्रारम्भ किया था और इस अभियान के तहत विभिन्न स्थलों पर वृहद स्तर पर जुर्माने व समझाईस की कार्यवाहीयां की गयीं थीं। कचरे में छिपे रेपर, पर्चीयां, डिब्बे और अन्य माध्यमों से कचरा फेकने वालों की पहचान कर उन पर जुर्माने की कार्यवाही से नागरिकों की आदतों में सुधार आया और बड़े स्तर पर नागरिक अपने घर दुकान व प्रतिष्ठान से निकलने वाला कचरा डस्टबिन में रखकर डोर टू डोर कचरा कलेक्शन वाहनों में देने लगे। सड़कों के आसपास कचरे के ढेर कम हुए शहर पहले की अपेक्षा साफ स्वच्छ हुआ और ऐसे कई अन्य सक्रीय अभियानों की मदद से सागर ने देश में 10वीं रैंकिंग पाने का गौरव प्राप्त किया। नगर निगम प्रशासन द्वारा निगमायुक्त राजकुमार खत्री के मार्गदर्शन में इस बार स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में शहर को 10वें पायदान से ऊपर उठाकर पहले स्थान पर लाने हेतु समाग्र प्रयास जोर-सोर से किये जा रहे हैं। नागरिक भी अपने शहर को अव्वल बनाने में सक्रीय सहभागिता करें। सागरवासी सागर को स्वच्छता में अव्वल बनाने के लिए छोटी-छोटी आदतों में सुधार कर सहयोगी बने। कचरे का सही निपटान हो सके इसके लिए गीला सूखा कचरा अलग-अलग कर कचरा कलेक्शन वाहनों में ही दें।

समृद्ध किसान, समृद्ध प्रदेश के संकल्प को नई गतिः भूपेन्द्र सिंह

सागर। पूर्व गृह मंत्री एवं वरिष्ठ विधायक भूपेन्द्र सिंह ने कहा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने 'समृद्ध किसान, समृद्ध प्रदेश' के संकल्प को धरातल पर उतारने का ठोस प्रयास किया है। किसानों की आय बढ़ाने, खेती को आधुनिक एवं तकनीक-आधारित बनाने तथा कृषि को लाभकारी व्यवसाय के रूप में स्थापित करने की दिशा में की गई पहल ऐतिहासिक है। उन्होंने वर्ष 2026 को 'कृषक कल्याण वर्ष' घोषित किए जाने के निर्णय का स्वागत करते हुए इसे प्रदेश के लाखों किसानों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाला कदम बताया।उन्होंने कहा, वर्ष 2026 के लिए कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों में लगभग 1.15 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान यह दर्शाता है कि सरकार की प्राथमिकता में किसान सर्वोच्च स्थान पर हैं। 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक किसानों के कल्याण से जुड़ी पाँच प्रमुख योजनाओं का विस्तार किया जाना दूरगामी सोच का प्रमाण है। इससे योजनाओं की निरंतरता बनी रहेगी और किसानों को स्थिर लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा, भावांतर योजना के तहत सरसों की खरीदी तथा चना और मसूर जैसी फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद किसानों के हितों की सुरक्षा कवच है। भूपेन्द्र सिंह ने कहा, गौशालाओं के आधुनिकीकरण एवं डेयरी विकास के लिए लगभग 2,364 करोड़ रुपये का प्रावधान ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करेगा। पशुपालन और डेयरी क्षेत्र को मजबूत करने से किसानों की अतिरिक्त आय सुनिश्चित होगी और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

उन्होंने कहा, ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी भूमि पर स्वामित्व अधिकार देने की योजना सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा का आधार बनेगी।

ब्रीफ न्यूज

पीयूष चावला ने स्कोर को लेकर दी बड़ी चेतावनी

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भले ही क्वार्टर फाइनल का औपचारिक चरण न हो, लेकिन 1 मार्च को कोलकाता के ईडन गार्डेस में होने वाला इंडिया और वेस्टइंडीज का सुपर-8 मुकाबला किसी वर्चुअल क्वार्टर फाइनल से कम नहीं है। इस मैच की अहमियत इसलिए बढ़ जाती है क्योंकि जो टीम जीतेगी, वह सीधे सेमीफाइनल में पहुंचेगी, जबकि हारने वाली टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। ऐसे नॉकआउट जैसे माहौल में दबाव बेहद ऊंचा होगा, और इसी संदर्भ में पूर्व भारतीय स्पिनर पीयूष चावला ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। एक चैनल पर चर्चा के दौरान जब यह सवाल पूछा गया कि क्या इस हाई-स्कोरिंग वेन्यू पर 220-230 रन बनना संभव है, तो चावला ने बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड कप के दबाव में टीमें इतने बड़े स्कोर के बारे में सोचकर नहीं उतरतीं। उनके मुताबिक, ÷वर्ल्ड कप का प्रेशर अलग होता है। आप 220-230 का लक्ष्य लेकर चलेंगे, तो संभव है कि 160 पर ऑलआउट हो जाएं। अगर आप 190 रन भी बना लेते हैं, तो दबाव के कारण वहीं स्कोर विपक्ष पर 210 जैसा असर डाल देता है।

अपने कमजोर प्रदर्शन को लेकर परेशान नहीं रबाडा

अहमदाबाद। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ने माना है कि इस बार वह अधिक विकेट नहीं ले पाये हैं पर वह इससे परेशान नहीं हैं क्योंकि टीम जब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं करती इस तरह की बातें अधिक मायने नहीं रखती हैं। क्रिकेट वैसे भी टीम गेम है। दक्षिण अफ्रीका की टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ 9 विकेट से जीत के साथ ही विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है पर रबाडा ने अब तक टूर्नामेंट में केवल चार विकेट ही लिए हैं। वह इससे पहले न्यूजीलैंड, यूएई और भारत के खिलाफ विकेट लेने में विफल रहे थे। रबाडा का मानना है कि उनको विकेट न मिलने का एक कारण ये है कि अब तक उनकी गेंदबाजी पर कुछ कैच गिरे हैं। साथ ही कहा, यही क्रिकेट का खेल है। कई बार चीजें आपके पक्ष में होती है और कई बार नहीं लेकिन सबसे अच्छी बात यह है कि हम जीत रहे हैं। इस बार टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के बीच अच्छा समन्वय देखने को मिला है। उसके सभी युवा खिलाड़ियों ने तेजी से खेला है। डेविड मिलर ने एक मैच में टीम को जीत दिलाई है जबकि कप्तान एडन मारकाम ने दूसरे मैच में यही किया है।

श्रीलंकाई क्रिकेट में बदलाव तय, कप्तान के साथ ही चयन समिति की भी छुट्टी होगी

कोलंबो। टी20 विश्वकप से बाहर होने के बाद से ही श्रीलंकाई क्रिकेट में हड़कंप मचा हुआ है। खिलाड़ियों के साथ ही प्रशंसक भी सकते में है। टीम के पास अपनी घरेलू धरती पर जीत दर्ज करने का अच्छा अवसर था पर वह असफल रही। इससे उसका विश्वकप जीतने का सपना टूट गया। न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने दूसरे सुपर-8 मैच में हार के साथ ही टीम विश्वकप से बाहर हो गयी। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार टीम के कमजोर प्रदर्शन से बोर्ड नाराज है और बड़ी कार्रवाई करने के मूड में है। ये भी कहा जा रहा है कि कप्तान के साथ ही चयनसमित में भी बदलाव किया जाएगा।

आलोचकों को करारा जवाब

टी20 विश्वकप में अभिषेक शर्मा की दमदार वापसी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

टी20 विश्वकप में भारतीय युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की फॉर्म को लेकर छिड़ी बहस अब एक दिलचस्प मोड़ ले चुकी है। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर के एक वायरल वीडियो ने विवाद शुरू किया था, जिसमें उन्होंने अभिषेक को 'स्लॉगर' यानी लप्पेबाज करार दिया था। आमिर का मानना था कि अभिषेक के खेल में रक्षात्मक तकनीक की कमी है और वह अधिकतर गेंदों पर बड़े शॉट खेलने की कोशिश करते हैं। हालांकि, यह आलोचना लंबे समय तक टिक नहीं पाई। जिम्बाब्वे के खिलाफ सिर्फ 30 गेंदों में 55 रनों की आतिशी पारी खेलकर अभिषेक ने शानदार तरीके से

फॉर्म में वापसी की और सभी आलोचकों को मज़बूत जवाब दिया।

भारत के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अपने यूट्यूब शो 'ऐश की बात' में आमिर की टिप्पणियों पर कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने कहा कि अभिषेक को स्लॉगर कहना बिल्कुल गलत है। अश्विन के अनुसार, भ्रम केवल इसलिए पैदा होता है क्योंकि अभिषेक गेंद को जब हिट करते हैं, तो वह बहुत दूर जाती है, जिससे लोग उन्हें 'लप्पेबाज' समझ लेते हैं। अश्विन ने स्पष्ट किया कि अभिषेक की एकमात्र कमी यह रही है कि वह हर गेंद पर आक्रामक इरादा दिखाने की कोशिश करते हैं, जो कभी-कभी उनके खिलाफ काम करता है।

अश्विन ने अभिषेक के खेल का तकनीकी विश्लेषण करते हुए उनकी तुलना भारत के पूर्व महान ऑलराउंडर युवराज सिंह से की। उन्होंने कहा कि अभिषेक का बैट स्विंग दुनिया के बेहतरीन स्विंग्स में से एक है और यह उनके मेंटर युवराज सिंह से भी अधिक प्रभावशाली नजर आता है। अश्विन के अनुसार, शॉट खेलते समय अभिषेक के बल्ले का ऊपरी हिस्सा सीधे आसमान की ओर रहता है, जो एक आदर्श बैट स्विंग का संकेत है। इसके अलावा उन्हें अतिरिक्त ताकत लगाने की जरूरत नहीं होती, क्योंकि उनकी असली ताकत उनकी शानदार टाइमिंग है।

जरूरत पड़ने पर रक्षात्मक शॉट भी खेले

इस पारी की सराहना भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भी की है। गावस्कर ने कहा कि अभिषेक ने अपने 55 रनों की पारी से आलोचकों को पूरी तरह शांत कर दिया है। वह इस बात से भी प्रभावित दिखे कि अभिषेक ने जिम्मेदारी दिखाते हुए जरूरत पड़ने पर रक्षात्मक शॉट भी खेले। टीम इंडिया के लिए यह पारी अहम है, क्योंकि आगे वेस्टइंडीज के खिलाफ बेहद निर्णायक नॉकआउट मुकाबला खेला जाना है। अश्विन को भरोसा है कि यह अर्धशतक अभिषेक को आत्मविश्वास लौटाने में मदद करेगा और वह आने वाले मैचों में भारत के लिए बड़ी भूमिका निभाते नजर आएंगे। टीम को उनसे इसी तरह के प्रभावशाली प्रदर्शन की उम्मीद है, खासकर टूर्नामेंट के निर्णायक चरण में।

टी20 विश्व कप 2026: भारत और वेस्टइंडीज के बीच 'क्वार्टर फाइनल' जैसी टक्कर

सेमीफाइनल की दौड़ दांव पर

एजेंसी ■ नई दिल्ली

टी20 विश्व कप 2026 में भारतीय क्रिकेट टीम सुपर-8 चरण का अपना आखिरी और सबसे निर्णायक मुकाबला ईडन गार्डन में 1 मार्च को वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलेगी। यह मैच दोनों टीमों के लिए नॉकआउट जैसा है, क्योंकि जीतने वाली टीम ही सेमीफाइनल में प्रवेश करेगी। दोनों टीमें इस समय एक-एक जीत के साथ सुपर-8 में बराबरी पर हैं और ऐसे में कोलकाता में होने वाली यह भिड़ंत टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मुकाबला माना जा रहा है।

वेस्टइंडीज का प्रदर्शन अब तक मिला-जुला रहा है। ग्रुप स्टेज में टीम अजेय रही, लेकिन सुपर-8 में अपने दूसरे मैच में उसे दक्षिण अफ्रीका से 9 विकेट से करारी हार झेलनी पड़ी। इससे पहले वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे को हराकर अच्छी शुरुआत की थी। दूसरी ओर, भारत ने सुपर-8 के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद मजबूत वापसी की और

जिम्बाब्वे को 72 रन से हराकर अपनी उम्मीदें बरकरार रखी हैं।

भारतीय टीम घरेलू परिस्थितियों में खेल रही है, लेकिन इसके बावजूद वेस्टइंडीज को हल्के में लेने की कोई गुंजाइश नहीं है। इसकी बड़ी वजह 2016 टी20 विश्व कप का सेमीफाइनल है, जिसमें वानखेड़े स्टेडियम में भारतीय टीम को वेस्टइंडीज ने 7 विकेट से हराकर बाहर का रास्ता दिखा दिया था। उस मैच में विराट कोहली ने 47 गेंदों पर नाबाद 89 रन की पारी खेली थी और भारत ने 192 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया था। लेकिन वेस्टइंडीज की धमाकेदार बल्लेबाजी ने इस लक्ष्य को छोटे स्कोर में बदल दिया। लिंडी साईमन की नाबाद 82 रन की पारी और आंद्रे रसेल की तूफानी 43 रन की इनिंग ने भारतीय जीत का सपना तोड़ दिया था। उस वर्ष वेस्टइंडीज खिताब जीतने में सफल रही थी और टीम की कप्तानी संभालने वाले डेरल सामी आज टीम के हेड कोच हैं। अब 10 साल बाद, भारतीय टीम के पास उसी हार का बदला लेने का मौका है। भारत की 2016 वाली प्लेइंग इलेवन के दो खिलाड़ी हार्दिक पाण्डया और जसप्रीत बुमराह इस बार भी टीम का हिस्सा होंगे। दोनों खिलाड़ियों की वर्तमान फॉर्म टीम इंडिया की सबसे बड़ी ताकत है और उनसे उम्मीद की जा रही है कि वे वेस्टइंडीज के शक्तिशाली बल्लेबाजी क्रम को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कोलकाता में होने वाला यह मुकाबला केवल सेमीफाइनल की टिकट का सवाल नहीं होगा, बल्कि यह भारतीय टीम के लिए बीते दशक की सबसे कड़वी हार का हिसाब बराबर करने का सुनहरा अवसर भी होगा। भारतीय प्रशंसकों को उम्मीद है कि टीम इस बार मौके को हाथ से नहीं जाने देगी।

भारत-वेस्टइंडीज सुपर-8 मैच में बारिश हुई तो ये टीम पहुंचेगी सेमीफाइनल

भारतीय क्रिकेट टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ बड़ी जीत के साथ ही टी20 विश्वकप सेमीफाइनल के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखी हैं। वहीं अब उसे 1 मार्च को अपने तीसरे सुपर-8 मैच में वेस्टइंडीज से खेलना है। ऐसे में अब ये सवाल उठ रहा है कि अगर इस मैच में बारिश होती है तो क्या होगा। अब ग्रुप 1 के दो ही मैच बाकी हैं, जिनमें एक में दक्षिण अफ्रीका का सामना जिम्बाब्वे जबकि दूसरे में भारतीय टीम को वेस्टइंडीज से खेलना है। पहले मैच से सेमीफाइनल्स पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, पर भारत और वेस्टंडीज मैच बेहद अहम है। इसमें विजेता टीम सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। ऐसे में अगर बारिश के कारण मैच नहीं होता तो क्या समीकरण बनेंगे। वह इस प्रकार हैं। भारत-वेस्टइंडीज सुपर 8 का मुकाबला एक मार्च को खेला जाएगा। अभी तक भारतीय टीम ओर वेस्टइंडीज ने अपने दो-दो मैचों में से एक-एक मैच जीते हैं, वहीं दोनों को साउथ अफ्रीका से हार का सामना करना पड़ा है।

पाक मूल के खिलाड़ी ने रखी पाकिस्तान की उम्मीदें जीवित

एजेंसी ■ कोलंबो

टी20 विश्व कप सुपर-8 के रोमांचक मुकाबले में शुक्रवार को इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराकर न सिर्फ टूर्नामेंट में अपनी दावेदारी मजबूत की, बल्कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को भी नया जीवन दे दिया। कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड की जीत पूरी तरह उस समय पक्की हुई, जब टीम मुश्किल हालात से उभरते हुए लक्ष्य का पीछा करने में सफल रही। पाकिस्तान के लिए यह मैच बेहद अहम था, क्योंकि केवल इंग्लैंड की जीत ही उसे अगले दौर की राह दिखा सकती थी। इंग्लैंड ने यह जिम्मेदारी निभाते हुए पाकिस्तान और उसके करोड़ों फैंस को खुशी का बड़ा कारण दे दिया।

इस मुकाबले में इंग्लैंड की जीत के नायक बने पाकिस्तानी मूल के युवा खिलाड़ी रेहान अहमद, जिन्होंने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में अहम योगदान दिया। इंग्लैंड को जीत के लिए जहां 19 गेंदों पर 43 रन की जरूरत थी, वहीं रेहान आठवें नंबर पर क्रीज पर उतरे। उस समय क्रीज पर सेट बल्लेबाज विल जैक्स मौजूद थे, और उम्मीद थी कि रेहान केवल उनका साथ निभाएंगे। लेकिन रेहान ने आते ही खेल का रुख बदल दिया। उन्होंने विपक्षी गेंदबाजों पर हमला बोलते हुए मात्र 7 गेंदों में 2 छक्के और 1 चौके की मदद से नाबाद 19 रन ठोक दिए, जिससे इंग्लैंड ने लक्ष्य 3 गेंद पहले ही हासिल कर लिया। उनकी यह पारी मैच का निर्णायक मोड़ साबित हुई। बल्लेबाजी के साथ-साथ गेंदबाजी में भी रेहान अहमद चमके। उन्होंने अपने 3 ओवर में 28 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए और न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी को दबाव में रखा। उनके इस ऑलराउंड प्रदर्शन ने इंग्लैंड की जीत को आसान बनाया और पाकिस्तान के सेमीफाइनल की उम्मीदों को मजबूती दी।

अब पांच अप्रैल को अर्जेंटीना में मोंटेइरो का मुकाबला करेंगे भारत के संग्राम

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत के एमएमए फाइटर संग्राम सिंह अब अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स के टाइग्रे इलाके में पांच अप्रैल को फ्रांस के युवा फाइटर मौटेऊ मोंटेइरो का मुकाबला करेंगे। इसी के साथ ही संग्राम पहले भारतीय एमएमए फाइटर होंगे जो अर्जेंटीना की धरती पर मुकाबले के लिए उतरेगा। इसस पहले उन्होंने जॉर्जिया और नीदरलैंड में मुकाबले खेलें हैं। मुकाबले के आयोजकों के अनुसार संग्राम की एमएमए की कला में जो आकर्षण है उससे अर्जेंटीना के लोगों में काफी उत्साह है। वहां के लोग यह भी जानने को उत्सुक हैं कि संग्राम किसी प्रकार यहां तक पहुंचे हैं। इसका कारण है कि वह 40 की उम्र के बाद इस क्षेत्र में उतरे हैं। उन्होंने भारत को इस खेल में पहचान दिलायी है। पूर्व पेशेवर रेसलर से मिक्स्ड मार्शल आर्ट के फाइटर बने संग्राम ने कहा कि जब उन्होंने एमएमए की शुरुआत की तो

हर किसी ने इस बात को लेकर हैरानगी जाहिर की थी कि वह कैसे सफल होंगे क्योंकि कुश्ती और एमएमए काफी अलग हैं हालांकि उन्हें भारोसा था कि अनुशासन, फिटनेस और योद्धा की तरह जुझारूपन से वह यहां भी सफल होंगे। इस मुकाबले के लिए संग्राम अपने कोच भूपेश कुमार और उनकी टीम की देखरेख में कड़ी तैयारी कर रहे हैं। टीम ने उनके ट्रांज़शिन, ग्राउंड कंट्रोल, स्ट्राइकिंग कॉम्बिनेशन, फाइट जैसी कंडीशंस में ढलने और फिटनेस पर विशेष काम किया है, जिससे वह एक एलीट अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वी की चुनौतियों के लिए पूरी तरह तैयार रहें।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान सोफी मोलिनक्स पीठ की चोट से बाहर

सिडनी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की एक खबर के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम की ऑल-फॉर्मेट कप्तान सोफी मोलिनक्स पीठ की चोट की वजह से भारत के खिलाफ जारी बहु-प्रारूप सीरीज से बाहर हो गई हैं। होबार्ट में खेले गए दूसरे वनडे के दौरान उन्हें पीठ के निचले हिस्से में तेज दर्द महसूस हुआ, जिसके चलते वह मैदान पर नहीं उतर सकीं। इससे पहले वह ब्रिस्बेन में हुए पहले मुकाबले में उतरी थीं और पाँच ओवर में 17 रन देकर एक विकेट लेने में सफल रही थीं। उनकी यह चोट टीम मैनेजमेंट के लिए चिंता का विषय बन गई है, क्योंकि अगले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में उनकी भागीदारी भी अब संदिग्ध हो गई है। बोर्ड का कहना है कि आगामी मुकाबलों से पहले उनकी फिटनेस पर लगातार नजर रखी जाएगी।

मोलिनक्स को पिछले महीने ही ऑस्ट्रेलिया की ऑल-फॉर्मेट कप्तान नियुक्त किया गया था। उन्होंने एलिसा हैली की जगह टीम की कमान संभाली थी, जो भारत दौरे के अंत में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाली हैं। हीली की गैरमौजूदगी में मोलिनक्स ने भारत के खिलाफ तीन टी-20 मैचों में टीम का नेतृत्व किया था और वह उनके आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच एकमात्र टेस्ट में भी कप्तानी करने वाली थीं। टॉस के दौरान हीली ने फॉक्स क्रिकेट से बातचीत में कहा कि मोलिनक्स की चोट की खबर टीम के लिए चौंकाने वाली और व्यक्तिगत रूप से उनके लिए काफी निराशाजनक है। उन्होंने यह भी बताया कि टीम अन्य घायल खिलाड़ियों एलिसा पैरी और किम ग्राथ की भी स्थिति पर करीबी नजर रख रही है।

शिवम दुबे की कमजोर गेंदबाजी पर उठे सवाल, श्रीकांत ने दी वेस्टइंडीज मैच को लेकर चेतावनी

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 मुकाबले में भारत ने जिम्बाब्वे को बड़े अंतर से हराकर शानदार जीत दर्ज की, लेकिन टीम के प्रदर्शन में कुछ खामियां भी नजर आईं। सबसे बड़ी चिंता का विषय बने ऑलराउंडर शिवम दुबे, जिनकी गेंदबाजी बेहद महंगी साबित हुई। छठे गेंदबाज के रूप में इस्तेमाल किए गए दुबे ने मात्र 2 ओवर में 46 रन दे दिए। उनकी लाइन और लेंथ इतनी बिगड़ी हुई थी कि 2 ओवर में ही उन्होंने 4 वाइड और 2 नो बॉल डालीं। कप्तान सूर्यकुमार यादव जब भी उन्हें गेंदबाजी करने भेजते रहे हैं, वे उपयोगी साबित हुए हैं, लेकिन इस मैच में उनका स्पेल टीम के लिए नुकसानदायक रहा। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और मुख्य चयनकर्ता रहे श्रीकांत ने दुबे की गेंदबाजी की कड़ी आलोचना की है।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में विल जैक्स का दबदबा

शेन वॉटसन के रिकॉर्ड की बराबरी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

विल जैक्स इंग्लैंड टीम के लिए टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सबसे बड़े मैच विनर बनकर उभरे हैं। गेंद और बल्ले दोनों से उनका प्रभाव इतना जबरदस्त रहा है कि सात मैचों में से चार बार वे टीम को मुश्किल परिस्थितियों से निकालकर जीत दिला चुके हैं। यही वजह है कि सात में से छह मैच जीतने वाली इंग्लैंड टीम में सबसे चमकदार प्रदर्शन जैक्स का ही रहा और इन चार मैचों में उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। इसी के साथ उन्होंने

ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज शेन वाटसन के एक बड़े रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

टी20 वर्ल्ड कप 2012 में वॉटसन ने एक ही एडिशन में चार बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीता था, उसी उपलब्धि को 2026 में जैक्स ने दोहराया है। उनसे पहले 2022 विश्व कप में सिकंदर रजा तीन बार यह पुरस्कार जीत चुके थे। जैक्स के लिए अब इतिहास रचने का मौका तैयार है यदि वे सेमीफाइनल या संभावित फाइनल में एक और बार यह अवॉर्ड जीत लेते हैं, तो वे टी20 वर्ल्ड कप के किसी भी एक संस्करण में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार जीतने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे।

एक टी20 वर्ल्ड कप एडिशन में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड

4 - शेन वॉटसन (2012)
4 - विल जैक्स (2026*)
3 - सिकंदर रजा (2022)

विल जैक्स की चमक का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उन्होंने ग्रुप फेज में नेपाल के खिलाफ, फिर इटली के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। सुपर-8 में उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ भी अद्भुत खेल दिखाया और सबसे ताजा धमाका न्यजीलैंड के विरुद्ध किया। न्यूजीलैंड के खिलाफ सुपर-8 मुकाबले में जैक्स ने पहले 4 ओवर में केवल 23 रन देकर 2 विकेट चटकाए। इसके बाद बल्लेबाजी में उन्होंने मात्र 18 गेंदों में 32 रन ठोककर मैच इंग्लैंड की झोली में डाल दिया। किसी मैच में गेंदबाजी, किसी में बल्लेबाजी और कई बार दोनों में धाक जमाकर वे इंग्लैंड के लिए सबसे भरोसेमंद खिलाड़ी बनते जा रहे हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उनके इस सर्वांगीण प्रदर्शन ने उन्हें टूर्नामेंट का सबसे बड़ा स्टार और इंग्लैंड का नंबर-वन मैच विनर साबित किया है।

सत्ता सुधार

ग्रेटर नोएडा में कई बुजुर्ग एक साल से पेंशन न मिलने के कारण समाज कल्याण विभाग के चक्कर काट रहे हैं। विभाग से संतोषजनक जवाब न मिलने से निराश बुजुर्ग रोजाना विकास भवन और समाज कल्याण विभाग के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। रामबती बोलीं- चक्कर काटते अब तो कदम भी जवाब देने लगे हैं।

ब्रीफ न्यूज

भाजपा विधायक के पुत्र की दबंगई, टोलकर्मी से मारपीट

आगरा। आगरा के फतेहपुर सीकरी से भाजपा विधायक बाबूलाल चौधरी के बेटे सुरेश चौधरी ने थाना अछनेरा दक्षिणी बाइपास स्थित रायभा टोल प्लाजा के टोल कर्मी से 24 फरवरी को मारपीट की थी। विधायक के बेटे रायभा टोल प्लाजा से फरह की तरफ से ग्वालियर की तरफ निजी कार्य से जा रहे थे। उनकी कार पर फास्टेक नहीं होने के कारण टोल कर्मी ने गाड़ी में बैठे शख्स से आधार कार्ड मांगा, तो गाड़ी से निकलने के बाद शख्स ने अपनी गाड़ी पर लिखा विधायक और वीआईपी पास की तरफ इशारा किया। टोल कर्मी ने पहचानने से मना किया तो विधायक पुत्र ने गाली गलौज करते हुए मारपीट कर दी। टोल कर्मी संजय सिंह से मारपीट की घटना टोल पर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। घटना विगत 24 फरवरी दोपहर 12बजे की थी जिसमे पीड़ित ने थाना अछनेरा में गाली गलौज एंव मारपीट होने वाली घटना को लेकर विधायक पुत्र के खिलाफ शिकायत पत्र दिया, लेकिन पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करने के बजाय पीड़ित के घर रात 11बजे जाकर दवाब बनाने की कोशिश की। दो दिन पहले सोशल माडिया पर वीडियो वायरल होने पर थाना पुलिस की काफ़ी फजीहत हुई, जिसमें उच्च अधिकारियो को हस्तक्षेप करना पड़ा।

उत्तर प्रदेश में जनगणना 2027 की तैयारियां तेज...

लखनऊ। यूपी में जनगणना 2027 की तैयारियां तेज हैं। पहले चरण में मकानों की सूची तैयार करने और उनकी गणना का काम होगा। इस चरण में स्व-गणना की प्रक्रिया 7 से 21 मई तक चलेगी। इसके बाद 22 मई से 20 जून तक अधिकारी घर-घर जाकर फील्ड कार्य पूरा करने वाले है। राज्य में तय समय सीमा के अंदर काम हो सके इसके लिए प्रशिक्षण व्यवस्था को भी चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है। राज्य में जनगणना के लिए अधिकारियों को सभी काम तय समय-सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए है। ये प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी और बिना त्रुटि के पूरी हो, इसके लिए भी आला अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। जनगणना की प्रक्रिया पूरी तरह से डिजिटल तरीके से होगी।

जंगल से भटका तेंदुआ पहुंचा बाथरुम में...

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में रामगंगा विहार कॉलोनी स्थित एक मकान के बाथरूम में जंगल से भटककर आया तेंदुआ घुस गया। इस बारे में प्रभागीय वनाधिकारी ने बताया कि सुबह करीब पांच बजे घर के सदस्यों को आहट सुनाई दी। जांच करने पर बाथरूम में एक तेंदुआ शांत अवस्था में बैठा मिला। परिवार ने सूझबूझ का परिचय देकर बाथरूम का दरवाजा बाहर से बंद कर खुद सुरक्षित बाहर निकल आए। सूचना पर पहुंची वन विभाग की रेस्क्यू टीम न सावधानीपूर्वक कार्रवाई कर बिना ट्रैंक्विलाइज किए तेंदुए को सुरक्षित पिंजरे में बंद कर लिया।

कार्ड धारकों को मिलेगा इलाज, जल्द साइन होगा एमओयू, निर्णय जरूरतमंद नागरिकों के लिए बड़ी राहत साबित होगा

यूपी के सभी कैंटोनमेंट अस्पतालों में चलेगा 'आयुष्मान'

मरीजों को कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, मेडिकल एंड सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के इलाज की सुविधा दी जा रही

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में आयुष्मान कार्ड धारकों को अब सभी कैंटोनमेंट अस्पतालों में इलाज की सुविधा दी जाएगी। इसके लिए जल्द ही स्टेट हेल्थ एजेंसी (साचीज) 12 कैंटोनमेंट अस्पतालों से एमओयू करेगी।

प्रदेश में कुल 13 कैंटोनमेंट अस्पताल हैं। इनमें प्रयागराज कैंटोनमेंट अस्पताल में पहले से ही आयुष्मान कार्ड धारकों का इलाज किया जा रहा है। अब सरकार ने अन्य सभी कैंटोनमेंट अस्पतालों में इलाज मुहैया कराएगी। साचीज की सीईओ अर्चना वर्मा ने बताया कि जनवरी-26 से प्रयागराज के कैंटोनमेंट अस्पताल में आयुष्मान कार्ड धारकों का निःशुल्क इलाज किया जा रहा है। वहां मरीजों को कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, मेडिकल एंड सर्जिकल ऑन्कोलॉजी आदि गंभीर बीमारियों के इलाज की सुविधा दी जा रही है। साथ ही मुफ्त ओपीडी अप्वाइंटमेंट, मुफ्त जांच एवं गंभीर मरीजों को मुफ्त परिवहन की सुविधा दी जा रही है।

फ्री जांच और गंभीर मरीजों को मुफ्त परिवहन की सुविधा

अब नहीं होगी परेशानी

साचीज की एसीईओ डॉ. पूजा यादव ने बताया कि कैंटोनमेंट अस्पतालों के साथ समन्वय से आयुष्मान कार्ड धारक को बेहतर विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध होंगी। विशेष रूप से गंभीर और जटिल बीमारियों से ग्रस्त मरीजों को उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी। गंभीर रोगियों के लिए पिक एंड ड्रॉप की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। ताकि, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मरीजों को अस्पताल तक पहुंचने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

पोर्टल से जुड़ेंगे अस्पताल

उन्होंने बताया कि एमओयू के बाद इन अस्पतालों को योजना के पोर्टल से जोड़ा जाएगा। इससे मरीजों के उपचार, बिलिंग और क्लेम सेटलमेंट की प्रक्रिया पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरी की जा सकेगी। कैंटोनमेंट अस्पतालों को आयुष्मान योजना से जोड़ने का निर्णय गरीब और जरूरतमंद नागरिकों के लिए बड़ी राहत साबित होगा।

इन कैंटोनमेंट अस्पतालों में सुविधा

उन्होंने बताया कि अब अन्य 12 कैंटोनमेंट अस्पतालों के साथ एमओयू साइन किया जाएगा। इसके लिए लगभग सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। एमओयू के बाद लखनऊ, कानपुर, मेरठ, बरेली, वाराणसी, अयोध्या, शाहजहांपुर, मथुरा, आगरा, फतेहपुर, झांसी और बबीना के कैंटोनमेंट अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड धारक मरीजों को उपचार मिल सकेगा।

वॉक इन इंटरव्यू में चयनित 225 डॉक्टरों की भर्ती निरस्त

गड़बड़ी की आशंका के चलते सरकार का एक्शन

इधर, उत्तर प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी दूर करने के लिए हुई एमबीबीएस डॉक्टरों की भर्ती को स्वास्थ्य महानिदेशालय ने निरस्त कर दिया है। आरोप है वॉक इन इंटरव्यू के जरिए हुई इस भर्ती में काफी गड़बड़ी हुई थी। आरोपों की प्रारंभिक जांच में इसका खुलासा भी हुआ। इसके बाद भर्ती को निरस्त किया गया है। स्वास्थ्य महानिदेशालय की ओर से अनुबंध के आधार पर एमबीबीएस डॉक्टरों की भर्ती के लिए 19 से 21 जनवरी के बीच साक्षात्कार हुए थे। प्रदेश भर से बड़ी संख्या में एमबीबीएस डॉक्टरों ने साक्षात्कार में भाग लिया। 225 एमबीबीएस डॉक्टरों ने जनपदों में खाली पदों के हिसाब से सीटें लॉक कीं। हालांकि, अब भर्ती निरस्त करने से सीट लॉक करने वाले अभ्यर्थियों में आक्रोश है। महानिदेशक डॉ. पवन कुमार अरुण ने कहा कि अनुबंध के आधार पर हुई एमबीबीएस डॉक्टरों की भर्ती निरस्त कर दी गई है। 241 पदों पर जल्द ही भर्ती की जाएगी। इसका विज्ञापन निकाला गया है।

मुहूर्त : दो मार्च को होलिका दहन, चार को होली

प्रतिपदा पर सजेगा रंगों का अनूठा उत्सव

सत्ता सुधार ■ वाराणसी

होलिका दहन और होली के मुहूर्त पर काशी के विद्वानों ने अपनी राय दी। उनका कहना है कि शास्त्रों के अनुसार दो मार्च की रात 11:57 बजे से होलिका दहन का मुहूर्त है। चार मार्च को होली खेली जाएगी। संपूर्णानंद संस्कृत विवि के कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार पूर्णमासी में होलिका दहन की जाती है। प्रतिपदा में होली खेली जाती है। दो मार्च को भद्रा है लेकिन लोकाचार को ध्यान में रखते हुए रात 11:57 बजे से होलिका दहन की जा सकती है। शुद्धता के अनुसार, तीन मार्च को भी होलिका दहन की जा सकती है। कुलपति प्रो. शर्मा ने बताया कि भारतीय सनातन संस्कृति में होली सिर्फ एक लोकानुरंजक उत्सव नहीं, बल्कि धर्म, दर्शन, अध्यात्म और सामाजिक समरसता का समन्वित महापर्व है।

होलिका दहन का मुहूर्त

विवि के ज्योतिष एवं धर्मशास्त्र विभाग द्वारा फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा, संवत् 2082 (ईस्वी सन् 2026) के अवसर पर होलिका पर्व के आयोजन के विषय में शास्त्रीय, ज्योतिषीय एवं धर्मशास्त्रीय प्रमाणों के गहन परीक्षण के बाद होलिका दहन धर्मशास्त्रों में स्पष्ट निर्देश है कि भद्रायां द्वे न कर्तव्ये श्रावणी फाल्गुनी तथा यानी कि श्रावणी एवं फाल्गुनी पूर्णिमा में भद्रा काल में दहनादि कृत्य वर्जित है। दो मार्च को भद्रा है और भद्रा में होलिका दहन नहीं हो सकता लेकिन लोकाचार का पालन किया जा सकता है।

सूर्योदय पूर्णिमा में ही होगा

शास्त्रीय गणना के अनुसार फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा तिथि 2 मार्च को शाम 5:56 बजे से प्रारंभ होकर 3 मार्च को शाम 5:08 बजे तक विद्यमान रहेगी। 3 मार्च को सूर्योदय पूर्णिमा में ही होगा। 4 मार्च (बुधवार) को प्रतिपदा तिथि में जो अपराह्न तक विद्यमान रहेगी।

सिपाही के गले पर थे रस्सी के निशान

बरेली में संदिग्ध हालात में सिपाही की मौत

बरेली। बरेली के सीबीगंज में सिपाही मनोज मौर्य (37 वर्ष) की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। सीबीगंज के मोहल्ला लेवर कॉलोनी के मूल निवासी मनोज मौर्य वर्तमान में कैमफर स्टेट कॉलोनी में अपने मकान में रहते थे। इस घर में एक सप्ताह पूर्व ही गृहप्रवेश किया गया था। इससे पूर्व वह किराये के मकान में रह रहे थे। मनोज की तैनाती पहले अमरोहा में थी। एक सप्ताह पूर्व ही मुरादाबाद में ट्रांसफर हुआ था। अभी आमद दर्ज नहीं कराई थी। वह यहां अपने घर में सामान शिफ्ट करा रहे थे। बीती देर शाम किसी बात को लेकर पत्नी ज्योति उर्फ मीनू से उनकी कहासुनी हो गई थी। जिसके बाद सिपाही मनोज की मौत हो गई। मृतक की पत्नी ज्योति ने घटना की सूचना अपने देवर और जेठ को दी कि मनोज को हार्ट अटैक पड़ा है। सूचना पर वो लोग कैमफर स्टेट पहुंचे, जहां उन्हें मनोज अचेत अवस्था में मिले। तुरंत उन्हें शहर के एक निजी अस्पताल में ले गए, जहां डाक्टरों ने सिपाही को मृत घोषित कर दिया।

गले में रस्सी के निशान थे: मृतक सिपाही की एक बेटी और एक बेटा है। बताते हैं कि मृतक मनोज की जीभ निकली हुई थी। गले में रस्सी के निशान थे। शरीर पर नाखून की खरोंच के निशान बताए गए हैं। थाना पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा है।

मणिकर्णिका मंदिर में चिता भस्म की होली खेल निभाई परंपरा

मणिकर्णिका घाट पर बैरिकेडिंग, कई थानों व कंपनियों की फोर्स

सत्ता सुधार ■ वाराणसी

मणिकर्णिका घाट स्थित मसाननाथ मंदिर में आरती के साथ ही चिता भस्म की होली खेली गई। इस दौरान साधु- संतों ने चिता भस्म से होली खेलकर परंपरा निभाई। वहीं घाट पर आम लोगों को भस्म की होले खेलने की अनुमति नहीं दी गई। इसको लेकर एसीपी दशाश्वमेध अतुल अंजान त्रिपाठी ने कहा कि मणिकर्णिका घाट के आयोजकों के साथ संवाद किया गया था, जिसमें उन्होंने मणिकर्णिका मंदिर में चिता भस्म की होली खेलने की बात कही थी। ऐसे में घाट पर किसी को चिता भस्म की होली खेलने की अनुमति नहीं दी गई। एसीपी दशाश्वमेध ने बताया कि मणिकर्णिका घाट पर केवल शवदाह करने वाले लोगों को ही आने की अनुमति है। अन्य लोगों के प्रवेश पर रोक रही। आम लोगों को भस्म की होली खेलने के लिए घाट पर नहीं जाने दिया गया। इस दौरान भारी संख्या में फोर्स की तैनाती की गई। वहीं ड्रोन से भी लगातार निगरानी की गई।

मणिकर्णिका मंदिर में चिता भस्म

मंदिर पहुंचे कपाली बाबा

एसीपी ने बताया कि मणिकर्णिका घाट पर 12 थानों के इंस्पेक्टर, कई चौकी इंचार्ज, पीएसी की चार कंपनी और एक कंपनी आरआरएफ की तैनात रही। मणिकर्णिका घाट की तरफ आने वाली गलियों में बैरिकेडिंग कर दी गई। गलियों से किसी को भी घाट की तरफ नहीं आने दिया गया। हरिश्चंद्र घाट से कपाली बाबा मणिकर्णिका घाट स्थित बाबा मसाननाथ मंदिर में पहुंचे। इस दौरान श्रद्धालुओं ने जमकर जयकारा लगाया।

हाईकोर्ट की लखनऊ की पीठ... याची को सुनवाई का अवसर देने का निर्देश था

जब केस की सुनवाई के बाद न्यायाधीश ने फैसला लिखाने में जताई असमर्थता, बोले- 'भूखा और थका हुआ हूं'

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में सूचीबद्ध मामलों की भारी संख्या के कारण एक न्यायाधीश ने एक मामले में निर्णय लिखाने में असमर्थता जताई। उन्होंने कहा कि वह भूखे, थके और शारीरिक रूप से फैसला लिखाने की स्थिति में नहीं हैं। इसलिए, आदेश सुरक्षित रखा जाता है। मामला बीती 24 फरवरी का है। एक मामले की सुनवाई 7.10 बजे तक करने के बाद न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की एकल पीठ ने आदेश में यह टिप्पणी की है। पीठ, चंद्रलेखा सिंह की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। यह याचिका वर्ष 2025 में ऋण वसूली अधिकरण के एक आदेश के खिलाफ दायर की गई थी। मई 2025 में हाईकोर्ट ने डीआरटी का आदेश निरस्त कर दोबारा सुनवाई को भेजा था। याची को सुनवाई का अवसर देने का निर्देश था। इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। 25 अगस्त 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए आदेश रद्द कर दिया था कि संबंधित पक्ष को सुनवाई का अवसर नहीं मिला। हाईकोर्ट को निर्देश दिया गया था कि याचिका में शीघ्र, संभव हो तो छह माह में निर्णय दिया जाए। यह अवधि 24 फरवरी 2026 को पूरी हो रही थी। अब 24 फरवरी यानी मंगलवार को न्यायमूर्ति विद्यार्थी के समक्ष 235 मामले सूचीबद्ध थे। इनमें 92 नए थे। 4.15 बजे तक वह 29 ताजा मामलों की सुनवाई कर चुके थे। इसके बाद इस मामले की सुनवाई शुरू हुई, जो शाम 7 बजकर 10 मिनट तक चली।

इलाहाबाद है भाई! हफ्ता लग जाएगा भांग का नशा उतरने में

इधर, सुप्रीम कोर्ट में एक केस की सुनवाई के दौरान दिलचस्प वाकया सामने आया। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत ने केस में अगली तारीख तय करते समय खुली अदालत में इलाहाबाद (अब प्रयागराज) को लेकर एक हल्की-फुल्की टिप्पणी की, जो चर्चा का विषय बन गई। मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने सुनवाई के लिए लिस्टेड था। सीजेआई की बेंच केस की अगली सुनवाई की तारीख तय कर रही थी और कॉज लिस्ट पर चर्चा चल रही थी। इसी दौरान सीजेआई ने कहा, इस मामले को होली की छुट्टियों के बाद लिस्ट किया जाए। इसे अगले सप्ताह के बाद रखा जाए। इसी दौरान उन्होंने यह भी कहा, इलाहाबाद है भाई! एक हफ्ता तो लग जाएगा भांग का नशा उतरने में।

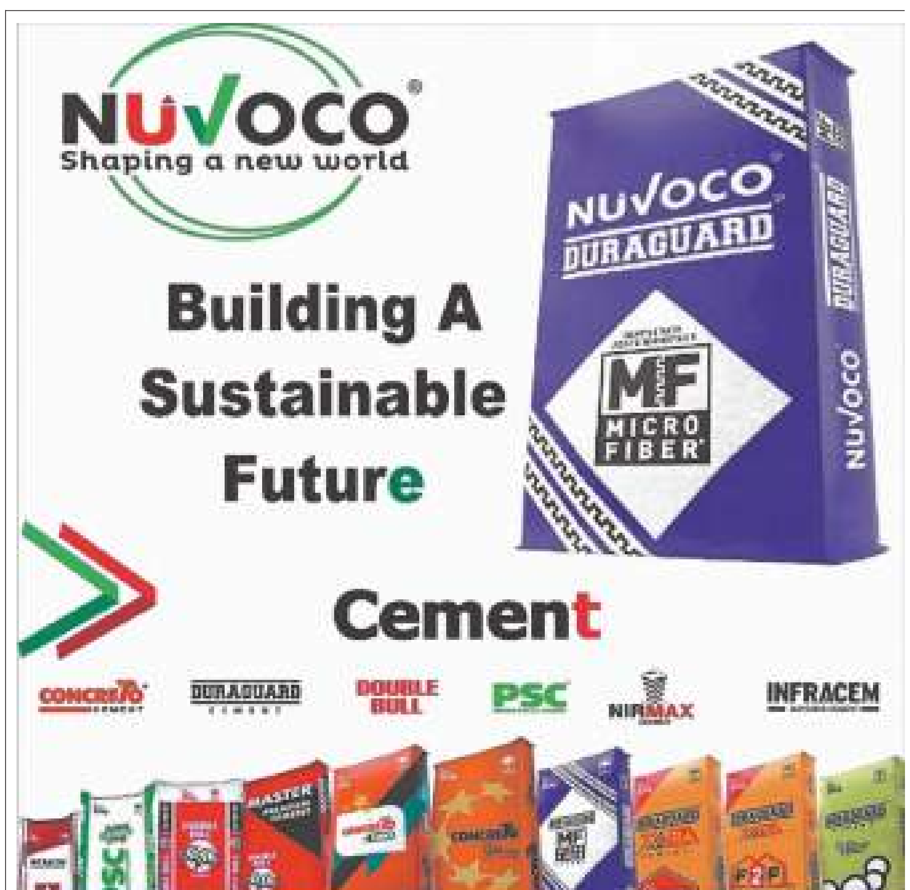

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक गोपाल श्रीवास्तव के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, बाराघाटा इंडस्ट्रीयल एरिया प्लाट नं. 12ए झांसी रोड़ ग्वालियर से मुद्रित एवं गाँधी नगर, बस स्टैंड के पास, भिण्ड से प्रकाशित। संपादक - गोपाल श्रीवास्तव। मोबाईल न. 9893126900, 7869966100, भोपाल ऑफिस-0755-4002626, 4939910, आरएनआई नं. एमपीएचआईएन/2008/28334 विधिक सलाहकार श्री राजेंद्र जैन, एडवोकेट। शिकायत एवं सुझाव हेतु संपर्क करें-6261052058, ई मेल- sattasudhar@gmail.com* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।